शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बेलगावी में लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार मामले में 5 आरोपी गिरफ्तार: परमेश्वर @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 03 जून, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-152

शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी के खिलाफ देशभर में आक्रोश

ममता सरकार ने निर्लज्जता की हद पार कर दी

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम से शर्मिष्ठा पनोली को कोलकाता पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने की कार्रवाई से देशभर में आक्रोश व्याप्त है। पूरा देश कह रहा है कि पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने निर्लज्जता की हदें पार कर दी हैं। नीदरलैंड के सांसद गीर्ट विल्डर्स शर्मिष्ठा के समर्थन में सामने आए हैं और उन्होंने उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप करने की अपील की है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सांसद मनन कुमार मिश्र ने भी शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की है। शर्मिष्ठा के खिलाफ जिस संगठन स्काई फाउंडेशन के सदस्य वजाहत खान कादरी रशीदी ने शिकायत दर्ज कराई थी उसके पाकिस्तान से सीधे लिंक पाए गए हैं। स्काई फाउंडेशन के आका कराची में बैठते हैं और भारत की अंदरूनी स्थितियों में आग लगाने के लिए वजाहत खान कादरी रशीदी जैसे लफंगों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे तत्वों को ममता बनर्जी संरक्षण देती है और निकृष्ट कृत्यों पर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करती।

पश्चिम बंगाल पुलिस ने जिस वजाहत खान कादरी रशीदी की शिकायत पर 22 साल की छात्रा शर्मिष्ठा पनोली को गिरफ्तार किया है, उसके खिलाफ दिल्ली से लेकर गुवाहाटी तक तीन एफआईआर दर्ज कराई गई हैं। वजाहत खान कादरी रशीदी की तमाम घिनौनी हरकतें अब सामने आ रही हैं। हिंदू देवी-देवताओं के अपमान, अभद्र टिप्पणियों और उसके सोशल मीडिया पर उगले गए जहर को लेकर वजाहत खान कादरी रशीदी के खिलाफ तीन एफआईआर दर्ज हुई हैं। दो एफआईआर दिल्ली में और एक एफआईआर गुवाहाटी में दर्ज हुई है।

इंटरनेट यूजर्स की जांच में यह तथ्य सामने आया कि वजाहत खान कादरी रशीदी नाम का जो व्यक्ति पैगंबर मोहम्मद और इस्लाम के कथित अपमान से नाराज होकर शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा था, वह खुद सोशल मीडिया पर हिंदू धर्म और हिंदू देवी-देवताओं का बार-बार अपमान करता रहा है। वजाहत ने अपने कृत्यों के लिए कभी माफी नहीं मागी। लेकिन शर्मिष्ठा ने जिस टिप्पणी के लिए माफी मांग ली थी, उसी को आधार बनाकर रशीदी फाउंडेशन के सह-संस्थापक वजाहत खान कादरी रशीदी ने कोलकाता पुलिस में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी और उस विकृत चरित्र के कट्टरपंथी शख्स की शिकायत पर कोलकाता पुलिस ने शर्मिष्ठा को 1500 किमी दूर गुरुग्राम से गिरफ्तार कर लिया था। वजाहत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी की मांग की थी,

शर्मिष्ठा के समर्थन में उतरे नीदरलैंड के सांसद, पीएम मोदी से की अपील
शर्मिष्ठा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने वालों के पाकिस्तानी लिंक निकले

शिकायत दर्ज कराने की जानकारी साझा की थी और बाद में उसकी गिरफ्तारी का जश्न भी मनाया था।

सोशल मीडिया पर वजाहत की पोस्ट्स इतनी गंधी हैं, उसका सभ्य समाज में जिक्र तक नहीं किया जा सकता। ऐसे हीन लोग बंगाल में ममता बनर्जी की सर-परस्ती में पलते हैं। वजाहत के आपत्तिजनक पोस्ट्स के आधार पर एडवोकेट विनीत जिंदल ने उसके खिलाफ दिल्ली पुलिस और साइबर क्राइम यूनिट में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने वजाहत पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 194, 195, 356 और आईटी एक्ट की धाराओं 66, 67, 69 के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

विनीत जिंदल ने अपनी शिकायत में कहा है कि वजाहत ने हिंदू समुदाय, उनकी मान्यताओं, प्रथाओं और भगवान कृष्ण सहित पूजनीय हस्तियों को निशाना बनाते हुए अभद्र भाषा वाले बार-बार पोस्ट किए हैं। पवित्र ग्रंथों और देवताओं का मजाक उड़ाते हुए यौन रूप से स्पष्ट और अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया है। सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने के उद्देश्य से सांप्रदायिक उकसावे की कार्रवाई की है। धार्मिक भावनाओं का उपहास करने और उन्हें भड़काने के उद्देश्य से ग्राफिक गलत सूचना और मॉर्फ की गई तस्वीरें सोशल मीडिया के सार्वजनिक फोरम पर डाली हैं।

एडवोकेट विनीत जिंदल के अनुसार सामग्री में बलात्कारी संस्कृति, मूत्र पीने वाले और हिंदू त्यौहारों, देवताओं और मंदिरों (जैसे, कामाख्या देवी मंदिर) पर अपमानजनक टिप्पणियां शामिल हैं। ये पोस्ट धार्मिक समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने का एक स्पष्ट और जानबूझकर किया गया प्रयास प्रतीत होता है, जो 194,195,356 बीएनएस और आईटी अधिनियम की धारा 66,67,69 के तहत दंडनीय अपराध है।

अधिवक्ता अमिता सचदेवा ने कोलकाता के रहने वाले वजाहत खान के खिलाफ दिल्ली में साकेत पुलिस के साइबर अपराध में दूसरी शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने लिखा कि कोलकाता स्थित रशीदी फाउंडेशन के सह-संस्थापक वजाहत खान कादरी रशीदी के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हिंदू धर्म, देवी-देवताओं, त्यौहारों और संस्कृति को निशाना बनाकर आपत्तिजनक, अपमानजनक और भड़काऊ सामग्री पोस्ट करने के आरोप में शिकायत दर्ज की गई है। जिंदल ने कहा कि इन पोस्टों से हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं, जिसमें वह स्वयं भी शामिल हैं, और इनसे सांप्रदायिक तनाव भड़कने की आशंका है। इस बीच, वजाहत के खिलाफ तीसरी एफआईआर गुवाहाटी में दर्ज कराई गई है। वायस ऑफ असम और शांतनु सैकिया ने ये एफआईआर दर्ज कराई है। ▶10पर

पीएम मोदी के न्यौते पर पहली बार भारत आए पराग्वे के राष्ट्रपति

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में साथ रहेंगे दोनों देश

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां)। भारत और पराग्वे ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक दूसरे का साथ देने की घोषणा की है। दोनों देशों ने कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और पराग्वे कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के हैदराबाद हाउस में पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आपकी यात्रा बहुत ही ऐतिहासिक है। दूसरी बार पराग्वे के किसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा हो रही है। मुझे खुशी है कि आपके साथ ताकतवर प्रतिनिधिमंडल आया है। आप केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि मुंबई भी जा रहे हैं। मेरा विश्वास है कि आपसी सहयोग से हम साझी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगे। पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस और प्रधानमंत्री मोदी की सोमवार को हैदराबाद हाउस में मुलाकात हुई। राष्ट्रपति पेना तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर भारत पहुंचे। इस दौरे को दोनों देशों के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने ▶10पर

आर्थिक विकास और सहयोग के कई मुद्दों पर हुई वार्ता

राष्ट्रपति पेना की भारत यात्रा ऐतिहासिक : पीएम मोदी

जमीन से घिरे पराग्वे की है सबसे बड़ी नौसेना

पराग्वे ऐसा देश है जो चारों तरफ जमीन से घिरा है फिर भी उसकी सबसे बड़ी नौसेना है। पराग्वे लैंड-लॉक्ड देश है। कैलिफोर्निया से भी छोटा 157,000 वर्ग मील क्षेत्रफल वाला देश पराग्वे दक्षिण अमेरिका महाद्वीप में है। यह चारों तरफ से अर्जेंटीना, ब्राजील और बोलीविया से घिरा है। पराग्वे की सबसे बड़ी नौसेना का संचालन कैसे होता है? देश की नदियों के जरिए पराग्वे की नौसेना ऑपरेट करती है। इसमें सबसे प्रमुख पराना नदी है जो ब्यूनस आयर्स के करीब समुद्र में मिलती है। पराग्वे की नौसेना छोटे जहाजों से अपना संचालन करती है। पराग्वे के पास रिवर डिफेंस कोर, कोस्ट गार्ड और नेवल एविएशन कोर भी है। पराग्वे की नौसेना अर्जेंटीना और अपनी नदियों के जरिए समुद्र से जुड़ी रहती है। पराग्वे नौसेना की स्थापना 1881 में हुई थी।

असम में विदेशियों के निर्वासन से जुड़ी याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज

पुश-बैक अभियान रोकने से सुप्रीम कोर्ट का इन्कार

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां)। असम में घुसपैठियों का निर्वासन रोकने से जुड़ी याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता अपनी बात रखने के लिए गौहाटी हाईकोर्ट जा सकते हैं। याचिका में घुसपैठियों को वापस भेजने (पुश-बैक) के असम सरकार के अभियान को तत्काल प्रभास से रोकने की भी मांग की गई थी। लेकिन इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करने से साफ तौर पर इन्कार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई याचिका में आरोप लगाया गया था कि असम सरकार ने राष्ट्रीयता सत्यापन या कानूनी उपाय समाप्त होने के पहले ही विदेशियों को हिरासत में लेने और उन्हें निर्वासित करने का अभियान शुरू दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने ही पिछले दिनों असम सरकार समेत कई राज्यों को यह निर्देश दिया था कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को तत्काल प्रभाव से उनके देश भेजने की कार्रवाई हो। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि भारतवर्ष भारत के लोगों के रहने के लिए है न कि घुसपैठियों के रहने के लिए। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता ऑल बीटीसी माइनॉरिटी स्टूडेंट्स यूनियन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े से पूछा कि आप गौहाटी उच्च न्यायालय क्यों नहीं जा रहे हैं? इस पर वकील ने कहा कि यह याचिका सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पूर्व में पारित आदेश पर आधारित है। ▶10पर

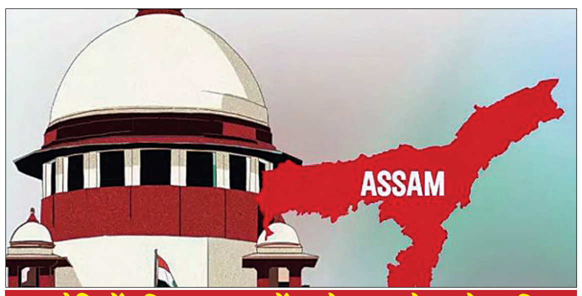

घुसपैठियों की वकालत में खड़े हुए बड़े-बड़े वकील
सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा, गौहाटी हाईकोर्ट जाएं

घुसपैठियों को नो-मैन्स लैंड में धकेल रही असम सरकार

गुवाहाटी, 02 जून (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देश के बाद असम सरकार ने विदेशी नागरिकों के रूप में घोषित किए गए लोगों को भारत-बांग्लादेश सीमा पर नो-मैन्स लैंड में धकेलने की प्रक्रिया शुरू कर रखी है। उन घुसपैठियों को वापस उनके देश धकेला जा रहा है जिन्हें फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल ने अवैध विदेशी घोषित किया है। सरकार इन घोषित विदेशी नागरिकों को भारत-बांग्लादेश सीमा के नो-मैन्स लैंड (निर्जन क्षेत्र) में जबरन धकेल रही है। 27 और 29 मई को असम के पश्चिमी और दक्षिणी हिस्सों से कम से कम 50 घुसपैठियों को वापस उनके देश भेजा गया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा था, अब तक ट्रिब्यूनलों द्वारा विदेशी घोषित किए गए 30,000 लोग गायब हो चुके हैं। एनआरसी अपडेट के दौरान यह प्रक्रिया रुकी हुई थी, अब हमने इसे तेज करने का निर्णय लिया है। जैसे ही हमें कोई घोषित विदेशी मिलता है, हम कानून के अनुसार कार्रवाई कर रहे हैं। सीएम सरमा ने स्पष्ट किया कि आने वाले दिनों में इस तरह की कई पुश-बैक कार्रवाई होगी। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,00,370/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,03,150/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 34°
न्यूनतम : 23°

अब पुलिस का दफ्तर भी बन रहा आम लोगों का घर

दिल्ली पुलिस के दफ्तर से करोड़ों रुपए गायब

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां)।

हेड कांस्टेबल की करतूत या सुनियोजित षडयंत्र का हिस्सा?

स्थिति इतना बदतर हो चुकी है कि अब पुलिस का दफ्तर भी बन रहा आम लोगों के घर की तरह चोरी और लूट का शिकार हो रहा है। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल के दफ्तर से करोड़ों रुपए गायब होने की घटना ने पूरी पुलिस व्यवस्था के चेहरे पर कालिख पोत दी है। संदेह में एक हेड कांस्टेबल को गिरफ्तार किया गया। पुलिस मामले की तह में जाने के बजाय मामले को किसी तरह दबाने में लगी हुई है। स्पेशल सेल दिल्ली पुलिस का विशेष महकमा है जो एंटी टेरर स्क्वॉड (एटीएस) के रूप में काम करता है। ▶10पर

ऑपरेशन सिंदूर के बाद ऑपरेशन पुश-बैक का असर

खुद ही लौटने लगे बांग्लादेशी घुसपैठिए

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां)। भारत सरकार ने 7 मई की रात से ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इसके बाद शुरू हुए ऑपरेशन पुश-बैक के तहत 2000 से अधिक अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को उनके देश वापस भेज दिया गया है। यह अभियान एक राष्ट्रीय स्तर की पहचान सत्यापन प्रक्रिया के बाद तेजी से चलाया जा रहा है। इस कार्रवाई के डर से लगभग इतनी ही संख्या में घुसपैठिए स्वेच्छा से भारत-बांग्लादेश सीमा पर लौटने के लिए इकट्ठा हो गए हैं।

2000 से ज्यादा बांग्लादेशियों को भेजा गया

यह ऑपरेशन खासतौर पर त्रिपुरा, मेघालय और असम की सीमा पर केंद्रित है। इन इलाकों को इस वजह से चुना गया क्योंकि यहां से घुसपैठियों को बॉर्डर पार भेजना आसान है। सूत्रों के अनुसार, सबसे पहले गुजरात ने इस अभियान की शुरुआत की थी और अब तक लगभग आधे पुशबैक मामले वहीं से दर्ज किए गए हैं। दिल्ली और हरियाणा ने भी बड़ी संख्या में बांग्लादेशियों को भेजा है, जबकि असम, महाराष्ट्र और राजस्थान में भी गिरफ्तारियां हुई हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, अप्रैल में पहलगाम हमले के बाद यह कवायद तेज हुई है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए अब राज्यों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने क्षेत्रों में रहने वाले अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान करके उन्हें वापस भेजें। आर्थिक गतिविधियों वाले बड़े शहरों में यह अभियान तेजी से चल रहा है और गृह मंत्रालय की ओर से इस दिशा में सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। इन अवैध नागरिकों को भारत के विभिन्न हिस्सों से एयरफोर्स के विमानों द्वारा सीमा तक लाया जा रहा है, जहां बीएसएफ उन्हें अस्थायी कैंपों में रखती है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

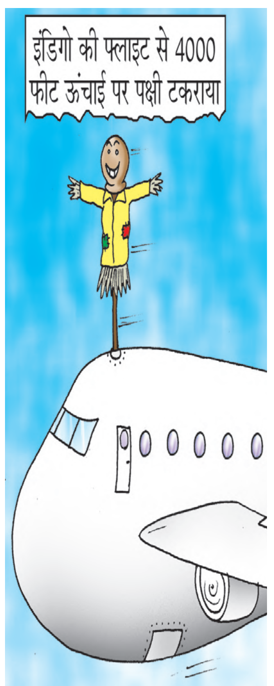

शुभ लाभ DAILY

निराश्रित परिहार केंद्र में नेत्र जांच शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महावीर इंटरनेशनल ने कर्नाटक सरकार के समाज कल्याण मंत्रालय के तहत एनपीके, केंद्रीय राहत केंद्र (सीआरसी) में एक व्यापक नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। 30 मई को आयोजित इस नेक प्रयास को प्रोजेक्ट दृष्टि के सहयोग से किया गया, जिसका उद्देश्य केंद्र में रहने वाले पुनर्वासित भिखारी समुदाय को आवश्यक नेत्र देखभाल प्रदान करना था।

एनपीके वर्तमान में 900 से अधिक पुरुषों और महिलाओं को आवास और पुनर्वास प्रदान करता है, जिनमें से कई को भिक्षावृत्ति निषेध अधिनियम के तहत लाया गया था। ये व्यक्ति, जो कभी कर्नाटक भर में सड़कों पर रहते थे, को अब सीआरसी द्वारा सुगम संरचित पुनर्वास कार्यक्रमों के माध्यम से दूसरा मौका दिया जा रहा है। केंद्र इन व्यक्तियों को भोजन, आश्रय, स्वास्थ्य देखभाल, व्यावसायिक प्रशिक्षण और मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रदान करके उनकी गरिमा और स्वतंत्रता को बहाल करने में बड़े पैमाने पर काम करता है। महावीर इंटरनेशनल ने इन प्रयासों को बढ़ाने के लिए सीआरसी के साथ हाथ मिलाया। उनकी सहयोगी गतिविधियों में स्वास्थ्य शिविर, मनोरंजन सत्र, व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यशालाएँ और परामर्श सेवाएँ आयोजित करना शामिल है, जिसका उद्देश्य न केवल कैदियों की जीवन स्थितियों में सुधार करना है, बल्कि उनके द्वारा स्वेच्छा से साझा किए गए डेटा के माध्यम से उनके पारिवारिक जड़ों का पता लगाना भी है। आयोजित नेत्र जांच शिविर इस साझेदारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। कुल 256 कैदियों की आँखों की जाँच की गई।

उनमें से 100 से अधिक को पढ़ने के लिए चश्मा प्रदान किया गया, जिससे उन्हें तत्काल राहत मिली और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ। कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक समन्वय किया गया और पूरे दिन सक्रिय स्वयंसेवक भागीदारी देखी गई। सीआरसी के सरकार द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक राजेंद्र ने महावीर इंटरनेशनल स्वयंसेवकों को पूर्ण समर्थन दिया, जिससे केंद्र के कर्मचारियों से सुचारू रसद और उत्साही सहयोग सुनिश्चित हुआ। महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु केंद्र की अध्यक्ष भारती छाजेड़ तलेसरा ने उनके समर्पण की बहुत सराहना की, जिन्होंने इस मानवीय कारण के लिए चल रही साझेदारी और प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त किया।

शिविर में महावीर इंटरनेशनल के सदस्यों ने पूरे दिल से भाग लिया, जिसमें कोषाध्यक्ष सुरेश लखानी, संयुक्त सचिव आशीष बाफना और समर्पित वरिष्ठ सदस्य जैसे रमेश डाक, दिनेश लोढ़ा और अन्य स्वयंसेवक दिव्या पिरगल, दीप्ति बाफना, अक्षय डाक और मुकेश भंडारी शामिल थे।

स्थायी प्याऊ की स्थापना के साथ गुलाब शरबत का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मायुम बेंगलूरु स्टार्स शाखा ने अमृतधारा सेवा प्रकल्प को तीव्र रूप देते हुए अपनी पांचवी सेवा लालबाग - जेसी रोड मिनर्वा थिएटर सर्किल में की।

निर्माणधीन कंट्रीसाइड ऑफिस बिल्डिंग के बाहर स्थाई प्याऊ की स्थापना की गई, जिससे राहगीर और मजदूरों को स्वच्छ शीतल पेय का लाभ मिल सके। मूला रंगप्पा परिवार एवं मिनर्वा बिल्डर्स के सौजन्य से इस प्याऊ की स्थापना एवं अवतरण किया गया। अपने दूसरे कार्य में शाखा ने निर्माणधीन बिल्डिंग के बाहर गुलाब शरबत और पुलियोगरे पुलाओ का वितरण किया। 3 घंटे चले इस सेवा कार्य में करीब 1500 -2000 लोग लाभान्वित हुए। राहगीरों के अलावा आस पास के दुकानदारों ने भी सेवा का भरपूर लाभ उठाया और इस सेवा के लिए संगठन की खूब अनुमोदना की।

शहर के इस व्यस्त मार्ग पर गुजर रही बसों, ऑटो में बैठे हुए यात्रियों ने भी इस सेवा का लाभ उठाया।

सेवा में भाग लेने वाले प्रमुख सदस्यों में आशीष फिटकरीवाला, प्रांजल सरावगी, मनीष अग्रवाल, अजय अग्रवाल, निपुण सुंदरका, दीपा चौधरी, गौरांग गुप्ता, मयंक डिडवानिया, अंकित रूंगटा, सौरभ रूंगटा शामिल थे। उन्होंने तन-मन से योगदान देकर इस कार्यक्रम को सफल और प्रभावशाली बनाया। कार्यक्रम संयोजक मनीष ने आत्मिक आनंद (सौजन्य मूला रंगप्पा परिवार एवं मिनर्वा बिल्डर्स) को उनके अमूल्य योगदान के लिए आभार प्रकट किया। सचिव अजय अग्रवाल ने सभी सदस्यों और विशेष रूप से प्रांतीय संयोजक गौरांग गुप्ता, शाखा संयोजक - अमृतधारा - दीपा चौधरी, शाखा उपाध्यक्ष मनीष अग्रवाल और शाखा सदस्य उत्तम बागरेचा और अंकित नवलगडिया का धन्यवाद व्यक्त किया, जिन्होंने अपना बहुमूल्य योगदान दिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।

ललित बाबेल बने अणुव्रत समिति बेंगलूरु के अध्यक्ष

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ सभा भवन, गांधीनगर में अध्यक्ष देवराज रायसोनी की अध्यक्षता में अणुव्रत समिति, बेंगलूरु की साधारण सभा आयोजित हुई। नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अणुव्रत समिति महिला विंग ने अणुव्रत गीत का संगान किया। महासभा से प्रकाश लोढ़ा ने अणुव्रत आचार्य संहिता का वाचन किया। अध्यक्ष देवराज रायसोनी ने स्वागत वक्तव्य देते हुए अपने पूरे दो वर्ष के कार्यकाल में सभी के सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया। मंत्री हरकचंद ओस्तवाल ने पूरे वर्ष के कार्य प्रणाली का प्रतिवेदन द्वारा प्रस्तुत किया। आय व्यय की रिपोर्ट कोषाध्यक्ष महेंद्र दक ने प्रस्तुत की जिसे सदन द्वारा पारित किया गया।

साधारण सभा के संपन्नता के तत्पश्चात वर्ष 2025 - 27 हेतु ललित बाबेल को निर्विरोध अध्यक्ष मनोनीत किया गया। नव मनोनीत अध्यक्ष ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभी से सफल कार्यकाल हेतु सहयोग का निवेदन किया। प्रकाश लोढ़ा, कन्हैयालाल चिप्पड़, रामलाल गन्ना, प्रकाश बाबेल, गौतम मुथा, माणकचन्द मुथा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए नव मनोनीत अध्यक्ष को शुभकामनाएं संप्रेषित की। इस अवसर पर समिति निवर्तमान अध्यक्ष शांतिलाल पोरवाल, उपाध्यक्ष माणकचंद संचेती, शांति सकलेचा, सहमंत्री प्रवीण बोहरा, बबीता चोपड़ा, सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल सहित कार्यकारिणी एवं कार्यसमिति सदस्यगण एवं गणमान्यों की उपस्थिति रही।

महाराष्ट्र ने अलमट्टी बांध की ऊंचाई पर आपत्ति जताई: शिवकुमार

सरकार को ब्लैकमेल करना ठीक नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री और जल संसाधन मंत्री डीके शिवकुमार ने आपत्ति जताई है कि महाराष्ट्र सरकार, जिसने अब तक अलमट्टी बांध की ऊंचाई को लेकर कोई आपत्ति नहीं जताई थी, अपनी प्रतिष्ठा खो चुकी है। विधान सौधा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि 9 मई को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को एक पत्र लिखकर कहा था कि अलमट्टी बांध की ऊंचाई 519 मीटर से बढ़ाकर 524.63 मीटर करने से महाराष्ट्र में बाढ़ आ जाएगी। उन्होंने आपत्ति जताई कि इससे सांगली और कोल्हापुर के लिए समस्याएँ पैदा होंगी और मांग की कि अलमट्टी बांध की ऊंचाई पर काम की प्रक्रिया को रोका जाए। उन्होंने कहा कि यह आश्चर्य और सदमे की बात है। कृष्णा ट्रिब्यूनल के फैसले ने अलमट्टी बांध की ऊंचाई को मंजूरी दे दी है। महाराष्ट्र की ओर से कर्नाटक द्वारा अपने हिस्से का पानी इस्तेमाल करने पर अब तक कोई आपत्ति नहीं जताई गई है। महाराष्ट्र ने 2010 और 2013 में भी फैसले पर कोई आपत्ति नहीं जताई थी। महाराष्ट्र सरकार ने खुद ही न्यायाधिकरण के फैसले के त्वरित क्रियान्वयन के लिए न्यायालय में अंतरिम आवेदन दायर किया था। लेकिन अब, यह चौंकाने वाला है कि उसने अचानक बांध की ऊंचाई पर आपत्ति जताई है। जिस मामले का निपटारा हो चुका है, उसमें सभी मामले पहले ही सुलझ चुके हैं। जब वे और मुख्यमंत्री दिल्ली गए थे, तो उन्होंने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल को न्यायाधिकरण के फैसले की अधिसूचना के जवाब में संबंधित राज्यों के साथ बैठक करने और उचित निर्णय लेने का अनुरोध किया था। तदनुसार, अंतर-राज्यीय बैठकें भी निर्धारित की गई थीं। इसके लिए हमने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बेंगलूरु में एक आंतरिक बैठक की थी। संबंधित जिलों के जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा की गई थी। बैठक में भाग लेने के लिए हमारे अधिकारी पहले ही चले गए थे। उन्होंने कहा कि जिस समय हम दूसरी फ्लाइट पकड़ने के बारे में सोच रहे थे, हमें संदेश मिला कि

बैठक रद्द कर दी गई है। जब हमने इसका कारण खोजा तो पता चला कि महाराष्ट्र सरकार अनुरोध करने की प्रक्रिया में है। हमारे सभी सांसदों को अपनी पार्टी की संबद्धता को भूलकर राज्य के हितों की रक्षा के लिए एकता की आवाज बनना चाहिए। केंद्रीय मंत्रियों को भी सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित किसी से भी मिलने और सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है। अलमट्टी बांध की ऊंचाई हमारा अधिकार है। हम इसमें किसी भी तरह की बाधा को बर्दाश्त नहीं कर सकते। अगर महाराष्ट्र आंतरिक समस्याओं का सामना कर रहा है, तो उन्हें इसे ठीक करना चाहिए। हम विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि हमारी परियोजना को बाधित न किया जाए। डीके शिवकुमार ने आपत्ति जताई है कि हेमावती लिंक नहर परियोजना में अनावश्यक राजनीति की जा रही है। यह एक ऐसी परियोजना थी जिसकी कल्पना पहले एच.डी. कुमारस्वामी के मुख्यमंत्री रहते की गई थी। बाद में, सत्ता में आई भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री रहे येदियुरप्पा ने इसे रोक दिया। शुरुआत में, परियोजना का आकार 600 करोड़ रुपये था। देरी के कारण अब यह 1000 करोड़ तक पहुंच गया है। राज्य सरकार पहले ही 400 करोड़ जारी कर चुकी है। तुमकुर जिले के विधायक सुरेश गौड़ा और एम.पी. कृष्णप्पा की सलाह पर एक तकनीकी समिति बनाई गई थी। अब हम रिपोर्ट के आधार पर परियोजना को लागू कर रहे हैं। इसमें हमारा राजनीतिक हित भी है। कुनिगल तालुके को 2014 से हेमावती से आवंटित 2 टीएमसी का 10 प्रतिशत भी नहीं मिला है। यह निरंतर अन्याय है। 3.3 टीएमसी पानी कुनिगल को जाना चाहिए। 0.6 टीएमसी मगदी तक पहुंचना चाहिए। ये सभी तालुके कावेरी नदी बेसिन में आते हैं। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि यह कोई अंतर-राज्यीय नदी विवाद नहीं है। कृष्णा नदी बेसिन से तुमकुर में पानी लाया गया है। येत्तिनाहोल शुरू में कोलार और चिक्कबल्लापुर तक ही सीमित था। तुमकुरु, चिक्कनायकनहल्ली, शिरा तालुकों की झीलों को भरने के लिए परियोजना को संशोधित किया गया है। इसी तरह, क्या कुनिगल और मगदी तालुकों को पानी की जरूरत नहीं है? रामनगर में पर्याप्त पानी है। हेमावती से वहां पानी बहने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि बेवजह राजनीति करना, निर्दोष स्वामीजी को विरोध में उतारना और सरकार को ब्लैकमेल करना ठीक नहीं है। विधायक सुरेश गौड़ा और अन्य की अलग-अलग मांगें हैं। उन्होंने कहा कि वे इस बारे में अभी बात नहीं करेंगे। जब विरोध के दौरान कानून अपने हाथ में लिया जाता है, तो पुलिस कानूनी कार्रवाई करती है। उन्होंने कहा कि हमने पहले मेकेदातु पदयात्रा करते समय कानून का पालन किया था। मैंने तुमकुरु के विधायकों द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्दों को सुना है। इस तरह, मेरे पास भी शक्ति और क्षमता है। लेकिन सब कुछ समय के अधीन है।

बेंगलूरु साउथ ने पुणे में बॉल-ए-थॉन 2.0 की ओवरऑल चैंपियन ट्रॉफी जीती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो यूथ पुणे चैप्टर ने जीतो यूथ एपेक्स और आरओएम जोन के साथ मिलकर जैन युवाओं के लिए 19 से 36 वर्ष की आयु के बीच एक 3-दिवसीय खेल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया। इस आयोजन को इंडस कैपिटल द्वारा प्रायोजित किया गया था और यह 30 मई से 1 जून तक फ्लेम यूनिवर्सिटी, पुणे में आयोजित किया गया। सी बी भंडारी जैन कॉलेज ने इस आयोजन के लिए टीम प्रायोजन प्रदान किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन 30 मई की सुजीतो बह एक औपचारिक समारोह के साथ हुआ, जिसके बाद मार्च फास्ट हुआ। मेहुल श्रीश्रीमल जीतो बेंगलूरु साउथ यूथ चेयरमैन ने 86 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जिसमें मुख्य सचिव रिषभ चोपड़ा, कोषाध्यक्ष यश जैन, संयुक्त सचिव अवधी चौहान, स्पोर्ट्स संयोजक कनिश बलार और प्रबंध समिति सदस्य शुभम जैन, शेफाली गोलेच्छा, वर्धमान, रोशनी जैन, शशांक खांटेड, तक्ष जैन और कृष मेहता शामिल थे। भारत भर के 45 जीतो चैप्टर की 40 टीमों ने 15 विभिन्न प्रतिस्पर्धी खेलों में भाग लिया, जिनमें टर्फ क्रिकेट, टर्फ फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, लेडीज टर्फ क्रिकेट, गर्ल्स थ्रोबॉल, बैडमिंटन, स्नूकर, कैरम, शतरंज, 100 मीटर दौड़ , 400 मीटर दौड़ और तैराकी शामिल थीं। लगभग 1200 प्रतिभागियों ने विश्वविद्यालय परिसर में दो दिनों तक 9 बजे से 10 बजे तक और अंतिम दिन 4 बजे तक चलने वाले एक बिना-रोक खेल उत्सव में भाग लिया। बेंगलूरु साउथ टीम ने 11 खेलों में भाग लिया और कई अभ्यास सत्रों के बाद महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। निम्नलिखित प्रतिभागियों और टीमों ने विजय प्राप्त की जिसमें वॉलीबॉल उपविजेता, बास्केटबॉल उपविजेता, - गर्ल्स थ्रोबॉल उपविजेता, बैडमिंटन सिंगल्स (महिला) विजेता - आंचल जैन, बैडमिंटन सिंगल्स (महिला) उपविजेता - साहना बी ए, बैडमिंटन डबल्स (महिला) विजेता, आंचल जैन और साहना बी ए, बैडमिंटन सिंगल्स (पुरुष) विजेता - आदित्य वर्मा, बैडमिंटन डबल्स (पुरुष) विजेता आदित्य वर्मा और मैश वर्मा, शतरंज उपविजेता - शब्दिक वर्मा, स्नूकर उपविजेता - दुर्लभ सिसोदिया, एक्वाटिक्स (बॉयज) उपविजेता वर्धमान, एक्वाटिक्स (गर्ल्स) उपविजेता - पिया जैन, 100 मीटर रनिंग रेस कांस्य पदक - साहना बीए, गोल्डन बूट (फुटबॉल) नक्ष जैन, एमवीपी (गर्ल्स थ्रोबॉल) दिव्या अंचलिया, प्लेयर ऑफ द सीरीज (गर्ल्स टर्फ क्रिकेट) ईशा भंसाली ने जीतो बेंगलूरु साउथ को जीत हासिल करवाई। नक्ष जैन ने फुटबॉल टीम, सुदर्शन जैन ने बास्केटबॉल टीम, दिव्या अंचलिया ने गर्ल्स थ्रोबॉल टीम, अरिंथ वर्मा ने वॉलीबॉल टीम, सांझवी जैन ने गर्ल्स टर्फ क्रिकेट टीम और मोक्ष गांधी बॉयज क्रिकेट टीमों का नेतृत्व किया। सभी 86 सदस्यों ने जबरदस्त प्रयास किया और स्पोर्ट्स संयोजक कनिश बलार द्वारा अपवाद रूप से प्रबंधित किया गया, जिन्होंने ऑल इंडिया प्रतियोगिता के लिए एक मजबूत टीम बनाने के लिए सप्ताहों तक अथक परिश्रम किया। उनके प्रयासों का फल तब मिला जब एपेक्स स्पोर्ट्स सचिव दीपक जैन और जीतो यूथ एपेक्स के मुख्य सचिव निकुंज ओसवाल के नेतृत्व में आयोजन टीम ने घोषणा की कि जीतो बेंगलूरु साउथ बॉल-ओ-थॉन 2.0 में समग्र चैंपियन था।

विक्की ओसवाल जीतो स्पोर्ट्स चेयरमैन एपेक्स ने ट्रॉफी और पुरस्कार राशि दी। बॉल-ओ-थॉन 2.0 में जीतो बेंगलूरु साउथ का उत्कृष्ट प्रदर्शन टीम की समर्पण, कड़ी मेहनत और खेल के प्रति जुनून का प्रमाण है। टीम की समग्र चैंपियनशिप जीत एक उल्लेखनीय उपलब्धि है जो जैन युवाओं की प्रतिभा और भावना को प्रदर्शित करती है। जीतो बेंगलूरु साउथ की सफलता संगठन की खेल को बढ़ावा देने और युवा प्रतिभा को पोषित करने की प्रतिबद्धता का एक उज्ज्वल उदाहरण है। टीम की उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, टीम वर्क और दृढ़ता का परिणाम है।

वृद्ध महिलाओं के लिए अन्न दान सेवा कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मारवाड़ी युवा मंच, बेंगलूरु सेंट्रल द्वारा संध्या सुरक्षा वृद्धाश्रम में एक विशेष सेवा कार्यक्रम अन्न दान का आयोजन किया गया, जिसमें 200 से अधिक वृद्ध महिलाओं के लिए प्रेमपूर्वक भोजन तैयार कर परोसा गया। इस मानवीय प्रयास का उद्देश्य न केवल उन्हें स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराना था, बल्कि उनके साथ समय बिताकर उन्हें अपनापन और सम्मान का अहसास कराना भी था। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 9 बजे हुई और पूरे दिन वृद्धजनों के साथ विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं जिनमें योग सत्र, ड्राइंग प्रतियोगिता, संगीत और खेल शामिल थे। इस आयोजन ने वृद्धाश्रम के वातावरण में एक नई ऊर्जा और प्रसन्नता का संचार किया। कार्यक्रम का कुशल समन्वयन आयुष भिमसरिया एवं प्रत्युष बंसल ने किया। इनके नेतृत्व में कार्यक्रम न केवल सुचारू रूप से संचालित हुआ, बल्कि हर क्षण में सेवा और समर्पण की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। इस प्रेरणादायी पहल को सफल बनाने में गौतम लोहिया, कविता जितानी, आशीष अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, निखिल केडिया और रौनक मुरारका जैसे समर्पित कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अणुव्रत समिति चिक्कमगलूरु द्वारा रविवार को अणुव्रत क्रिएटिविटी प्रतिस्पर्धा 2025 के बैनर का अध्यक्षा मंजू बाई भंसाली, मंत्री (साउथ जोन के राज्य प्रभारी) गौतम आच्छा, पूर्व अध्यक्ष लालचंद भंसाली, संयोजक पुष्पराज गादिया, सहसंयोजक चंद्राबाई और पूर्व तेरापंथ सभा अध्यक्ष सुरेंद्र गोखरू ने का अनावरण किया।

बेलगावी में लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार मामले में 5 आरोपी गिरफ्तार: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि बेलगावी में सामूहिक बलात्कार का मामला देर से प्रकाश में आया है और पांच लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मामला पिछले दिसंबर या जनवरी में हुआ था और अब तक किसी को नहीं बताया गया था। शिकायत भी दर्ज नहीं की गई थी। अब शिकायत दर्ज कर ली गई है और पांच लोगों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई करेगी। तुमकुरु में हेमावती लिंक नहर परियोजना से किसी को परेशान नहीं किया जाएगा। परमेश्वर ने स्पष्ट किया कि किसी

को भी अनावश्यक रूप से चिंतित नहीं होना चाहिए और संयम बनाए रखना चाहिए। हेमावती लिंक नहर परियोजना को लेकर एक तकनीकी समिति बनाई गई है। समिति की रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया कि कोई समस्या नहीं है। इसलिए उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग ने काम शुरू करने के निर्देश दिए हैं। इस बीच, किसान और विधायक विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे तुमकुरु का दौरा कर रहे हैं और हेमावती नहर डिवीजन के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। विधायक बालकृष्ण की चेतावनी कि अगर मगदी में पानी रोका गया तो तुमकुरु का दूध और सब्जियाँ मगदी में नहीं बिकने दी जाएँगी, पर परमेश्वर ने कहा कि उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया है। उन्होंने विधायकों को संयम से काम लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि वे तुमकुरु जाने के बाद विरोध प्रदर्शन में शामिल स्वामीजी के खिलाफ दर्ज मामले की समीक्षा करेंगे।

उल्लेखनीय है कि पुलिस अधिकारियों ने दो नाबालिगों सहित पांच लोगों को एक गिरोह का हिस्सा होने के आरोप में गिरफ्तार किया है, जिसने कथित तौर पर एक नाबालिग के साथ बार-बार सामूहिक बलात्कार किया और अपराध का वीडियो बनाया। यह अपराध कुछ महीने पहले बेलगावी के पास एक गाँव में किया गया था। 15 वर्षीय लड़की का अपहरण कर लिया गया, उसे एक पत्थर के क्रशर में ले जाया गया और छह लोगों ने उसके साथ बलात्कार किया। उन्होंने इस घटना को अपने मोबाइल फोन पर फिल्माया। पीड़िता के माता-पिता ने शिकायत करने के बाद दो दिन पहले पुलिस से संपर्क किया। आरोपियों को पकड़ने के लिए एक टीम बनाई गई है। जांच जारी है।

पुलिस आयुक्त बोरसे भूषण गुलबाराव ने रविवार को बेलगावी में संवाददाताओं को बताया कि आरोपियों ने वीडियो का इस्तेमाल उसे ब्लैकमेल करने और अलग-अलग समय पर अलग-अलग जगहों पर बार-बार बलात्कार करने के लिए किया था। पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री का दिल्ली दौरा 6 को

कैबिनेट फेरबदल पर चर्चा गरम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मंत्रिमंडल में फेरबदल की चर्चाओं के बीच मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के 6 जून को दिल्ली दौरे ने उत्सुकता जगा दी है। मंत्रिमंडल में रिक्त पद को भरने के साथ ही कई अयोग्य, विवादास्पद और निष्क्रिय मंत्रियों को मंत्रिमंडल से हटाकर उत्साही और योग्य मंत्रियों को जगह देने की चर्चा जोरों पर है। कुछ मंत्री त्रिकोणीय स्थिति को लेकर चिंतित हैं और जो मंत्री पद खोने से डरे हुए हैं, वे रविवार को बेंगलूरु आए एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर गए और उनसे एक और मौका देने की गुहार लगाई। संभावना है कि विधान परिषद के

वरिष्ठ सदस्य बी.के. हरिप्रसाद को मंत्रिमंडल में शामिल कर विधान परिषद का विधायी नेता नियुक्त किया जाएगा। इस तरह विधान परिषद के मौजूदा सदस्य और मंत्री एन.एस. बोसराज के स्थान पर किसी और को लाने की चर्चा शुरू हो गई है। मंत्रिमंडल की एकमात्र महिला सदस्य लक्ष्मी हेब्बालकर बेलगावी जिले की राजनीति पर हावी होने की कोशिश कर रही हैं और अप्रत्यक्ष रूप से वरिष्ठ सतीश जारकीहोली को चिढ़ाने की कोशिश कर रही हैं। इसलिए संभावना है कि मंत्रिमंडल लक्ष्मी हेब्बालकर के दबदबे को कम करने के लिए उन्हें हटा दे या किसी अन्य महिला सदस्य को मंत्रिमंडल में शामिल होने की अनुमति दे। नगर प्रशासन मंत्री रहीम खान, सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना, आबकारी मंत्री आर.बी. थिम्मापुर, लघु उद्योग मंत्री शरणबसप्पा दर्शनपुर, समाज कल्याण मंत्री एच.सी. महादेवप्पा समेत कई अन्य को मंत्रिमंडल से निकालने की संभावना है। मंत्रिमंडल में शामिल होने वालों की सूची हनुमान की पूंछ जितनी लंबी है और 60 से अधिक लोग पैरवी कर रहे हैं। कई विधायक ढाई साल तक इंतजार करने की स्थिति में नहीं हैं और अड़े हुए हैं कि मंत्रिमंडल का तुरंत पुनर्गठन किया जाए। इसलिए कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री आलाकमान से चर्चा करने के लिए दिल्ली जा रहे हैं।

केएमएफ ने विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर नए उत्पाद लॉन्च किए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केएमएफ के प्रबंध निदेशक बी. शिवस्वामी ने कहा कि प्रोत्साहन राशि में 4 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि के कारण केएमएफ हर दिन रिकॉर्ड 1 करोड़ 6 लाख लीटर दूध एकत्र कर रहा है। विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर कर्नाटक सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड द्वारा अपने मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने नए नंदिनी गुड लाइफ मफिन, स्टाइस केक और बार केक सहित 18 विभिन्न उत्पाद जारी किए।

पिछले साल 28 जून को केएमएफ ने रिकॉर्ड 1 करोड़ लीटर दूध एकत्र किया था। लेकिन 1 जून को 1 करोड़ लीटर दूध एकत्र

किया। उन्होंने कहा कि सालाना 24 हजार करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है। नंदिनी पनीर उत्पादों की देशभर में मांग है। इस आधार पर केएमएफ ताजा और शुद्ध पनीर का उत्पादन कर रहा है। उन्होंने कहा कि इसकी गुणवत्ता की सफलता का श्रेय हमारे कर्मचारियों को दिया जाना चाहिए।

कर्नाटक शिक्षा विभाग की सलाह

बुखार, खांसी, जुकाम और अन्य लक्षणों वाले बच्चों को स्कूल न भेजें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में कोविड-19 के मामलों की संख्या बढ़ने के साथ ही स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग (डीएसईएल) ने सलाह दी है कि अगर बच्चों में बुखार, खांसी, जुकाम और अन्य लक्षण हैं, तो उन्हें स्कूल न भेजा जाए। उन्हें डॉक्टर की सलाह के अनुसार उचित उपचार दिया जाना चाहिए और घर पर ही क्वारंटीन किया जाना चाहिए। कोविड-19 महामारी की रोकथाम और नियंत्रण के लिए कर्नाटक भर के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों में बरती

जाने वाली एहतियाती उपायों के बारे में एक परिपत्र जारी करने वाले लोक शिक्षण आयुक्त ने कहा कि बच्चों को बुखार, खांसी, जुकाम और अन्य लक्षणों से ठीक होने के बाद ही स्कूल भेजा जाना चाहिए। कर्नाटक भर के स्कूल 2025-26 शैक्षणिक वर्ष के लिए फिर से खुल गए हैं। मौजूदा कोविड-19 महामारी की स्थिति में छात्रों के हित में कुछ एहतियाती उपाय करना आवश्यक है। सर्कुलर में कहा गया है कि अगर लक्षण वाले बच्चे स्कूल आते हैं, तो अभिभावकों को सूचित किया जाना चाहिए और ऐसे बच्चों को उनके अभिभावकों के साथ सुरक्षित घर भेजा जाना चाहिए।

अगर शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों में लक्षण पाए जाते हैं, तो आवश्यक एहतियाती उपाय, जैसे स्वच्छता, हाथ धोना और खांसते और छींकते समय सावधानी बरतना और कोविड-19 उपयुक्त व्यवहार (सीएबी) का पालन किया जाना चाहिए। कर्नाटक में एसोसिएटेड मैनेजमेंट ऑफ स्कूल्स (केएएमएस) के महासचिव डी. शशिकुमार ने कहा बच्चों की सुरक्षा के लिए, हमें अपने संगठन के तहत सभी स्कूलों में कोविड-19 एहतियाती उपायों का पालन करने का निर्देश दिया गया है। तदनुसार, हमारे सभी स्कूलों को साफ कर दिया गया है। अभिभावकों को सलाह दी गई है कि वे बुखार, खांसी और जुकाम और अन्य समस्याओं वाले बच्चों को स्कूल न भेजें। इस संबंध में सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सभी निर्देशों का बिना किसी चूक के पालन किया जाएगा।

कर्नाटक में स्कूल खुलने पर छात्रों ने मास्क पहने

कोविड-19 संबंधी उचित व्यवहार का किया पालन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गर्मी की छुट्टियों के बाद सोमवार को कर्नाटक में स्कूल खुलने पर, बेंगलूरु के स्कूलों में छात्रों को एहतियात के तौर पर मास्क पहने देखा गया, क्योंकि हाल ही में राज्य में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि हुई है। राज्य भर के कई स्कूलों में छात्र, शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारी मास्क पहने हुए थे और बातचीत के दौरान दूरी बनाए रखी। यहाँ तक कि छात्रों के साथ स्कूल आए माता-पिता भी स्कूल के पहले दिन अपने बच्चों को छोड़ने के लिए मास्क पहने हुए देखे गए। बेंगलूरु शहर के कई स्कूलों में छात्रों द्वारा कोविड-19 संबंधी उचित व्यवहार का पालन किया गया, क्योंकि वे स्कूल के प्रवेश द्वार पर कतार में खड़े थे और परिसर में प्रवेश करते समय दूरी बनाए रखते थे। कर्मचारियों द्वारा

उनके शरीर के तापमान की भी जाँच की जा रही थी। राज्य में कोविड-19 की स्थिति और स्कूलों के फिर से खुलने के मद्देनजर, कर्नाटक सरकार ने शुक्रवार को जारी एक परिपत्र में माता-पिता से कहा है कि यदि उनके बच्चों को बुखार, खांसी, जुकाम और अन्य लक्षण हैं, तो वे उन्हें स्कूल न भेजें। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की अध्यक्षता में 26 मई को हुई कोविड-19 स्थिति समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुसार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण आयुक्त ने सरकारी और निजी स्कूलों में बरती जाने वाली सावधानियों के लिए परिपत्र जारी किया है। इसमें अभिभावकों को निर्देश दिया गया है कि वे बच्चों को पूरी तरह ठीक होने के बाद ही स्कूल भेजें।

स्वास्थ्य विभाग ने आगे कहा कि अगर बच्चे बुखार, खांसी, जुकाम और अन्य लक्षणों के साथ स्कूल आते हैं, तो उनके अभिभावकों को सूचित करें और उन्हें वापस घर भेज दें। परिपत्र में कहा गया है कि अगर स्कूल के शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों में ये लक्षण पाए जाते हैं, तो उन्हें उचित एहतियाती उपाय अपनाने की सलाह दी जानी चाहिए।

इसमें हाथ की स्वच्छता, खांसने के शिष्टाचार और अन्य कोविड 19 उपयुक्त व्यवहार (सीएबी) जैसे एहतियाती उपायों का पालन सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया गया है। इसमें कहा गया है, कुल मिलाकर, स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य के हित में कोविड-19 एहतियाती उपायों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है। रविवार शाम तक राज्य में 253 कोविड सक्रिय मामले सामने आए हैं। 1 जनवरी से अब तक इस संक्रमण से पीड़ित चार मरीजों की मौत हो चुकी है, जो अन्य बीमारियों से भी पीड़ित थे।

महिला ने ऑटो चालक पर चप्पल से हमला करने के लिए माफी मांगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक आईटी कर्मचारी, जिसने 31 मई को एक ऑटोरिक्शा चालक पर चप्पल से हमला किया था और जिसे बेलंदूर पुलिस ने गिरफ्तार किया था, ने सोमवार को चालक और उसके परिवार से बिना शर्त माफी मांगी। आरोपी पंखुड़ी मिश्रा ने ऑटोरिक्शा चालक लोकेश और उसके परिवार से हाथ जोड़कर माफी मांगी और कहा कि वह गर्भवती है और चिंतित है, लेकिन जो कुछ भी हुआ उसके लिए उसे खेद है। अपने पति के साथ मौजूद पंखुड़ी ने कहा मैं कन्नड़ या कर्नाटक के लोगों के खिलाफ नहीं हूं। बेलंदूर की रहने वाली आरोपी 31 मई की दोपहर को अपनी बाइक से घर लौट रही थी, जब उसने लोकेश पर सेंट्रो मॉल के पास जानबूझकर उसका दोपहिया वाहन

कुचलने का आरोप लगाया। तीखी बहस के बाद, उसने लोकेश पर चप्पल से हमला किया, उसे गाली दी और उसे धमकाया।

लोकेश द्वारा रिकॉर्ड की गई घटना का वीडियो वायरल हो गया, जिस पर ऑटो चालक समुदाय की ओर से तीखी प्रतिक्रियाएँ सामने आईं। बाद में, लोकेश ने बेलंदूर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसने आरोपी को खोजकर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद, उसने अपना बयान दर्ज कराया। फिर उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया। उसके अभद्र व्यवहार पर कड़ी आपत्ति जताते हुए ऑटोरिक्शा चालकों और कन्नड़ कार्यकर्ताओं ने उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति को बढ़ता देख पंखुड़ी ने ऑटोरिक्शा चालकों के संघ के माध्यम से लोकेश से संपर्क किया और माफी मांगी। उनकी माफी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

कमल हासन ने ठग लाइफ की रिलीज के लिए कर्नाटक हाईकोर्ट से सुरक्षा मांगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अभिनेता कमल हासन ने सोमवार को कर्नाटक हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, जिसमें उन्होंने राज्य में फिल्म ठग लाइफ की सुचारू रिलीज सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा की मांग की है।

यह कदम कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (केएफसीसी) की हाल ही में की गई घोषणा के जवाब में उठाया गया है, जिसमें कहा गया था कि जब तक हासन

अपने उस बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांग लेते, जिसमें उन्होंने कहा था कि कन्नड़ तमिल से विकसित हुई है, तब तक वह कर्नाटक में फिल्म की स्क्रीनिंग की अनुमति नहीं देगा। कर्नाटक में फिल्म निर्माताओं, वितरकों और प्रदर्शकों का प्रतिनिधित्व करने वाली एक प्रभावशाली संस्था केएफसीसी ने 5 जून को सिनेमाघरों में आने वाली फिल्म का बहिष्कार करने की घोषणा की। चेन्नई में एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान हासन द्वारा की गई टिप्पणी पर चैंबर ने कड़ी आपत्ति जताई और घोषणा की कि जब तक अभिनेता माफी नहीं मांग लेते, तब तक फिल्म को राज्य में प्रदर्शित नहीं होने दिया जाएगा।

शोक सभा में भड़काऊ भाषण देने पर प्रभाकर भट के खिलाफ मामला दर्ज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिणपंथी कल्लदका प्रभाकर भट के खिलाफ बंटवाल ग्रामीण पुलिस स्टेशन में भड़काऊ टिप्पणी करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है, जिससे सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता है और जिले में कानून-व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। यह घटना बंटवाल ग्रामीण पुलिस के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत कवलपदुर गांव में माधवा पैलेस कल्याण मंडप हॉल में 12 मई को आयोजित एक शोक समारोह के दौरान हुई। यह कार्यक्रम उपद्रवी सुहास शेट्टी की याद में आयोजित

किया गया था, जिनकी हाल ही में मेंगलूरु शहर की सीमा में हत्या कर दी गई थी। भट, जिन्होंने इस कार्यक्रम में भाग लिया था, ने लगभग 500 लोगों की भीड़ के सामने भाषण दिया। अपने संबोधन के दौरान, उन्होंने कथित तौर पर भड़काऊ बयान दिए, जो समुदायों के बीच दुश्मनी भड़का सकते थे और सार्वजनिक शांति को भंग कर सकते थे। भाषण की संभावित विध्वंसकारी प्रकृति के मद्देनजर, पुलिस ने सोमवार को बंटवाल ग्रामीण पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दें

डीजीपी ने असुरक्षित यातायात जांच पर कसी नकेल

चाबी छीनने, अचानक रोकने पर प्रतिबंध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। असुरक्षित यातायात प्रवर्तन प्रथाओं पर बढ़ती सार्वजनिक चिंता के प्रति सख्त प्रतिक्रिया में, विशेष रूप से मांड्या में वाहन जांच के दौरान एक बच्चे की दुखद मौत के बाद, कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक और महानिरीक्षक (डीजीपी-आईजीपी), डॉ. एम ए सलीम ने लापरवाह यातायात रोकने की प्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिए एक निर्णायक परिपत्र जारी किया है। यहां जारी किए गए परिपत्र में कहा गया है कि यातायात नियमों का उल्लंघन किए बिना किसी भी वाहन को रोका नहीं जाएगा, और चाबी छीनना या चलती गाड़ियों को अचानक रोकना अब सख्त वर्जित है। निर्देश का उद्देश्य यातायात पुलिस द्वारा वाहन निरीक्षण के दौरान सड़क सुरक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा पुलिस को केवल दस्तावेजों की जांच करने के लिए वाहनों को रोकने से प्रतिबंधित किया गया है जब तक कि कोई स्पष्ट यातायात उल्लंघन दिखाई न दे। जांच केवल तभी की जानी चाहिए जब कोई स्पष्ट उल्लंघन किया गया हो। राजमार्गों पर कोई टेढ़ी-मेढ़ी बैरिकेडिंग नहीं होनी चाहिए। वाहनों को रोकने के लिए अचानक सड़कों पर न दौड़ें, पीछे बैठे लोगों को पकड़ना या वाहन की चाबी छीनना मना है। तेज गति से वाहन चलाने वालों का पीछा नहीं किया जाना चाहिए। इसके बजाय, पुलिस को पंजीकरण संख्या दर्ज करनी चाहिए और उसके अनुसार मामला दर्ज करना चाहिए। सभी अधिकारियों को रिफ्लेक्टिव जैकेट पहनना चाहिए, शाम की जांच के दौरान एलईडी बैटन ले जाना चाहिए और बॉडी-वॉर्न कैमरे का उपयोग करना चाहिए। यातायात प्रबंधन केंद्र और आईटीएमएस इकाइयों को प्रौद्योगिकी का उपयोग करके संपर्क रहित प्रवर्तन करना चाहिए। यातायात नियमों के पालन के बारे में जनता को शिक्षित करने के लिए एक आउटरीच अभियान शुरू किया जाएगा। किसी भी परिस्थिति में राष्ट्रीय/राज्य राजमार्गों पर तेज गति से चलने वाले वाहनों को नहीं रोका जाना चाहिए। एसटीवीआर (स्पीड ट्रैफिक वायलेशन रिकॉर्डिंग) सिस्टम के आधार पर मामले दर्ज किए जाने चाहिए। पुलिस को किसी भी चेक-पोस्ट से कम से कम 100-150 मीटर पहले रिफ्लेक्टिव कोन और सुरक्षा मार्कर लगाने चाहिए। यदि आवश्यक हो तो रात में यातायात जंक्शनों या सिग्नल के पास वाहनों की जांच की जानी चाहिए। कानून और व्यवस्था की ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को राजमार्गों पर यातायात अवरोधों का संचालन नहीं करना चाहिए। सुरक्षा के लिए, ऐसे कार्यों में यातायात पुलिस का सहयोग शामिल होना चाहिए।

रहमान हत्याकांड मामला

गिरफ्तार सभी 5 आरोपियों को आगे की जांच के लिए पुलिस हिरासत में लिया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अब्दुल रहमान हत्याकांड में गिरफ्तार सभी पांचों लोगों को आगे की जांच के लिए पुलिस हिरासत में ले लिया गया है। मामला कोलतामजल के अब्दुल रहमान की हत्या और तालुक के कुर्नियाल गांव के इराकोडी में खालंदर शफी पर हमले से जुड़ा है।

बंटवाल ग्रामीण पुलिस ने अब सभी पांचों आरोपियों को गहन जांच के लिए हिरासत में ले लिया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में कुर्नियाल गांव के मुंद्राकोडी के दीपक (21), अम्मुनजे के शिव-जीनगर के पृथ्वीराज (21) और चिंतन (19), तेनकाबेल्लूर के सुमित आचार्य (27) और बडागाबेल्लूर के रविराज (23) शामिल हैं। उन्हें अदालत में पेश किया गया और बाद में पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। यह पता लगाने के लिए जांच जारी है कि हत्या में और कौन शामिल हो सकता है। पुलिस सूत्रों ने कहा कि जांच आगे बढ़ने पर और लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा सकती है।

पिछले हत्या मामलों में सांप्रदायिक संबंध पाए गए, निवारक कदम उठाए जा रहे: डीके एसपी

मंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस अधीक्षक डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि हाल ही में हुई हत्याओं के कारण दक्षिण कन्नड़ जिले और मंगलूरु सिटी कमिश्नरेट की सीमा में कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हुई है। पिछले 5-10 वर्षों में हत्या के मामलों के विश्लेषण से पता चला है कि कुछ आरोपियों के सांप्रदायिक संगठनों से संबंध हैं। एसपी ने कहा हमने ऐसे संगठनों के नेताओं की पहचान की है और उनकी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं।

ऐसे सभी समूहों का सत्यापन करने के निर्देश जारी किए गए हैं और निवारक उपाय जारी रहेंगे। विभिन्न संगठनों के प्रमुख सदस्यों की चल रही पृष्ठभूमि सत्यापन का विरोध करते हुए कदबा पुलिस स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन किया गया। एसपी ने स्पष्ट किया कि ये सत्यापन पूरे जिले में शांति और स्थिरता बनाए रखने के प्रयासों का हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा निवारक कार्रवाई करना पुलिस की जिम्मेदारी है और इन प्रयासों का विरोध करने वालों के खिलाफ कानूनी कदम उठाए जाएंगे। हम कानून-व्यवस्था पूरी तरह से बहाल होने तक ऐसे उपायों को लागू करना जारी रखेंगे। उन्होंने आगे कहा कि जिन व्यक्तियों ने गैरकानूनी विरोध प्रदर्शन में भाग लिया - और जिनके परिवार के सदस्य उनका प्रतिनिधित्व करने के लिए आगे आते हैं - उन्हें भी, यदि आवश्यक हो, कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

आम की कीमतों में भारी गिरावट, किसान परेशान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। फलों के राजा आम की कीमत रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई है और उत्पादक परेशान हैं। मई और जून आते ही हर तरफ आम की होड़ मच जाती है। लेकिन फल तो है, पर कीमत नहीं। इससे उपभोक्ताओं को फायदा तो होता है, लेकिन उत्पादकों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों से एक साथ भारी मात्रा में आम बाजार में आने से मांग कम हो गई है और कीमत गिर गई है। साथ ही फलों की कटाई के दौरान बारिश शुरू हो गई है और फल भी खराब हो रहे हैं। इस वजह से कीमत में गिरावट आई है क्योंकि फलों को पेड़ से जल्दी तोड़कर बेचा जा रहा है। साल की सबसे अच्छी फसल माने जाने वाले आम को व्यापारी पैदावार के आधार पर 2 से 5 हजार प्रति पेड़ के हिसाब से अनुबंध के आधार पर खरीदते हैं। शुरुआत में कीमत अच्छी थी। पिछले तीन सप्ताह में कीमत में भारी गिरावट आई है। इसलिए, बाजार में अचार और जूस बनाने वाली फैक्ट्रियों में भी मांग कम हो गई है। पिछले साल दूसरे राज्यों से व्यापारी आते थे। लेकिन इस बार कोई नहीं आया। मौसम की मार से फलों की फसल भी प्रभावित हुई है। बारिश और ओलावृष्टि के कारण फलों को ज्यादा दिनों तक स्टोर नहीं किया जा सकता। इससे वे कर्ज के जाल में फंस गए हैं। इससे अच्छी आमदनी की उम्मीद कर रहे उत्पादकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बेंगलूरु साउथ (पूर्व में रामनगर) जिले के एक व्यापारी ने बताया कि आम के एक बाग को 3 लाख रुपये में पट्टे पर लिया गया था और शुरुआत में कुछ फल तोड़े गए। बाकी फलों की कीमत तुड़ाई के तुरंत बाद ही गिर गई। इस कारण उन्होंने पेड़ों को जमीन पर ही छोड़ दिया है और कहा कि वे मजदूरी और परिवहन का खर्च भी नहीं उठा सकते। अगर वे उन्हें बाजार में ले जाते हैं तो 10 से 15 रुपये प्रति किलो मिलता है। हमें अपनी मजदूरी और कर्ज पर ब्याज भी नहीं मिल रहा है। बाग लगाकर 5 लाख रुपये तक का कर्ज लिया है। कर्ज पर ब्याज चुकाना भी मुश्किल है। मगदी तालुक के एक बागान के खरीदार ने कहा कि कीमत में गिरावट हमारे लिए बड़ा झटका है, जो सालाना फसल पर निर्भर थे। अगर हम बेंगलूरु में आम के खुदरा मूल्य को देखें तो सेंदूर की कीमत 50 से 60 रुपये, तोतापुरी की कीमत 30 से 40 रुपये, बादामी की कीमत 50 से 60 रुपये, मल्लिका की कीमत 60 रुपये, रसपुरी की कीमत 80 रुपये है और एपीएमसी बाजार में यह और भी कम कीमत पर उपलब्ध है।

लगातार बारिश के कारण सब्जियों की कीमतों में मामूली वृद्धि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के कारण सब्जियों की कीमतों में मामूली वृद्धि हुई है, जिससे उपभोक्ताओं को भारी नुकसान हुआ है। पिछले एक महीने से स्थिर रहने वाली सब्जियों की कीमतों में पिछले 15 दिनों से बढ़ोतरी हो रही है। टमाटर को छोड़कर सभी सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी जारी है।

पिछले एक पखवाड़े से कोलार, चिक्कबल्लापुर, रामनगर, तुमकुरु, मगदी, बेंगलूरु ग्रामीण, मांड्या, मैसूरु, चित्रदुर्ग, दावणगेरे आदि जैसे सब्जियों के मुख्य उत्पादक क्षेत्रों में भारी बारिश हुई है, जिससे सभी फसलें नष्ट हो गई हैं और उत्पादन कम हो गया है, जिससे मांग बढ़ गई है। मांग बढ़ने के कारण बीन्स की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है। बीन्स का बाजार मूल्य शतक पार कर गया है, जबकि बाकी सब्जियां अर्धशतक के आसपास हैं। आमतौर पर इस समय खीरे का 30 रुपये प्रति किलो के पार होना आम बात है। लेकिन अब ये खुदरा में 50 रुपये प्रति किलो तक बिक रहे हैं। बीन्स की कीमत भी दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है और अच्छी क्वालिटी की नाटी बीन्स 120 रुपये में बिक रही है, जबकि रिंग बीन्स 110 रुपये में बिक रही है। ऊटी गाजर 60 रुपये प्रति किलो, चुकंदर 50 रुपये, शलजम 50 रुपये, मूली 40 रुपये, आलू 40 रुपये, गोभी 60 रुपये में बिक रहे हैं। केवल टमाटर की कीमत, जो लॉटरी की कीमत है, पिछले दो महीनों से ठीक नहीं हुई है और 10 से 15 रुपये में बेची जा रही है। अगर बारिश बढ़ती है, तो टमाटर की फसल जल्दी बर्बाद हो जाएगी। इस लिहाज से कीमत में भी बढ़ोतरी होगी। लेकिन पिछले 15 दिनों से बारिश होने के बावजूद भी कीमत में बढ़ोतरी नहीं हुई है। कोलार यूपीएमसी मार्केट के एक व्यापारी ने बताया कि टमाटर की अधिक मात्रा में पैदावार होने के कारण उत्पादन में वृद्धि हुई है।

कांग्रेस एमएलसी ने सरकार से नाबार्ड को 4.25 प्रतिशत का अतिरिक्त आरआई भुगतान करने का किया आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस एमएलसी दिनेश गूली गौड़ा ने कर्नाटक सरकार से अनुरोध किया है कि वह राज्य के शीर्ष बैंक की ओर से नाबार्ड द्वारा मांगे गए अतिरिक्त ब्याज को वहन करे, ताकि अधिक ऋण लिया जा सके और राज्य के खाद्यान्न उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिल सके।

2024-25 में, नाबार्ड ने राज्य के शीर्ष बैंक को 4 प्रतिशत ब्याज दर पर 5,450 करोड़ का ऋण प्रदान किया, जिससे सहकारी बैंक किसानों को ऋण प्रदान करने में सक्षम हुए। हालांकि, 2025-26 में, नाबार्ड ने शीर्ष बैंक को 4 प्रतिशत ब्याज पर ऋण राशि को 2,700 करोड़ तक सीमित कर दिया है। हालांकि, राज्य सरकार का लक्ष्य 2025-26 में 37 लाख किसानों को 28,000 करोड़ का ऋण वितरित करना है। एमएलसी ने कहा कि नाबार्ड कर्नाटक की आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त ऋण प्रदान करने के लिए तैयार है, लेकिन ऋण के लिए 8.25 प्रतिशत ब्याज (4.25 प्रतिशत अतिरिक्त) लेगा। उन्होंने सरकार से राज्य के शीर्ष बैंक की ओर से नाबार्ड को 4.25 प्रतिशत अधिक ब्याज दर का भुगतान करने और आवश्यक धन प्राप्त करने का आग्रह किया, जिससे डीसीसी बैंक और प्राथमिक कृषि सहकारी समितियां (पीएसीएस) किसानों को आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होंगी। नाबार्ड के नियमों के कारण, खरीफ सीजन के ऋण वितरण के लिए राज्य के शीर्ष बैंक और डीसीसी बैंकों के लिए पूंजी की कमी होने की संभावना है। नतीजतन, डीसीसी बैंक और पीएसीएस किसानों को पर्याप्त ऋण नहीं दे पाएंगे। ऐसी संभावना है कि किसानों द्वारा उधार लेने की बाधाओं के कारण राज्य 2025-26 में लक्षित 160.74 लाख टन खाद्यान्न का उत्पादन करने में सक्षम न हो।

जब तक कमल हासन माफी नहीं मांगते, हम कर्नाटक में फिल्म रिलीज नहीं होने देंगे: नरसिम्हालु

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स ने अभिनेता कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ को तब तक कर्नाटक में रिलीज नहीं होने देने का फैसला किया है, जब तक वे माफी नहीं मांग लेते। यहां एक बड़ी बैठक में इस बात पर जोरदार आवाज उठी कि पदाधिकारियों और फिल्म जगत के दिग्गजों की राय के अनुसार फिल्म को किसी भी हालत में रिलीज नहीं होने देना चाहिए। इस बीच, वितरक संघ के वेंकटेश के अनुरोध पर कमल हासन को माफी मांगने के लिए 24 घंटे की समयसीमा दी गई है, और हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि वे क्या निर्णय लेते हैं। कन्नड़ समर्थक कई संगठनों, अभिनेताओं, अभिनेत्रियों और लेखकों ने कमल हासन के अपमानजनक बयानों की कड़ी निंदा की है। कमल हासन की फिल्मों को किसी भी कारण से राज्य में प्रदर्शित नहीं किया जाना चाहिए। कुछ ने न केवल सिनेमाघरों में बल्कि सोशल मीडिया पर भी बहिष्कार की मांग की है। चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष नरसिम्हालु ने कहा हमने उन्हें समझाने की कोशिश की है, लेकिन उन्होंने अभी तक माफी नहीं मांगी है। अंत में, हमने उन्हें 24 घंटे की समय सीमा दी। ऐसा लगता है कि उन्होंने माफी नहीं मांगी है। वह फिलहाल दुबई में हैं और उन्होंने मंगलवार दोपहर 12 बजे तक का समय मांगा है। इस अवसर पर बोलते हुए, एसआर गोविंदु ने कहा कि आज हमारे स्वाभिमान का सवाल है कि सभी को कन्नड़ भाषा के बारे में हल्की बातें करने वालों की निंदा करनी चाहिए और उन्हें दंडित करना चाहिए। इन सबके बीच, कल राज्य में बहुप्रतीक्षित फिल्म की रिलीज पर संदेह है। दक्षिण भारत में विदेशी भाषा की फिल्मों में कर्नाटक का बड़ा योगदान है। कई वितरक करोड़ों रुपये का निवेश करते हैं। फिलहाल, कमल हासन के अहंकारी बयान ने कुछ लोगों के लिए परेशानी खड़ी कर दी है। कुछ लोग जो कमल हासन के प्रति नरम रुख अपनाए हुए हैं, वे इस बात से चिंतित हैं कि आगे क्या होगा।

शिवकुमार ने कमल हासन की कन्नड़ भाषा के बारे में हालिया टिप्पणी पर टिप्पणी करने से किया परहेज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को अभिनेता-राजनेता कमल हासन की कन्नड़ भाषा के बारे में हालिया टिप्पणी पर टिप्पणी करने से परहेज करते हुए आग्रह किया कि इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए और पड़ोसी राज्यों के बीच सामंजस्यपूर्ण संबंधों के महत्व पर जोर दिया जाना चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा आइए इसे राजनीतिक मुद्दा न बनाएं। हम सभी पड़ोसी हैं। हम सभी को साथ मिलकर काम करना होगा और साथ रहना होगा। हमारा पानी तमिलनाडु जाता है और तमिलनाडु के लोग यहां आते हैं। हम दुश्मन नहीं हैं, हम सभी दोस्त हैं। मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता क्योंकि मुझे उस मुद्दे का इतिहास नहीं पता है। इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भी कन्नड़ भाषा की ऐतिहासिक गहराई की ओर इशारा करते हुए हासन की आलोचना की थी। उन्होंने कहा कन्नड़ का इतिहास बहुत पुराना है। बेचारे कमल हासन को इसकी जानकारी ही नहीं है। कमल हासन और उनकी फिल्म 'ठग लाइफ' कर्नाटक में विवाद में फंस गई थी, जब अभिनेता ने चेन्नई में एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर कहा था कि कन्नड़ तमिल से पैदा हुआ है। इसके कारण कर्नाटक में कर्नाटक रक्षण वेदिके और अन्य कन्नड़ संगठनों द्वारा कई विरोध प्रदर्शन किए गए। अभिनेता कमल हासन ने शुक्रवार को चेन्नई में अपनी फिल्म 'ठग लाइफ' के प्रचार के दौरान कन्नड़ भाषा पर अपनी कथित टिप्पणी को लेकर चल रहे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए ''कानून और लोकतंत्र'' में अपना विश्वास दोहराया। भारत को एक लोकतांत्रिक देश बताते हुए अभिनेता ने कहा कि अगर वह गलत नहीं हैं तो वह अपने कार्यों के लिए किसी से माफी नहीं मांगेंगे।

सुखोई फाइटर जेट के टायर से चलेगा भगवान जगन्नाथ का रथ

कोलकाता इस्कॉन ने 48 साल बाद उठाया बड़ा कदम

कोलकाता, 02 जून (एजेंसियां)। कोलकाता इस्कॉन की फेमस भगवान जगन्नाथ रथयात्रा के रथ के पहियों को 48 साल द बदला गया है। इस बार रथ में सुखोई लड़ाकू विमानों में इस्तेमाल किए जाने वाले टायर लगाए गए हैं। इनको एमआरएफ ने बनाया है। पिछले साल रथ के स्टीयरिंग में कुछ दिक्कत आने के बाद नए टायर लगाने की जरूरत पड़ी थी। इस्कॉन कोलकाता के वाइस प्रेसिडेंट राधारमण दास ने कहा, ज मैंने रथ के लिए सुखोई टायर की मांग करते हुए एमआरएफ से संपर्क किया तो पहले तो उन्होंने हमारी बात पर नहीं भरोसा नहीं किया उन्होंने रथों की जांच करने के लिए अधिकारियों की टीम को कोलकाता भी भेजा।आधी सदी से ज्यादा वक्त से इस्तेमाल किए जा रहे ये पुराने टायर ेइंग बी-747 के थे। विमान के बंद हो जाने के बाद जंबो जेट टायरों का सोर्स तलाशना एक बहुत ही बड़ी चुनौती बन गया। इस्कॉन कोलकाता के वाइस प्रेसिडेंट राधारमण दास ने कहा कि पिछले कुछ सालों में टायर घिसते रहे और हर रथ यात्रा से पहले उनकी मरम्मत की जाती थी। हालांकि, 2005 में दास ने पाया कि उन्हें बदलने की जरूरत है। इसके बाद भगवान के रथ के लिए नए टायरों की तलाश में 20 साल लग गए। टायरों की व्यवस्था करने में सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि उन्हें कितना वजन उठाना होगा।

इसके बाद सुखोई के 4 फुट डायमीटर वाले टायर जंबो जेट टायरों से सबसे ज्यादा मेल खाते हुए मिले। इनका डायमीटर भी करी 4 फुट था और हर एक का वजन करीब 110 किलो था।इस्कॉन कोलकाता के वाइस प्रेसिडेंट राधारमण दास ने कहा, जब मैंने रथ के लिए सुखोई टायर की मांग करते हुए एमआरएफ से संपर्क किया तो पहले तो उन्होंने हमारी त पर नहीं भरोसा नहीं किया उन्होंने रथों की जांच करने के लिए अधिकारियों की टीम को कोलकाता भी भेजा। ज उन्होंने देखा कि पिछले 48 सालों से रथ बोइंग 747 जंबो जेट टायरों पर चल रहे हैं और हमने उन्हें बताया कि साइज के मामले में सुखोई टायर सबसे बेहतर हैं। उसके बाद वह हमें टायर बेचने के लिए राजी हो गए।टायर बदलने का काम अभी चल रहा है और उम्मीद है कि रथ यात्रा से ठीक पहले जून के दूसरे हफ्ते तक यह काम पूरा हो जाएगा। सबसे बड़ी चुनौती तो यह तय करना है कि नए पहिये सही तरीके से फिट किए जाएं। चारों टायरों की कुल कीमत 1.80 लाख रुपए है। टायरों की डिलीवरी और फिट होने के बाद 24 किलोमीटर का ड्राई रन आयोजित किया जाएगा।

बृजभूषण शरण सिंह पॉक्सो मामले में बरी

शिकायत करने वाले ऊंचे पदों पर पहुंच गए

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां)। कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह को पॉक्सो मामले में बरी कर दिया गया है। बृजभूषण शरण पर लगे हर आरोप झूठे साबित हुए। सिंह के खिलाफ धरना देने वाली महिला पहलवान अपनी रुचि और अपने फायदे का ख्याल करते हुए विभिन्न महत्वाकांक्षी गतिविधियों में शामिल हो गईं। बड़े पदों को पाने के बाद उस नाबालिग बच्ची से भी इनका मतलब नहीं रह गया, जिसके कैरियर बनने का अभी आगाज भी नहीं हुआ था और जिसको आगे रख कर बेबुनियादी धरना शुरू हुआ था।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर 18 जनवरी 2023 को लगभग 30 एथलीट्स कुश्ती संघ अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण के आरोप लगाते हुए धरने पर बैठे। धरने की अगुवाई पहल-वान बजरंग पुनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक ने की थी। यह वो चेहरे हैं जो अब तक भारत का प्रतिनिधित्व वैश्विक स्तर पर करते रहे हैं। खेल के माध्यम से देश का नाम ऊंचा करने वाले इन एथलीटों ने बृजभूषण शरण सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। इनका साथ देने वालों में कांग्रेस नेताओं से लेकर भाजपा विरोधी लॉबी जुट गई थी। यौन शोषण मामले में एफआईआर करवाने के साथ ही बृजभूषण शरण सिंह पर तरह-तरह के आरोप लगाए गए थे। लेकिन पॉक्सो मामले में बृजभूषण शरण सिंह निर्दोष साबित हुए। धरने की शुरुआत से लेकर धरने के परिणाम तक पर नजर डाले तो दिखाई देता है कि इस पूरे आंदोलन ने सभी आंदोलनकारियों को सेटल कर दिया, किसी को राजनीति में तो किसी को वापस कुश्ती में। लेकिन इससे एक सवाल जरूर उठ गया। सवाल है कि क्या भविष्य में इस निराधार लड़ाई का खामियाजा सत्य आधार पर लड़ने वाली महिलाओं को भुगतना पड़ेगा? क्या अब उनके लिए कोई लड़ने आएगा? क्या किसी बड़ी शख्सियत पर लगाए आरोपों को कोई तुरंत स्वीकार कर पाएगा?

इस पूरे आंदोलन को हवा देने वाली कांग्रेस ने हरियाणा चुनाव में इसे भुनाने का पूरा प्रयास किया।

कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में जुलाना सीट से विनेश फोगाट को टिकट दिया और प्रतिद्वंदी योगेश बैरागी को 6015 वोटों से हराते हुए वह चुनाव जीत गई। इसी तरह बजरंग पुनिया ने भी खेल से अधिक रुचि राजनीति करने में दिखाई, तो उन्हें भी भारतीय किसान कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कर दिया गया।

असम, तमिलनाडु से राज्य सभा की

आठ सीटों के चुनाव के लिए अधिसूचनाएं जारी

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां)। राज्य सभा के लिए असम और तमिलनाडु से कुल आठ सीटों के लिए 19 जून को कराये जाने वाले चुनाव के लिए अधिसूचनाएं सोमवार को जारी कर दी गयीं ।

अधिसूचनाओं के साथ ही दोनों राज्यों में चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया का काम शुरू हो गया है।

राज्य सभा में असम की इन दो सीटों के वर्तमान प्रतिनिधियों का कार्यकाल 14 जून को और तमिलनाडु की छह सीटों के प्रतिनिधियों का कार्यकाल 24 जुलाई को समाप्त हो रहा है।

चुनाव आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार इन चुनावों के लिए नामांकन-पत्र नौ जून तक भरे जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 10 जून को की जाएगी और नाम 12 जून तक वापस लिये जा सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर मतदान 19 जून को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक कराय जायेगा। इसमें संबंधित राज्यों के विधान सभा सदस्य मतदान करेंगे।

मतगणना मतदान सम्पन्न होने के एक घंटे बाद की जाएगी। आयोग ने कहा है कि मतदान की पूरी प्रक्रिया 23 जून तक सम्पन्न करा ली जाएगी।

आयोग ने असम में चुनाव के लिए राज्य विधानसभा के अतिरिक्त सचिव राजीव भट्टाचार्य को चुनाव अधिकारी तथा विधानसभा के ओएसडी (संयुक्त सचिव) प्रदीप हांडिक को सहायक चुनाव अधिकारी बनाया है।

तमिलनाडु में विधानसभा के अतिरिक्त सचिव बी सुब्रमण्यिम चुनाव अधिकारी तथा विधान सभा के संयुक्त सचिव के. रमेश सहायक चुनाव अधिकारी बनाये गये हैं।

छह जून को कश्मीर के लिए ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे पीएम मोदी

कटरा स्टेडियम में होगी रैली

जम्मू, 02 जून (ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्री माता वैष्णो देवी जी मंदिर के आधार शिविर, पवित्र शहर कटरा से कश्मीर के लिए ट्रेन सेवाओं का उद्घाटन जून के पहले सप्ताह में कर सकते हैं, संभवतः 6 जून को, जिसके बाद कटरा और बारामुला के बीच वंदे भारत ट्रेन चलना शुरू हो जाएगी।

अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की कि कश्मीर के लिए ट्रेन सेवाओं के शुभारंभ की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और प्रधानमंत्री 6 जून को घाटी के लिए पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखा सकते हैं।

ट्रेन सेवा का शुभारंभ 19 अप्रैल को होना था, लेकिन उस दिन खराब मौसम की भविष्यवाणी के मद्देनजर इसे स्थगित कर दिया गया। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर के कारण देरी हुई, जिसमें भारतीय सशस्त्र बलों ने 7-10 मई तक पाकिस्तान और पीओजेके में आतंकी ढांचे और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले किए। अधिकारियों ने कहा कि रेलवे ट्रैक का खुलना 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक चलने वाली श्री अमरनाथ जी की आगामी वार्षिक तीर्थयात्रा के लिए उपयोगी साबित हो सकता है, खासकर तब जब इस मौसम में समय से पहले और भारी मानसून आने की खबरें हैं, जिससे रामबन और बनिहाल के बीच जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो सकता है।

उन्होंने कहा कि रेल ट्रैक खुलने से श्री अमरनाथ जी के यात्री कटरा से श्रीनगर जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो तीर्थयात्रियों की भीड़ को कम करने के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जा सकती हैं, खासकर राजमार्ग अवरुद्ध होने की स्थिति में। अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में कटरा और बारामुला के बीच केवल वंदे भारत ट्रेन चलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री कटरा से बारामुला और बारामुला से कटरा के लिए वर्चुअली ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। वह कटरा स्टेडियम में एक रैली को संबोधित करेंगे। कटरा से ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाने से पहले मोदी चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल और रियासी जिले में रेलवे ट्रैक पर बने पहले केबल स्टे ब्रिज का दौरा कर सकते हैं। शुरुआत में ट्रेन कटरा से बारामुला तक चलेगी।

हालांकि, प्लेटफॉर्म की संख्या बढ़ाने समेत जम्मू रेलवे स्टेशन पर विस्तार कार्य पूरा होने के बाद, घाटी के लिए ट्रेन जम्मू से परिचालन शुरू करेगी, जो संभवतः अगस्त-सितंबर में शुरू होगी। फिलहाल दिल्ली या किसी अन्य हिस्से से कश्मीर के लिए कोई सीधी ट्रेन नहीं है। यात्रियों को कटरा में उतरना होगा और ट्रेन बदलनी होगी। बाद में यही प्रक्रिया जम्मू में भी अपनाई जाएगी। कटरा से बारामुला तक ट्रेन के कई ट्रायल सफल रहे हैं, जिसमें वंदे भारत ट्रेन भी शामिल है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना के जवानों को ले जाने वाली ट्रेन भी श्रीनगर तक ट्रैक पर चली थी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद ट्रैक का नए सिरे से सुरक्षा ऑडिट किया गया और अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ सभी मुद्दों का समाधान किया गया।

खास और अलग होगी यह वंदे भारत

जम्मू, 02 जून (ब्यूरो)। जम्मू से कश्मीर तक की यात्रा रेल से करने के इच्छुक लोगों के लिए यह जानकारी महत्वपूर्ण होगी कि इस सप्ताह शुरू होने वाली ट्रेन न केवल अलग होगी, बल्कि खास भी होगी। कटड़ा और श्रीनगर के बीच की यात्रा सड़क मार्ग से लगभग छह से सात घंटे का समय लेती है, जबकि गंतव्यों के बीच उड़ान में एक घंटे से भी कम समय लगता है।

ट्रेन की अनूठी विशेषताओं में शामिल होगा विंडशील्ड में हीटिंग एलिमेंट, पानी और बायो-टायलेट टैंक में सिलिकॉन हीटिंग पैड, गर्म पाइपलाइन और भारतीय शौचालयों में हीटर। वंदे भारत में ये अपग्रेड इन चेयर कार ट्रेनों को पूरे साल चलने की अनुमति देंगे, यहां तक कि कश्मीर की कठोर सर्दियों में भी। आठ कोच वाली इस ट्रेन में दो क्लास हैं, एक एग्जीक्यूटिव क्लास कोच और सात एसी चेयर कार कोच।

क्षेत्र में विशेष मौसम की स्थिति के कारण वंदे भारत ट्रेन में विशेष बदलाव किए गए हैं, क्योंकि तापमान शून्य से नीचे चला जाता है। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर और कश्मीर के अन्य हिस्सों में तापमान शून्य से नीचे रहने के कारण वंदे भारत ट्रेन में बदलाव किए गए हैं। यह विशेष ट्रेन सबसे खराब मौसम में भी क्षेत्र में ट्रेन कनेक्टिविटी की अनुमति देगी।

चेन्नई की अदालत का ऐतिहासिक फैसला

अन्ना विवि रेप केस में दोषी को 30 साल की सजा

चेन्नई, 02 जून (एजेंसियां)। चेन्नई की एक महिला कोर्ट ने सोमवार को 2024 के अन्ना यूनिवर्सिटी रेप केस में सजा सुनाई है। अदालत ने मामले के एकमात्र आरोपी ए ज्ञानशेखरन को बिना किसी माफी और छूट की संभावना के आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आदेश दिया कि उसे कम से कम 30 साल जेल में रहना होगा और उस पर 90,000 रुपए का जुर्माना लगाया।

महिला अदालत की न्यायाधीश एम राजलक्ष्मी ने भारतीय न्याय संहिता, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और तमिलनाडु महिला उत्पीड़न निषेध अधिनियम के तहत बलात्कार, अपहरण और आपराधिक धमकी सहित 11 आरोपों में ज्ञानशेखरन को दोषी ठहराए जाने के चार दिन बाद यह सजा सुनाई। अदालत का यह फैसला 19 वर्षीय छात्रा द्वारा 24 दिसंबर, 2024 को शिकायत दर्ज कराने के लगभग 6 महीने बाद आया। पुलिस के अनुसार, 23 दिसंबर की रात को छात्रा और उसका एक दोस्त विश्वविद्यालय परिसर में बैठे थे तभी सड़क किनारे बिरयानी बेचने वाले ज्ञानशेखरन उनके सामने आया। 37 वर्षीय ज्ञानशेखरन का आपराधिक रिकॉर्ड काफी लंबा है। उसने उन दोनों का वीडियो रिकॉर्ड करने का नाटक किया और फुटेज को सार्वजनिक करने की धमकी देकर उन्हें अलग कर दिया। इसके बाद उसने एक सुनसान जगह पर महिला के साथ यौन उत्पीड़न किया और अपने मोबाइल फोन पर इस कृत्य को रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद उसने उसे ब्लैकमेल करने की कोशिश की और धमकी दी कि अगर उसने उसकी मांगें पूरी नहीं कीं तो वह वीडियो उसके पिता और कॉलेज के अधिकारियों को भेज देगा।

हालांकि, छात्रा चुप नहीं रही, उसने अपने परिवार और कॉलेज के सहयोग से उसने अगले दिन कोट्टूरपुरम ऑल विमेन पुलिस स्टेशन का दरवाजा खटखटाया जिसके बाद 25 दिसंबर को ज्ञानशेखरन को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले ने राष्ट्रीय स्तर पर तब सुर्खियां बटोरीं जब पीड़िता की पहचान वाली एफआईआर आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड की गई, जिसे बाद में मीडियाकर्मियों के बीच प्रसारित किया गया। मद्रास उच्च न्यायालय ने इस मुद्दे का स्वतः संज्ञान लिया और एफआईआर के लहजे (जिसे पीड़िता पर दोषारोपण के रूप में देखा गया) और परिसर में सुरक्षा चूक, दोनों के लिए तमिलनाडु पुलिस को फटकार लगाई।

हाईकोर्ट ने जांच की जिम्मेदारी संभालने के लिए वरिष्ठ महिला आईपीएस अधिकारियों की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया। स्नेहा प्रिया, अयमान जमाल और एस बृंदा के नेतृत्व वाली एसआईटी ने 24 फरवरी को 100 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की। सजा सुनाने के दौरान बचाव पक्ष ने ज्ञानशेखरन की वृद्ध मां और छोटी बेटी का हवाला देते हुए नरमी बरतने की अपील की।

हालांकि, अभियोजन पक्ष ने इस दलील का कड़ा विरोध किया और अधिकतम सजा की मांग की। न्यायाधीश राजलक्ष्मी ने अभियोजन पक्ष की दलील को सही ठहराया और हमले को संस्थागत कमजोरियों का फायदा उठाने वाला एक पूर्व नियोजित कृत्य बताया। बिना किसी छूट के आजीवन कारावास की सजा देने के अदालत के फैसले को परिसरों में यौन हिंसा के विरुद्ध एक कड़ा संदेश देने के रूप में देखा गया है।

मृदा वैज्ञानिक रतन लाल बने रेजेनेग्री के वैश्विक दूत

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां)। प्रख्यात मृदा वैज्ञानिक डॉ रतन लाल को दुनिया के सबसे प्रमुख पुनर्योजी कृषि संस्थान रेजेनेग्री का वैश्विक दूत नियुक्त किया गया है।

रेजेनेग्री ने सोमवार को यहां बताया कि यह सम्मान मृदा विज्ञान और पुनर्योजी कृषि के क्षेत्र में डॉ लाल के दशकों योगदान को सम्मानित करता है।

डॉ लाल मृदा विज्ञान के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय प्रोफेसर हैं और ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी में 'रतन लाल सेंटर फॉर कार्बन मैनेजमेंट एंड सीक्वेस्ट्रेशन (कार्बन सेंटर) के निदेशक हैं।

असम में बाढ़ की स्थिति बिगड़ी, मृतक संख्या सात

गुवाहाटी, 02 जून (एजेंसियां)। असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है और इसके कारण 17 जिलों के तीन लाख लोग इससे प्रभावित हैं और बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या सात हो गयी है।

बाढ़ से सात लोगों के मरने के अलावा, राजधानी गुवाहाटी में पिछले सप्ताह भूस्खलन के कारण पांच लोगों की मौत हो गई थी। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने सोमवार को बताया कि राज्य के 17 जिलों के 758 गांव जलमग्न हो गये हैं जिसके कारण बच्चों और महिलाओं सहित कुल 364046 लोग प्रभावित हुए हैं।

बाढ़ प्रभावित जिलों में फंसे लोगों के लिए सरकार ने राहत सामग्री वितरित करने के वास्ते 52 राहत शिविर और 103 राहत वितरण केंद्र खोले हैं। एसडीआरएफ आज सुबह से ही धेमाजी और हैलाकांडी जिले में लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए अभियान चला रही है। एएसडीएमए अधिकारियों ने बताया कि 10 हज़ार से अधिक लोगों ने राहत शिविरों में शरण ली है।

उन्होंने बताया कि नागांव जिले के कामपुर राजस्व क्षेत्र में एक तटबंध टूट गया है। इन 17 जिलों के अलावा, दरांग, कामरूप, कछार और कामरूप मेट्रो सहित चार जिलों में शहरी क्षेत्रों में भी बाढ़ आई है जिससे 41,090 लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण दीमा-हसाओ और श्रीभूमि जिलों में भूस्खलन की घटनाएं भी हुई हैं।

कृषि संकल्प अभियान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा

विकसित कृषि के बिना विकसित भारत नहीं बन सकता

मेरठ, 02 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 में शरीक हुए और किसानों से संवाद करते हुए कहा कि बिना विकसित कृषि के विकसित भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। इसी उद्देश्य से 16000 कृषि वैज्ञानिकों को प्रत्यक्ष रूप से अपनी शोध एवं अनुभव किसानों के बीच लाने तथा किसानों की समस्या/अनुभव के आधार पर नवीन शोध हेतु अवसर बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि मंत्री, सांसद, वैज्ञानिक, कृषि विभाग पूरे देश में एक टीम के साथ काम करें तो देश का उत्पादन भी बढेगा और किसानों की आय भी बढेगी। साथ ही हम विश्व को भोजन देने में सक्षम भी हो सकेंगे। उन्होंने कृषि वैज्ञानिक सरदार बल्लभभाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय, मोदीपुरम मेरठ, कृषि वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, मेरठ को निर्देशित किया कि कृषक वैज्ञानिक संवाद के द्वारा कृषकों का ज्ञानवर्धन किया जाए।

कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, मेरठ के सांसद अरुण गोविल, बागपत के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान, विधायक गुलाम मोहम्मद, महानिदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद डॉ. मांगीलाल जाट आदि मौजूद रहे। जिला सहकारी संघ शाहजहांपुर के अध्यक्ष एवं जिला पंचायत अध्यक्ष शाहजहांपुर के द्वारा ग्राम नियामतपुर में किसानों को प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक, कृषि एवं सहवर्ती विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित होकर कृषकों को संवाद स्थापित किया गया। विधान परिषद सदस्य शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने ग्राम कटावां विकासखण्ड दूबेपुर, सुल्तानपुर में उपस्थित होकर विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ प्रतिभाग कर कृषकों को प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही केवीके सुल्तानपुर के वैज्ञानिक तथा कृषि-सहवर्ती विभाग के अधिकारियों के द्वारा कृषक वैज्ञानिक संवाद में प्रतिभाग कर कृषकों के साथ कृषि की नवीन तकनीकी पर चर्चा की गई।

वाराणसी में ग्राम-बरीयासना-पुर विकास खण्ड चिरईगांव में अपर कृषि निदेशक, भूमि संरक्षण कृषि विभाग डॉ. रमेश मौर्या के साथ ही वैज्ञानिक तथा कृषि एवं सहवर्ती विभाग के अधिकारियों द्वारा कृषक वैज्ञानिक संवाद में पी0एम0 किसान, फार्मर रजिस्ट्री के साथ कृषि की नवीन तकनीकी पर चर्चा की गई। लखनऊ के ग्रामसभा करनपुर विकासखंड मो-हनलाल गंज में संयुक्त कृषि निदेशक, ब्यूरो एके सिंह के द्वारा खेती की नई तकनीकों, धान की सीधी बोआई एवं फसल बीमा साथ ही केन्द्रीय उपोष्ण वागवानी संस्थान, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, लखनऊ के वैज्ञानिक, उप कृषि निदेशक, लखनऊ आदि भी उपस्थित होकर कृषि से संबंधित विषयों पर कृषकों से चर्चा की गई।

प्रदेश के 75 जनपदों में अब तक लगभग 2700 स्थानों पर विभिन्न गणमान्य जनप्रतिनिधि/कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि एवं सहवर्ती विभाग के अधिकारियों के साथ आज चौथे दिन तक लगभग 3,25,000 से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया। विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 के कुशल संचालन हेतु कृषि निदेशक के द्वारा प्रदेश के 38 अधिकारियों)प्रत्येक अधिकारी) को 2-2 जनपदों में दिनांक 7 जून एवं 8 जून को नामित किया गया।

अब यूपी में भी बनेगा विमान का ईंधन

ढाई करोड़ किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

लखनऊ, 02 जून (एजेंसियां)। यूपी में गन्ने की खोई, धान की भूसी और गेहूं के भूसे से विमान का ईंधन बनाने के लिए औद्योगिक इकाइयां स्थापित होंगी। इसका सीधा लाभ प्रदेश के लगभग 2.5 करोड़ किसानों को मिलेगा। यूपी सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए एक नई नीति लाने जा रही है। यूपी में गन्ने की खोई, धान की भूसी और गेहूं के भूसे से विमान का ईंधन बनाने के लिए औद्योगिक इकाइयां स्थापित होंगी। इसका सीधा लाभ प्रदेश के लगभग 2.5 करोड़ किसानों को मिलेगा। इन्-वेस्ट यूपी ने बायो जेट फ्यूल (एसएएफ) के विनिर्माण में अवसरों की तलाश के लिए होटल ताज में एक उच्चस्तरीय गोलमेज सम्मेलन किया।

इसमें यूपी सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) विनिर्माण प्रोत्साहन नीति-2025 को प्रस्तुत किया गया। उस पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। हरित ऊर्जा क्षेत्र की संभावनाएं तलाशी गईं। सम्मेलन में प्रमुख निवेशक, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और नीति विशेषज्ञ शामिल हुए। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में प्रस्तावित एसएएफ नीति के बारे में बताया गया।

देश में अपनी तरह की यह पहली नीति होगी। मुख्य सचिव ने प्रस्तावित नीति में शामिल प्रोत्साहनों, सुविधाओं और नीतियों को रेखांकित किया। यहां की समृद्धकृषि संपदा, सुदृढ़ बुनियादी ढांचे और औद्योगिक नीतियों को एक प्रमुख उत्पादन केंद्र बनाने में सहायक बताया।

बैठक में बताया गया कि एसएएफ उद्योगो की स्थापना के बाद राज्य के किसानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। इसमें गन्ने की खोई, धान की भूसी, गेहूं का भूसा और अधिशेष अनाज की मांग किसानों के लिए नए बाजार अवसर पैदा करेगी। स्थानीय कृषि क्षेत्रों से सीधे कच्चा माल खरीदने से यह क्षेत्र ग्रामीण आय को बढ़ाने और बेहतर मूल्य दिलाने में मददगार होगा। मुख्य सचिव ने कहा कि यह नीति न केवल हमारे हरित ऊर्जा क्षेत्र में तेजी लाती है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करती है कि हमारे किसानों को इसका लाभ मिले।

ताकि, उनके हाथों में अधिक पैसा आए और एक हरित भविष्य का निर्माण हो सके।

इन्वेस्ट यूपी के जरिए सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल यानी बायो जेट फ्यूल के लिए उत्तर प्रदेश के विजन पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। भूमि की उपलब्धता, नीति निर्माण और व्यापार करने में आसानी जैसे प्रमुख मुद्दों पर बात की गई। निवेशकों ने भी महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिन्हें प्रस्तावित नीति में स्थान दिया जाएगा। मुख्य सचिव ने बताया कि ग्रीनको, एएम ग्रीन्स, ई20 ग्रीनफ्यूल्स, न्यू एरा क्लीन टेक और मालब्रोस ग्रुप सहित 18 से अधिक कंपनियों ने राज्य में एसएएफ इकाइयां स्थापित करने में गहरी रुचि व्यक्त की।

इन फर्मों ने सामूहिक रूप से यूपी में सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल में 3000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की रुचि दिखाई है। उत्तर प्रदेश, देश के सबसे बड़े हवाई, रेल और सड़क बुनियादी ढांचे के साथ लॉजिस्टिक्स और उत्कृष्ट बाजार कनेक्टिविटी प्रदान करता है। इस अवसर पर इन्-वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विजय किरण आनंद और अन्य विभागीय अफसर उप-स्थित थे।

राम दरबार सहित कई मंदिरों में पांच को होगी प्राण प्रतिष्ठा

प्राण प्रतिष्ठा में कोई न आएं, कोई आमंत्रण नहीं : चंपत

अयोध्या, 02 जून (एजेंसियां)। अयोध्या राम मंदिर परिसर में पांच जून को राम दरबार सहित कई मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा होनी है। राम मंदिर निर्माण ट्रस्ट के चंपत राय ने स्पष्ट किया है कि कृपया लोग इस दौरान न आएं। राय ने कहा कि तीन, चार व पांच जून को किसी को आमंत्रित नहीं किया गया है। कोई भी प्राण प्रतिष्ठा शब्द सुनकर अयोध्या न आएं। वही लोग अयोध्या आएं जिन्हें रामलला का दर्शन करना होगा। प्राण प्रतिष्ठा की वजह से इस दौरान न आएं। राय ने कहा कि अभी मौसम भी अनुकूल नहीं है।

राम दरबार व परकोटे में बनाए गए मंदिरों का दर्शन श्रद्धालु अभी कुछ महीने नहीं कर पाएंगे। राम मंदिर निर्माण की बाधाएं अभी सामने आ रही हैं। चंपत राय ने कहा कि पांच जून को राम दरबार व परकोटे में बने मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। आज दो जून को शाम 4:00 बजे सरयू तट से राम मंदिर के लिए जल कलश यात्रा निकली। कल तीन जून को सुबह साढ़े छह बजे अनुष्ठान शुरू होगा।

22 जनवरी 2024 को भगवान श्रीराम बालक राम के रूप में स्थापित किए गए थे। अब दूसरी प्राण प्रतिष्ठा में भगवान राम राजा के रूप में स्थापित किए जाएंगे। राम मंदिर के पहले तल पर राज-राम का दरबार होगा। इस दरबार में भगवान राम उनके अनुज लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, माता जानकी और सेवक हनुमान होंगे। पांच जून को अयोध्या में पूरी तरह से बन कर तैयार राम मंदिर के दूसरे प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। अयोध्या पहुंच रहे श्रद्धालुओं में भी भारी उत्साह है। रामलला के दर्शन करने के बाद राजा राम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर श्रद्धालु उत्साहित हैं। वहीं, सुरक्षा व्यवस्था के बारे में एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि रामनगरी फुलप्रूफ सुरक्षा के लिहाज से परिपूर्ण है। जो भी कार्यक्रम स्थल हैं, वहां पर अतिरिक्त सुरक्षा बल लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही जो श्रद्धालु अयोध्या में दर्शन करने आ रहे हैं, उनको भी कोई दिक्कत न होने पाए, इसका भी ख्याल रखा जा रहा है।

यूपी में फिर हुई ट्रेन पलटने की कोशिश

रेल ट्रैक पर 20 फीट लंबा पाइप और पत्थर मिले

शामली, 02 जून (एजेंसियां)। आतंकी साजिश है या फिर शरारत। शामली में मात्र एक घंटे में शरारती तत्वों ने ट्रेन पलटाने की साजिश रची। ट्रेन को रोकने से एक घंटा पहले ही दिल्ली से शामली के लिए ट्रेन आई थी। उस समय तक ट्रैक बिल्कुल साफ था। बलवा और शामली के बीच ट्रेन पलटाने की साजिश शरारती तत्वों ने मात्र एक घंटे में रच दी। एक घंटे के अंदर ही रेलवे ट्रैक पर 20 फीट लंबे पाइप से लेकर मोटा पत्थर, छोटे पत्थर तक रख दिए। जीआरपी, आरपीएफ के अधिकारियों की प्रथम दृष्टया जांच में यह बातें सामने आई है। दिल्ली से शामली तक जिस ट्रेन 64021 को इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोका गया, उससे मात्र एक घंटा पहले ही दिल्ली से शामली के लिए ट्रेन आई थी, उस समय रेलवे ट्रैक बिल्कुल क्लीयर था।

आरपीएफ और जीआरपी के अफसरों के मुताबिक, साजिश रचने में पांच से अधिक शरारती तत्व हो सकते हैं, क्योंकि 20 फीट लंबा पाइप और भारी भरकम जो पत्थर रेलवे ट्रैक पर रखा गया था, उनका वजन काफी अधिक था। एक या दो लोग इन्हें उठाकर रेलवे ट्रैक पर नहीं रख सकते। शनिवार की रात दिल्ली-शामली, सहारनपुर रेलवे मार्ग पर

64021 पैसेंजर ट्रेन दिल्ली से चलकर बलवा हाल्ट पर रुकने के बाद शामली के लिए चली थी। पेसेंजर ट्रेन अपनी स्पीड पकड़ भी नहीं पाई थी। बलवा-शामली के बीच 85, 15-16 किलोमीटर के पास नलकूप का पाइप और पत्थर रेलवे ट्रैक पर रखा था। इसके अलावा छोटे पत्थर काफी दूर तक रखे गए थे। पैसेंजर ट्रेन 10.18 बजे मौके पर पहुंची। चालक जोगेंद्र सिंह ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया। रेलवे ट्रेक पर रखा नलकूप का पाइप ट्रेन में मौजूद जीआरपी एस्कार्ट में शामिल सिपाहियों ने हटवाया।

मौके पर पैसेंजर ट्रेन खड़ी रही। मामले की सूचना ट्रेन के चालक जोगेंद्र सिंह ने शामली रेलवे स्टेशन पर मौजूद स्टेशन मास्टर आशीष सैनी को दी। मौके पर पहुंचे जीआरपी के थानाध्यक्ष चांदवीर सिंह ने बताया कि रात 9.21 बजे बलवा से दिल्ली से शामली को आने वाली एक अन्य ट्रेन भी निकली थी, उस समय ट्रैक बिल्कुल क्लीयर था। यानी शरारती तत्वों ने इस ट्रेन के जाने के बाद ही पाइप और पत्थरों को रखकर साजिश रची।

शामली-बलवा के बीच शनिवार रात को रेलवे लाइन पर नलकूप के लोहे का लंबा पाइप, सीमेंट का टूटा हुआ पाइप (बंवा) व पत्थर रखकर ट्रेन पलटाने की कोशिश की गई। यह आतंकी साजिश है या शरारत की गई। इसकी जांच में सिविल पुलिस और रेलवे के अधिकारियों के साथ खुफिया जांच एजेंसियां भी जुटी हुई है। पूर्व में 2019 में स्टेशन मास्टर के नाम डाक से भेजी गई चिट्ठी में शामली समेत 11 प्रमुख स्टेशनों और धर्म स्थलों को उड़ाने की धमकी दी जा चुकी है।

जिले में पूर्व में भी समय-समय पर आतंकी कनेक्शन के मामले सामने आ चुके हैं। हाल ही में कैराना निवासी नोमान इलाही को पानीपत पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के मामले में गिरफ्तार किया है। पिछले साल शामली निवासी कलीम और उसके भाई तहसीम को एसटीएफ ने आईएसआई एजेंट के आरोप में गिरफ्तार किया था। इनके अलावा भी पूर्व में जिले में राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में कई लोग पकड़े जा चुके हैं। इसके साथ ही 20 अप्रैल 2019 को शामली के तत्कालीन स्टेशन मास्टर विक्रांत सरोहा के नाम से डाक से चिट्ठी भेजी गई थी।

आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के एरिया कमांडर मैसूर अहमद जम्मू-कश्मीर (सिंध पाकिस्तान) के नाम से भेजी गई चिट्ठी में शामली रेलवे स्टेशन, बागपत, मेरठ, हापुड़, गजरौला, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर, बरेली, दिल्ली, पानीपत, रोहतक आदि रेलवे स्टेशन के अलावा इलाहाबाद के संगम मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर, अयोध्या के रामजन्म भूमि, हनुमान मंदिर गाजियाबाद और दिल्ली के प्रमुख मंदिर और बस अड्डों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी।

इसके अलावा चिट्ठी में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और दिल्ली के मुख्यमंत्री को मौत के घाट उतारने की धमकी दी गई थी। धमकी भरी चिट्ठी भेजने का मामला आरपीएफ के हेड क्वार्टर और रेलवे विभाग के माध्यम से लखनऊ और गृह मंत्रालय तक पहुंचा था। अब शामली और बलवा के बीच रात में जिस तरह से ट्रेन पलटाने की कोशिश की गई। उसे लेकर पुलिस और रेलवे अधिकारी गहनता से जांच पड़ताल में जुटे हैं। खुफिया जांच एजेंसियां भी सक्रिय होकर अपने स्तर से जांच में जुटी है। अधिकारी इस बिंदु पर जांच कर रहे हैं कि यह आतंकी साजिश है या किसी की शरारत है। एसपी रामसेवक गौतम का कहना है कि पुलिस टीमें हर बिंदु पर गहनता से जांच कर रही है।

दिल्ली रेलवे के कमांडेंट ज्योति मणि ने बताया कि रात में बलवा और शामली के पास रेलवे ट्रेक का निरीक्षण किया था। शरारती तत्वों ने ट्रैक के पास नलकूप का 18-20 फीट लंबाई के लोहे के पाइप को उखाड़कर जानबूझकर रखा गया है, जिससे ट्रेन को पलटाने की साजिश की गई है। आतंकी घटना हाथ होने से इंकार किया है। उत्तर रेलवे के यातायात निरीक्षक सुनील धीमान ने बताया कि इससे पहले 12 फरवरी को कांधला के पास रेलवे ट्रैक पर लोहे का पट्टा रखा गया था। टपरी-रुड़की-हरिद्वार रेलवे ट्रैक पर लोहे का गेट रखा गया था। मगर उस समय भी शरारती तत्वों की साजिश ट्रेन चालक की सक्रियता के चलते नाकाम हो गई थी।

पर्यावरण संरक्षण और विकास की विचित्र मिसाल

विकास कार्यों के लिए खूब काटे जा रहे हैं वन

लखनऊ, 02 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार पर्यावरण संरक्षण और विकास की विचित्र मिसाल पेश कर रही है। विकास कार्यों के नाम पर वन क्षेत्र खत्म किए जा रहे हैं, लेकिन सरकार कह रही है कि वह पर्यावरण संरक्षण का बेमिसाल काम कर रही है।

उत्तर प्रदेश के वन एवं वन्यजीव विभाग ने सीएम योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में विकास कार्यों के लिए वन भूमि हस्तांतरण प्रक्रिया और क्षतिपूरक वनरोपण में समन्वय स्थापित कर विकास और पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा प्रदान की है। योगी सरकार ने एक ओर तो परिवेश 2.0 पोर्टल के माध्यम से विकास कार्यों के लिए भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया को पारदर्शी और त्वरित बनाया है तो वहीं दूसरी ओर कैम्पा निधि से क्षतिपूर्ति वनीकरण व अन्य कार्यों को गति प्रदान कर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया है। परिवेश 2.0 पोर्टल के माध्यम से अब तक कुल जारी 226 अन्तिम स्वीकृतियों में से 142 स्टेज-2 की स्वीकृतियां पिछले 05 माह में निर्गत की गईं। साथ ही 868 करोड़ रुपए की कैम्पा निधि से क्षतिपूर्ति वनीकरण का कार्य किया गया है। जो कि सही अर्थों में सतत विकास की अवधारणा को धरातल पर सच साबित करता है। सीएम योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में वन एवं वन्य जीव विभाग ने परिवेश 2.0 पोर्टल के माध्यम से विकास कार्यों के लिए वन भूमि हस्तान्तरण प्रक्रिया को त्वरित गति प्रदान की है। परिवेश 2.0 पोर्टल के माध्यम से पिछले पांच महीनों में परिवेश 2.0 के तहत कुल 226 अंतिम स्वीकृतियों में से 142 स्टेज-2 की स्वीकृतियां निर्गत की गईं। परिवेश 2.0 पोर्टल वन भूमि हस्तान्तरण प्रकरणों के अनुश्रवण और निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस पोर्टल पर वन भूमि हस्तांतरण के सभी प्रकरण अपलोड किए जाते हैं, जिससे लंबित मामलों को चिह्नित कर उनका त्वरित निस्तारण आस-ानी से संभव सके। साथ ही इस पोर्टल के माध्यम से केंद्र सरकार और राज्य सरकार व सरकार के अन्य विभागों से समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों को तीव्रगति से पूरा किया जा रहा है। यह उपलब्धि विभाग की कार्यकुशलता और तकनीकी नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

वन एवं वन्य जीव विभाग के डैशबोर्ड के अनुसार प्रदेश के विभिन्न वन प्रभागों में प्रकरणों की संख्या में विविधता और तीव्र गति से निस्तारण देखने को मिला है। विभाग के डैशबोर्ड के अनुसार फतेहपुर वन प्रभाग में 24, मुरादाबाद में 17, और संभल में 9 प्रकरण दर्ज हैं। इसी प्रकार देवरिया वन प्रभाग में 8, सहारनपुर में 7, शिवालिक में 5 और सिद्धार्थनगर वन प्रभाग में 4 प्रकरण हैं। जिनका अन्य कार्यदायी संस्थाओं के साथ नियमित बैठक कर तीव्रगति से निस्तारण किया जा रहा है। यह डैशबोर्ड, परिवेश 2.0 पोर्टल के माध्यम से वन भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा दे रहा है। साथ ही सड़क निर्माण-मरम्मतीकरण, रेल लाईन, विद्युत पारेषण लाइन, बांध और नहरों का निर्माण जैसे विकास कार्यों को भी गति प्रदान कर रहा है। प्रदेश के वन एवं वन्य जीव विभाग ने सीएम योगी के विजन के अनुरूप इस पोर्टल के माध्यम से विकास कार्यों और पर्यावरण संरक्षण के प्रति संतुलन स्थापित किया है। विभाग ने कार्यदायी संस्थाओं के साथ नियमित बैठकों के माध्यम से शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया है। वन भूमि हस्तान्तरण के उपरांत कैम्पा निधि का उपयोग कर वन संरक्षण के विभिन्न कार्यों को पूरा किया गया है। वन एवं वन्य जीव विभाग ने कैम्पा निधि के लगभग 868 करोड़ रुपए क्षतिपूरक वनीकरण, 5.79 करोड़ रुपए जल ग्रहण क्षेत्र शोधन के साथ अन्य स्थल-विशिष्ट परियोजनाओं के लिए 416 करोड़ रुपए व्यय किये हैं। यही नहीं कैम्पा निधि से क्षतिपूरक वनीकरण के मामले में यूपी ने लक्ष्य के सापेक्ष सर्वाधिक लगभग 86 प्रतिशत वनीकरण किया है। परिवेश 2.0 पोर्टल के माध्यम से उत्तर प्रदेश का वन एवं वन्य जीव विभाग न केवल अन्य विभागों के साथ समन्वय स्थापित करे विकास कार्यों को गति दे रहा है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी बखूबी निभा रहा है।

पर्यावरण दिवस 5 जून को

प्लास्टिक खारिज करने का संकल्प लेंगे यूपी के बच्चे

लखनऊ, 02 जून (एजेंसियां)। 5 जून को पर्यावरण दिवस है। उत्तर प्रदेश सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर बड़ी पहल शुरू की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर स्कूली बच्चों से लेकर युवा तक, सभी एंडिंग प्लास्टिक ग्लोबली का संकल्प लेकर पर्यावरण की रक्षा करेंगे। इसके तहत नुक्कड़ नाटक, भाषण, चित्रकला प्रतियोगिताओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाया जाएगा। पर्यावरण निदेशालय ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है। पर्यावरण निदेशक की तरफ से इसके लिए समस्त जिलाधिकारियों को पत्र भी भेजा गया है। विभाग की तरफ से रीजनल साइंस सेंटर, अलीगंज लखनऊ में मुख्य आयोजन होगा।

विश्व पर्यावरण दिवस इस वर्ष प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने व प्लास्टिक से बने सामानों का उपयोग न्यूनतम करने के उद्देश्य से मनाया जाएगा। उपनिदेशक श्रुति शुक्ला ने बताया कि पूरे प्रदेश में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। एंडिंग प्लास्टिक ग्लोबली थीम पर नुक्कड़ नाटक, भाषण व चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा। कार्यक्रमों में स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ इस क्षेत्र में कार्य करने वाले विशेषज्ञ भी प्रतिभाग करेंगे। इस मुहिम का यंग फेस स्कूली बच्चों को बनाया जाएगा। उनके लिए प्रकृति को लेकर विभिन्न विषयों पर नुक्कड़ नाटक होंगे। नुक्कड़ नाटकों में दिखाया जाएगा कि प्लास्टिक का कचरा कैसे नदियों को मार रहा है और पर्यावरण पर प्रतिकूल असर दिखा रहा है। भाषण प्रतियोगिता में बच्चे बताएंगे कि प्लास्टिक का उपयोग कैसे न्यूनतम किया जाए। चित्रकला प्रतियोगिता में पर्यावरण से संबंधित अपने मनोभाव को पेंटिंग के जरिए उकरेंगे।

पर्यावरण निदेशक सुसांत शर्मा ने कहा, प्रदेश सरकार के निर्देशन में युवाओं, बच्चों व जन-जन को सिंगल यूज प्लास्टिक के खतरों को बताने के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा। एंडिंग प्लास्टिक ग्लोबली थीम पर स्कूलों बच्चों के मध्य जागरूकता कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, भाषण, चित्रकला आदि प्रतियोगिता भी होगी। साथ ही पौधे लगाने और उन्हें संरक्षित के लिए भी बच्चों का आह्वान किया जाएगा।

संपादकीय

फैसलों की संवेदना

करवटें और कानून से सुशासन की डगर और चार कदम फैसलों के। जिसका इंतजार था वे सरकारी नौकरियां इस बार होम गार्ड्स के 700 पदों की फेहरिस्त बना चुकी हैं। हिमाचल मंत्रिमंडल ने इस बार बेरोजगार युवाओं के लिए होम गार्ड्स की वर्दी पहनने का मौका दिया, तो पंचायत सचिवों के 203 पद नियमित कर दिए यानी अब उनके हस्ताक्षर अपनी पगार में और सशक्त होंगे। जाहिर है इस साल पंचायत चुनाव आ रहे हैं। ग्रामीण जनता का मूड सरकार की गवाही में दिखाई देगा, तो आरक्षण रोस्टर पर निगाहें बदलेंगी। स्थानीय निकायों के सियासी खजानों पर सत्ता का प्रभाव किस करवट बैठता है या लोकतांत्रिक पद्धति की प्रथम सीढ़ी पर क्या फिजा बनती है, यह अब लगातार दिखाई देगा। सुलाह, भवारना, लंबागांव और भोरंज विकास खंडों का पुनर्गठन, भौगोलिक रेखाओं में विकास के मील पत्थर चुनने की हसरत है। मंत्रिमंडल के फैसलों में हिमाचल न अतीत में सामान्य था और न वर्तमान में रहना चाहता है। बुद्धिजीवियों और मध्यमवर्ग का प्रदेश हमेशा सरकारों से उम्मीद करता है, सच्ची मुद्रा में सुशासन की अपील करता है। ऐसे में सुक्खू सरकार के व्यवस्था परिवर्तन के हर दावे की वकालत में मंत्रिमंडल के फैसलों की तासीर देखी जाती है। आत्मनिर्भरता के प्रयासों में हर गुंजाइश देखी जाती है। इसलिए अगर मेडिकल कालेज टांडा व आईजीएमसी के सीनियर रेजिडेंट के काम को सुकून के दायरे में लाते हैं, तो कार्यसंस्कृति के मायनों में स्वास्थ्य सेवाओं में विश्वास लौटता है, लेकिन विभागीय रिक्तियों से कई चिकित्सा संस्थान परेशान हैं, तो इस दिशा में फैसलों की संवेदना का परिचय जरूरी हो जाता है। मुख्यमंत्री सुक्खू अपने कदमों की पैमाइश खुद करते हैं, फिर भी कई विभागों को अर्थपूर्ण व प्रासंगिक बनाने के लिए अब तो प्राथमिकताएं बदलनी होंगी। भौगोलिक व प्रशासनिक समानता की ओर एक और कदम लेते हुए कांग्रेस सरकार रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण यानी रेरा के दरवाजे धर्मशाला में खोल रही है। जाहिर है किसी कार्यालय के शिफ्ट होने से राजधानी का अपना 'स्पेस' प्रभावित होता है। नए निर्माण की नई पैमाइश में 'रेरा' अगर सशक्त रूप से चिन्हित होता है, तो हमें ऐसे बदलाव की संगत में पूरे टीसीपी विभाग को भी समीप लाना होगा। कार्यालयों का राजधानी से इतर जाना भौगोलिक जरूरत हो सकता है, लेकिन अब शिमला को 'राज्य राजधानी क्षेत्र' के रूप में पहचान कर भविष्य की अधोसंरचना से जोड़ना होगा। शिमला के साथ कम से कम आधा दर्जन उपग्रह नगरों, एक न्यू टाउनशिप या कर्मचारी नगर के अलावा सोलन जैसे समीपवर्ती शहर के साथ जोड़कर राजधानी की विरासत और दबाव को बांट देना चाहिए। लगातार तीन कार्यालय धर्मशाला शिफ्ट करते हुए सरकार एक नई पैमाइश भी कर रही है। यह पैमाइश वीरभद्र सिंह ने शुरू की थी और शांता व धूमल के दौर में भी अलग-अलग प्रसंगों में देखी गई और यही वजह है कि अब तपोवन विधानसभा परिसर अपनी उपस्थिति को साबित करते हुए हिमाचल को समग्रता से देखता है। ऐसे में कल कुछ और कार्यालय भले ही यहां का सफर तय करें, लेकिन केंद्रीय विश्वविद्यालय के सफर को अगर सरकार के चार कदम जदरांगल की बिखरी मिट्टी तक पूरा नहीं कर रहे, तो ये टेढ़े रास्ते हैं। इसी तरह पर्यटन निगम का मुख्यालय तो आ रहा है, लेकिन मंजूरशुदा कान्वेंशन सेंटर, यूनिटी माल और बस स्टैंड परियोजनाएं क्यों धूल चाट रही हैं। बेशक वर्तमान सरकार के फैसले कठिन आर्थिक सतह पर आसान नहीं, लेकिन निवेश के दायरों में प्रदेश को भविष्य का एक बड़ा भाग निजी क्षेत्र के लिए सुनिश्चित कर देना होगा।

ग्रामीण जनता का मूड सरकार की गवाही में दिखाई देगा, तो आरक्षण रोस्टर पर निगाहें बदलेंगी। स्थानीय निकायों के सियासी खजानों पर सत्ता का प्रभाव किस करवट बैठता है या लोकतांत्रिक पद्धति की प्रथम सीढ़ी पर क्या फिजा बनती है, यह अब लगातार दिखाई देगा। सुलाह, भवारना, लंबागांव और भोरंज विकास खंडों का पुनर्गठन, भौगोलिक रेखाओं में विकास के मील पत्थर चुनने की हसरत है। मंत्रिमंडल के फैसलों में हिमाचल न अतीत में सामान्य था और न वर्तमान में रहना चाहता है। बुद्धिजीवियों और मध्यमवर्ग का प्रदेश हमेशा सरकारों से उम्मीद करता है, सच्ची मुद्रा में सुशासन की अपील करता है। ऐसे में सुक्खू सरकार के व्यवस्था परिवर्तन के हर दावे की वकालत में मंत्रिमंडल के फैसलों की तासीर देखी जाती है। आत्मनिर्भरता के प्रयासों में हर गुंजाइश देखी जाती है। इसलिए अगर मेडिकल कालेज टांडा व आईजीएमसी के सीनियर रेजिडेंट के काम को सुकून के दायरे में लाते हैं, तो कार्यसंस्कृति के मायनों में स्वास्थ्य सेवाओं में विश्वास लौटता है, लेकिन विभागीय रिक्तियों से कई चिकित्सा संस्थान परेशान हैं, तो इस दिशा में फैसलों की संवेदना का परिचय जरूरी हो जाता है। मुख्यमंत्री सुक्खू अपने कदमों की पैमाइश खुद करते हैं, फिर भी कई विभागों को अर्थपूर्ण व प्रासंगिक बनाने के लिए अब तो प्राथमिकताएं बदलनी होंगी। भौगोलिक व प्रशासनिक समानता की ओर एक और कदम लेते हुए कांग्रेस सरकार रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण यानी रेरा के दरवाजे धर्मशाला में खोल रही है।

आप का नजरिया

जीडीपी विकास दर के मायने

वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी, अंतिम तिमाही (जनवरी-मार्च) में देश की आर्थिक विकास दर 7.4 फीसदी रही। बेशक यह कई अपेक्षाओं और अनुमानों से परे मानी जा सकती है, लेकिन यह अभूतपूर्व नहीं है। कुल वित्त वर्ष की विकास दर 6.5 फीसदी रही है, यह पुष्टि भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने की है। यदि वस्तुओं, सेवाओं और वेल्यू एडिड के तौर पर लगाए गए करों को हटा लिया जाए, तो चौथी तिमाही की विकास दर 6.8 फीसदी रह जाएगी। विकास की गति दूसरी छमाही के दौरान तेजी से बढ़ी, अलबत्ता दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में विकास दर 5.6 फीसदी तक लुढ़क गई थी। समग्रता में देखें, तो भारतीय अर्थव्यवस्था की बढ़ोतरी 2024-25 के दौरान धीमी, मंद रही है, लिहाजा चौथी तिमाही के आंकड़ों पर गालबजाई नहीं करनी चाहिए। फिर भी भारतीय रिजर्व बैंक और विश्व की आर्थिक एजेंसियों ने 2024-25 के दौरान हमारी आर्थिक विकास दर 6.2 फीसदी से 6.4 फीसदी तक ही आंकी थी। यह दर भी विश्व में सबसे तेज अर्थव्यवस्था की ओर संकेत करती है। औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र में, खासकर मैन्यूफैक्चरिंग में, तेजी से गिरावट देखी गई है। 2024-25 के दौरान मार्च तिमाही में इस क्षेत्र में 4.8 फीसदी की दर से बढ़ोतरी दर्ज की गई। पिछली तिमाही में यह वृद्धि 3.6 फीसदी थी, जबकि एक साल पहले यह दर 12.3 फीसदी थी। यह चिंताजनक फासला माना जा सकता है। बीते वित्त वर्ष में कृषि क्षेत्र ने नए आयाम स्थापित किए। मौसम माकूल रहा, जलाशयों में पानी भरा रहा, किसानों को उनकी फसलों के दाम अच्छे और ज्यादा मिले, लिहाजा किसानों ने फसलों की ज्यादा बुआई की। बड़े खेतों में फसल लगाई। नतीजा यह रहा कि चौथी तिमाही में कृषि विकास दर 5.4 फीसदी रही। पूरे वित्त वर्ष की कृषि विकास दर 4.6 फीसदी रही। यह लंबे समय तक की औसतन दर से अधिक है। यह बढ़ते ग्रामीण उपभोग और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सुखद व्याख्या करती है, लेकिन भारत के ज्यादातर किसान आज भी गरीब और कर्जदार हैं। प्रधानमंत्री मोदी इस संदर्भ में अपना वायदा अब तो पूरा करें। इस तिमाही में निर्माण क्षेत्र में 10.8 फीसदी की दर से विस्तार हुआ, हालांकि एक साल पहले इस क्षेत्र की विकास दर 8.7 फीसदी थी। खनन क्षेत्र, सेवा क्षेत्र और सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा आदि क्षेत्रों में भी विकास दर्ज किया गया है। दरअसल 2023-24 में जीडीपी 9.2 फीसदी की दर से बढ़ी थी। विशेषज्ञों का मानना है कि सामान्य निर्यात में गिरावट और औद्योगिक गतिविधियों में सुस्ती का असर कुल अर्थव्यवस्था पर साफ दिखाई देता है। विशेषज्ञों का यह भी आकलन है कि मार्च तिमाही में अर्थव्यवस्था का मजबूत प्रदर्शन स्पष्ट करता है कि घरेलू मांग, निवेश, बचत आदि में बढ़ोतरी हुई है। अप्रैल, 2025 में 26,632 करोड़ रुपए का निवेश हुआ। यह किसी एक माह में सबसे बड़ा निवेश है। रिजर्व बैंक की ताजा रपट के मुताबिक, 2023-24 में घरेलू नेट वित्तीय बचत 5.1 फीसदी पर पहुंच गई थी, जो पिछले साल 4.9 फीसदी थी। यह आंकड़ा देश की आर्थिक सेहत के लिए सकारात्मक संकेत है। अब भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन गया है।

बच्चों को नशीले उत्पादन बेचने की गहरी साजिश

नई नस्लों को पंगु करने का अंतरराष्ट्रीय कुचक्र

शोभा शुक्ला

जो उद्योग बच्चों को मुनाफा कमाने के लिए नशीले उत्पादनों की लत लगवा रहे हैं, वे सब एक सी ही धूर्त चालें और भ्रामक कूटनीति अपनाते हैं। इन उत्पादनों में शामिल हैं: तंबाकू और निकोटीन, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड (अति-प्रसंस्कृत) खाद्य उत्पाद, और अत्यधिक मीठे पेय पदार्थ। विश्व स्वास्थ्य संगठन और कॉर्पोरेट अकाउंटेबिलिटी के विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारों को जनहित सर्वोपरि रखते हुए बच्चों को इन उत्पादनों से बचाना चाहिए और ऐसे उद्योग को जवाबदेह ठहराना चाहिए जो मात्र मुनाफा कमाने के लिए बच्चों को ऐसी नशीली लत लगा रहा है और उनको अनेक जानलेवा बीमारियों की ओर झोंक रहा है।

कृत्रिम स्वाद (फ्लेवर), अत्यधिक मीठापन, रंग-बिरंगी पैकिंग, ब्रांडिंग, ऑनलाइन, या फिर डिजिटल, विज्ञापन और प्रचार आदि के जरिए यह उत्पाद बच्चों की विकसित होती हुई संवेदनाओं को भ्रमित कर इन उत्पादनों के सेवन को सामान्य बना देते हैं। इनके निरंतर बढ़ते उपयोग से,इन बच्चों के लिए अनेक जानलेवा बीमारियों का ख़तरा अनेक गुना बढ़ जाता है। एक ओर उन रोगों का अनुपात बढ़ रहा है जिनसे पूर्णत: बचाव मुमकिन है (और जो इन उत्पादनों के कारण होते हैं) और दूसरी ओर इन उद्योगों के मुनाफे भी आसमान छू रहे हैं।

कॉर्पोरेट एकाउंटेबिलिटी की मुख्य शोध अधिकारी अश्का नाइक का कहना है कि जो उद्योग बच्चों को अपने उत्पाद की लत लगा के मुनाफा कमा रहे हैं - जैसे कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य उत्पाद, अत्यधिक मीठे पेय पदार्थ, तंबाकू और निकोटीन उत्पाद बनाने वाले उद्योग। इन उद्योगों ने यह उत्पाद इस कूटनीति से निर्मित, प्रचारित और विक्रय किए हैं जिससे कि बच्चे और युवा इनकी गिरफ्त में आसानी से फंस जाएं। ऐसे उद्योग को जवाबदेह ठहराने के लिए सरकारों की नीतियाँ जब कमजोर होती हैं तो फिर उन्हें किसका डर? हम सब को एकजुट हो कर सख्त नीतियों की मांग करनी होगी जिससे कि इन उद्योगों को जवाबदेह ठहराया जा सके और भावी पीढ़ियों को इन नशीले उत्पादनों से बचाया जा सके।

यह सिर्फ इत्तेफाक नहीं है बल्कि योजनाबद्ध तरीके से धूर्तता के साथ किए गए व्यापार और प्रचार का नतीजा है कि बच्चे नशीले उत्पादनों की जकड़ में हैं। उद्योग मुनाफा कमाने के लिए किसी भी हद तक जा रहा है। वैज्ञानिक प्रमाण देखें तो तंबाकू और निकोटीन, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड (अति-प्रसंस्कृत) खाद्य उत्पाद, और अत्यधिक मीठे पेय पदार्थ के कारण गंभीर रोग और असामयिक मृत्यु होती है परंतु उद्योग के दबाव के चलते इन सभी उत्पादनों को सामाजिक लाइसेंस मिला हुआ है। यह सरकारों की असफलता ही है कि वैज्ञानिक प्रमाण को दरकिनार कर इन उद्योगों को मुनाफा कमाने की खुली छूट दे रखी है, भले ही इन उत्पादनों के कारण लोग रोग और मृत्यु का शिकार हो रहे हों।

डेनियल डोराडो टोरेस, जो कॉर्पोरेट एकाउंटेबिलिटी में तंबाकू मुक्त दुनिया अभियान के निदेशक हैं, ने कहा कि इन उद्योगों ने जानबूझ कर सरकारों पर दबाव बना कर नीतियां कमजोर कर रखी हैं जिससे कि इनको जवाबदेह न ठहराया जा सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मत साफ है। इन नशीले उत्पादनों जिनमें तंबाकू और निकोटीन, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड (अति-प्रसंस्कृत) खाद्य उत्पाद, अत्यधिक मीठे पेय पदार्थ आदि शामिल हैं, इनके हर प्रकार के प्रचार पर रोक लगे और यह बच्चों की पहुंच से बाहर रखे जाएं। हायमी आर्सिला जो कोलंबिया स्थित कॉर्पोरेट एकाउंटेबिलिटी के वरिष्ठ शोधकर्ता हैं, ने बताया कि यदि हम इन उद्योगों के व्यापार, प्रचार और प्रसार करने के तरीके का अध्ययन करें तो पाएंगे कि यह सभी एक-सी चालें इस्तेमाल करते हैं। हायमी ने बताया कि 20 सालों तक कोलंबिया में लोकप्रिय खेल फुटबॉल सॉकर को तंबाकू उद्योग प्रायोजित करता रहा। 2009 में कोलंबिया ने तंबाकू उद्योग के इस प्रायोजन पर कानूनी प्रतिबंध लगा दिया तब बिना विलंब अल्ट्रा-प्रोसेस्ड (अति-प्रसंस्कृत) खाद्य उत्पाद उद्योग ने पूरी प्रायोजित राशि जमा करवा दी। क्योंकि तंबाकू हो या अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य उद्योग, इनको पता है कि फुटबॉल सॉकर के खेल के साथ अपना ब्रांड जोड़ लेने से बच्चों और युवाओं तक वे सरलता से जुड़ सकेंगे और उनको अपने उत्पाद की लत लगवा सकेंगे। 2009 से फुटबॉल सॉकर को कोलंबिया में प्रायोजन करने वाले उद्योगों में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य उद्योग, अत्यधिक मीठे उत्पाद उद्योग (सॉफ्ट ड्रिंक आदि), शराब उद्योग, आदि शामिल हैं। तंबाकू उद्योग के प्रायोजन पर 2009 से कानूनी प्रतिबंध है।

एल पोदर डेल कंज्यूमर मैक्सिको के जेवियर झुनिगा ने कहा कि मेक्सिको में भी यही हाल है अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य और अत्यधिक मीठे पेय पदार्थ उद्योग के व्यापार, प्रचार और प्रसार का तरीका चालाकी पूर्ण और धूर्त है। बच्चों को आकर्षित करने के आशय से इन उत्पादनों की पैकिंग होती है, दुकानों में विशेष स्थानों पर उनको रखा जाता है, भावनात्मक अपील होती है जिससे कि उत्पादनों का सेवन बच्चों और युवाओं से जुड़ सके, और इन उत्पादनों के नशीले और काले सच पर पर्दा डाल सके।

हायमी ने कहा कि तंबाकू सेवन कोई सांस्कृतिक परंपरा नहीं है। उद्योग ने जानलेवा तंबाकू और निकोटीन उत्पाद को ऐसे बनाया है कि इनके जरा से इस्तेमाल से ही लत लग जाए, नशा हो जाए और छोड़ना अत्यंत मुश्किल हो जाए। 14 देशों को छोड़ दें तो पूरी दुनिया ने कानूनी रूप से बाध्य वैश्विक तंबाकू नियंत्रण संधि को पारित कर रखा है। इस संधि का आर्टिकल 5.3 इन देशों को शक्ति देता है कि वह तंबाकू उद्योग के जन स्वास्थ्य नीति में हस्तक्षेप पर अंकुश लगा सकें और आर्टिकल 19 ताकत देता है कि तंबाकू उद्योग को तंबाकू और निकोटीन उत्पाद से हो रही जान-माल की क्षति और पर्यावरण के नुकसान के लिए आर्थिक और कानूनी रूप से जवाबदेह ठहराया जा सके।

इस वैश्विक तंबाकू नियंत्रण संधि को औपचारिक रूप से विश्व स्वास्थ्य संगठन फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन टोबैको कंट्रोल (एफटीसी) कहते हैं। इसको लागू हुए 20 साल हो गए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की डॉ कर्स्टीन स्कॉटे ने कहा कि हर 4 सेकंड में विश्व में एक व्यक्ति तंबाकू या परोक्ष धूम्रपान के कारण के कारण मृत होता है। हर साल 80 लाख से अधिक लोग तंबाकू के कारण मृत होते हैं जिनमें से 10 लाख लोग परोक्ष धूम्रपान से मृत होते हैं। डॉ. कर्स्टीन ने कहा कि 13-15 साल के 3.7 करोड़ बच्चे, तंबाकू के नशे में जकड़े हुए हैं। एक नहीं बल्कि 80 लाख कारण हर साल हैं तंबाकू उद्योग को जवाबदेह ठहराने के लिए। वरिष्ठ जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. तारा सिंह बाम ने कहा कि तंबाकू से होने वाले हर रोग और हर असामयिक मृत्यु से बचाव मुमकिन है। यदि सरकारें ईमानदारी से पूरी तरह से वैश्विक तंबाकू नियंत्रण संधि और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रमाणित तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम को लागू करेंगी तो हर साल 80 लाख लोग मृत होने से बच सकते हैं। जब हमें यह पता है कि तंबाकू सेवन न करने से और परोक्ष धूम्रपान न करने से कोई भी तंबाकू जनित रोग और मृत्यु का शिकार नहीं होगा, तो तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम पूरी ईमानदारी से लागू क्यों नहीं हो रहा है?

तंबाकू उद्योग के उत्पाद के सबसे पुराने 80 लाख से अधिक ग्राहक हर साल जब मृत होते हैं, तो जाहिर है कि मुनाफा बढ़ाने के लिए तंबाकू उद्योग धूर्तता के साथ नए बच्चों और युवाओं को गुमराह कर नशेड़ी बनाता है जिससे कि धंधा चलता रहे, मुनाफा आता रहे, मुनाफा बढ़ता रहे, भले ही बच्चों के जीवन का सत्यानाश हो जाए। सवाल तो सरकारों से पूछना चाहिए कि इतने वैज्ञानिक प्रमाण होने के बाद भी जानलेवा उत्पाद क्यों सरलता से बच्चों और युवाओं तक पहुंच रहे हैं?

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य उत्पाद, अत्यधिक मीठे पेय पदार्थ (जैसे कि सॉफ्ट ड्रिंक्स), तंबाकू और निकोटीन उत्पाद में एक बात समान है: इनमें फ्लेवर होते हैं (कृत्रिम स्वाद)। विश्व स्वास्थ्य संगठन मुख्यालय की विशेषज्ञ डॉ करस्टीन ने कहा कि यह इसलिए है क्योंकि बच्चे और युवा सबसे अधिक इन्हीं फ्लेवर के कारण इनके जाल में फस जाते हैं। जब मैसाचुसेट्स अमरीका में फ्लेवर पर प्रतिबंध लगा दिया गया तो इन तम्बाकू उत्पाद के सेवन में 80 प्रतिशत गिरावट आ गई। डॉ. कर्स्टीन ने कहा कि फ्लेवर से तंबाकू उत्पाद हमारे गले या श्वास तंत्र को कम कड़वा तो लगता है पर उतना ही घातक रहता है। फिल्टर, तंबाकू को कम जानलेवा नहीं करता बल्कि उपयोगकर्ता सरलता से लतेड़ी बन जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन मुख्यालय की विशेषज्ञ डॉ. कर्स्टीन ने बताया कि एक झूठ जो तंबाकू उद्योग ने फैला रखा है वह यह है कि फिल्टर सिगरेट, बिना फिल्टर वाली सिगरेट के मुकाबले अधिक सुरक्षित हैं। परंतु सत्य यह है कि दोनों, फिल्टर या बिना-फिल्टर की सिगरेट बराबर की जानलेवा और खतरनाक हैं।

फर्क यह है कि फिल्टर सिगरेट पीने वालों को तंबाकू या निकोटीन उतनी कड़वी या कठोर नहीं लगती। फिल्टर से जानलेवा सिगरेट पीना सिर्फ आसान हो जाता है, पर तंबाकू के जानलेवा कुप्रभावों का खतरा बरकरार रहता है।

डॉ. कर्स्टीन ने बताया कि फिल्टर के कारण सिगरेट छोड़ना भी अत्यंत मुश्किल हो जाता है। फिल्टर के कारण एक अत्यंत गंभीर किस्म के फेफड़े के कैंसर में भी वृद्धि हुई है जो फेफड़े के गहरे क्षेत्र में पनपते हैं। इसीलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि फिल्टर पर प्रतिबंध लगना चाहिए। जब तंबाकू से हर रोग या असामयिक मृत्यु से बचाव मुमकिन है तो यह सवाल तो सीधा सरकारों से होना चाहिए **(जो सतत विकास का वायदा करती हैं) कि तंबाकू सेवन का पूर्ण समापन करने में अभी कितने और साल लगेंगे?**

देश दुनिया से

ऑपरेशन सिंदूर : सैन्य-कूटनीतिक विजय

भारत ने सदैव पड़ोसी देशों के साथ शांति और सहयोग की नीति का पालन किया है जिसकी जड़ें महात्मा बुद्ध के अहिंसा और करुणा के दर्शन में निहित हैं। महात्मा बुद्ध ने कहा था कि 'अहिंसा परमो धर्मः', किंतु उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि धर्म की रक्षा के लिए उचित प्रतिकार आवश्यक है। इतिहास साक्षी है कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमले से लेकर पुलवामा हमले तक, भारत ने अंतरराष्ट्रीय दबावों के बावजूद संयम बरता। किंतु जब पाकिस्तानी सेना ने पीओके में आतंकी प्रशिक्षण शिविर सक्रिय किए, तो भारत के पास प्रतिशोध के अलावा कोई विकल्प नहीं रहा। आतंकवादियों ने जिस तरह से घूमने गए पर्यटकों की हत्या की, उससे हर एक शांतिप्रिय भारतीय का खून खौल उठा! ऑपरेशन सिंदूर इसी सिद्धांत का प्रतिबिंब है- शांति का प्रयास पहले, किंतु आक्रामकता का दृढ़ता से प्रत्युत्तर। किंतु पाकिस्तान ने बार-बार इस सद्भावना का दुरुपयोग करते हुए आतंकवाद को हथियार बनाया। 1965, 1971 और 1999 के युद्धों में मिली करारी हार के बावजूद, उसकी विघटनकारी मंशा अबाधित रही। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने न केवल इन नापाक मंसूबों को ध्वस्त किया, बल्कि यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत अब प्रत्युत्तर में कोई कोताही नहीं बरतेगा। यह अभियान भारत की सैन्य सामथ्र्य, कूटनीतिक कुशलता और वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतिबिंब है। सराहनीय है कि इस मुद्दे पर पूरा राष्ट्र एकजुट होकर खड़ा दिखाई दिया। 6 मई को भारतीय सेना ने पाक-अधिकृत कश्मीर स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करते हुए उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया।

प्रत्युत्तर में पाकिस्तान ने 500 से अधिक ड्रोन, मिसाइलें और भारी गोलाबारी का सहारा लिया, किंतु भारतीय सैनिकों की रणनीति और साहस के आगे उसकी हर चाल विफल रही। पहले ही दिन भारत ने उसके चार प्रमुख वायु ठिकानों को नष्ट कर दिया तथा 100 से अधिक आतंकियों को ढेर कर दिया। अंतरराष्ट्रीय नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए पाकिस्तान ने नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाया, किंतु उसकी यह कायरतापूर्ण कार्रवाई भी उसे मुंह की खाने से न बचा सकी। मात्र चार दिनों के भीतर पाकिस्तान को युद्धविराम के लिए विवश होना पड़ा, जो भारत की शर्तों पर स्वीकार किया गया। इसके तहत सिंधु जल संधि को बरकरार रखते हुए व्यापार प्रतिबंध जारी रखने तथा कूटनीतिक संबंधों को स्थगित करने जैसे निर्णय शामिल हैं। साथ ही, पाकिस्तानी नागरिकों को भारत से मिलने वाली सभी सुविधाएं समाप्त कर दी गईं। यह रणनीति पाकिस्तान को वैश्विक स्तर पर अलग-थलग करने में सक्षम है। इसी कड़ी में, भारत ने पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने हेतु एक व्यापक कूटनीतिक अभियान चलाया। सात सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों को अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस, यूएई और दक्षिण अफ्रीका सहित 33 देशों में भेजा गया। शशि थरूर, रविशंकर प्रसाद, अनुराग ठाकुर और सलमान खुर्शीद जैसे वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में ये प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान के आतंकी चरित्र को उजागर करने तथा भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को रेखांकित करने में सफल रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने राफेल लड़ाकू विमानों और एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से अपनी सैन्य शक्ति को नई ऊंचाइयां प्रदान की हैं। ऑपरेशन सिंदूर इस बात का ज्वलंत प्रमाण है कि भारत आतंकवाद के प्रति कोई सहनशीलता नहीं दिखाएगा तथा किसी भी प्रकार की आक्रामकता का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि भारत की शांतिप्रियता उसकी दुर्बलता नहीं, बल्कि उदारता का प्रतीक है। ऑपरेशन सिंदूर ने उसकी सैन्य और कूटनीतिक अक्षमता को बेनकाब करते हुए भारत की सशक्त छवि को पुनः प्रतिष्ठित किया है। हालांकि, भविष्य में चीन द्वारा पाकिस्तान को दिए जा रहे खुले समर्थन जैसी चुनौतियां चिंता का विषय बनी हुई हैं। रक्षा विश्लेषकों का मानना है कि भारत को अपनी साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष युद्ध क्षमताओं को मजबूत करना होगा। भारत को अपनी सुरक्षा एवं कूटनीतिक तैयारियों में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतनी चाहिए। यह अभियान न केवल वर्तमान में भारत के बढ़ते प्रभुत्व का द्योतक है, बल्कि भावी पीढियों के लिए एक प्रेरक गाथा भी है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत ने यह सिद्ध कर दिया कि वह न केवल अपने नागरिकों की सुरक्षा के प्रति समर्पित है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता का भी संरक्षक है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि आधुनिक युद्ध केवल सैन्य बल तक सीमित नहीं, बल्कि तकनीकी वर्चस्व पर भी निर्भर करते हैं। भारत को अब अपनी वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी क्षमताओं को स्वदेशी आधार पर विकसित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। रक्षा क्षेत्र से लेकर अंतरिक्ष तकनीक तक, हमें विदेशी निर्भरता कम करते हुए मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करना होगा। पाकिस्तान को अब समझ लेना चाहिए कि आतंकी गतिविधियां चलाकर, भारत को नुकसान पहुंचा कर, उसका भला होने वाला नहीं है। वह रक्षा बजट में भले ही बढ़ोतरी कर ले, लेकिन विकास कार्यों के लिए उसके पास पाई तक भी नहीं बचेगी।

कुछ अलग

मुद्दे के खून में सिंदूर

अचानक मुद्दों ने उछलना बंद कर दिया। विपक्ष की निगरानी में अनेकों मुद्दे असहाय हो चुके थे। सारा का सारा स्टॉक खराब हो रहा था। इन्हें उछालने के प्रयास में देश का विपक्ष कमजोर हो रहा था। किसी ने राय दी कि मुद्दों की झाडफ़ूंक कराई जाए। किसी ने कहा इन्हें चिट्टा सुंघाया जाए। जनता चाहती थी कि विपक्ष का कहना मानकर मुद्दे उछलते रहें, लेकिन मुद्दों के सामने विपक्ष की बोलती बंद हो रही थी। हद तो यह कि आबकारी नीति का विरोधी मुद्दा भी उछलने में असमर्थ पाया गया। कानून व्यवस्थआ का मुद्दा पुलिस की तरह 'सीन' से ही गायब रहने लगा था। विपक्ष उसे जगा रहा था, लेकिन वह शहरी कानून व्यवस्था की तरह लंबी तान के सोने लगा था। दरअसल जनता ने सत्ता पक्ष को ही इतना ऊपर उछाल दिया था कि सारे मुद्दे जमीं पर लेट गए थे। इधर विपक्ष इस ताक में था कि कोई मुद्दा खुद ही उछल कर सरकार से ऊपर तक पहुंच जाए। विपक्ष ने मुद्दों के ढेर के सामने खुद को किसी तरह खड़ा करके पूछा, 'भाई क्यों साथ नहीं दे रहे हो। देश की खातिर तुम्हीं हो जो उछल कर कुछ कर सकते हो।' मुद्दे सहम थे, दरअसल उनकी रगों से खून चूसा जा चुका था। एक मुद्दा बिल्कुल सफेद था, देखने में अंग्रेज था। पूछते ही बोला, 'मैं किसान के दूध का मुद्दा हूं, मेरा खून पीने वाले नकली दूध बेच रहे हैं और इधर मैं बेजान-शर्मसार सफेद हो गया।' एक मुद्दा बिल्कुल गटर था। सफाई कर्मी की तरह भयभीत था, 'कहीं गहरे में सियासत की सीवरेज में गिरा, तो मुफ्त में मारा जाऊंगा।' तीसरा गैस का गोला था। जोर-जोर से डकार मार रहा था, लेकिन बता कुछ नहीं पा रहा था। विपक्ष को लगा काम का मुद्दा है, 'सत्ता के सामने दो-चार डकार मार दिए तो काम चल जाएगा।' आश्चर्य यह कि यह मीडिया का काम कर रहा था। अपने ही काम की गैस से परेशान था। मीडिया की तरह इस मुद्दे को भी मालूम नहीं था कि वह किस खेत की मूली है, लेकिन सत्ता की मूलियां खाकर डकार मार रहा था। निराश विपक्ष में मुद्दे उछालने की रही सही ताकत जवाब दे रही थी, लेकिन जैसे ही वह आगे बढ़ा, उसने देखा, सामने कोने में कुछ मुद्दे यूं ही उछल रहे थे। मरे हुए मुद्दों के बीच इनका उछलना विपक्ष के सोये हुए खून को सहारा दे गया। विपक्ष खुश था कि अब उसका काम ये मुद्दे करेंगे, लेकिन अब चिंता यह थी कि इन्हें काबू कैसे किया जाए। विपक्ष ने खुद को एकजुट करने के लिए बैठक बुलाई। सभी विपक्षी दल खुद को बचाने के लिए उछलते मुद्दों के करीब एकसाथ बैठे। मुद्दा मंत्रणा का समूचा विपक्ष गवाह बना, लेकिन अब हिस्सेदारी और मुद्दों की टेरिटेरी का प्रश्न भी उछल गया। सबसे बड़ी पार्टी ने कई मुद्दों पर अपना हक जताया, 'हमें हर उछलती शह को अपने दरबार में रखने का तजुर्बा है। हमारे नेता बातों-बातों में इसलिए उछलते रहते हैं।' तभी दूसरी पार्टी ने एक उछलते मुद्दे पर हाथ रख कर कहा, 'देखो हमने इसे कैसे हथिया लिया। है कोई माई का लाल जो इसे हमसे छुड़ा सके।' यह देखते ही विपक्ष में छीना-झपटी और फिर भगदड़ मच गई। हर पार्टी कोई न कोई उछलता मुद्दा उठाना चाहती थी, लेकिन मुद्दे उनके कद से ऊपर उठकर उछल रहे हैं।

अमेरिका के कोलोराडो प्रांत में आतंकी हमला, छह प्रदर्शनकारी यहूदी घायल

वाशिंगटन, 02 जून (एजेंसियां) ।

संयुक्त राज्य अमेरिका के कोलोराडो प्रांत के बोल्डर में रविवार को हुए हमले में कम से कम छह लोग घायल हो गए। सभी छह लोग बुरी तरह झुलसे हुए हैं। इनमें एक की हालत ज्यादा खराब है। संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने कहा कि इसकी आतंकवादी हमले के रूप में जांच हो रही है।

लक्षित हमले को अंजाम देने वाला संदिग्ध स्वतंत्र फिलिस्तीन चिल्लाया और एक फ्लेम थ्रोवर से हमला किया। हमलावर ने यहूदी प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाया गया। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि आतंकी समूह हमास बंधकों को रिहा करे। संदिग्ध की पहचान 45 वर्षीय मोहम्मद सबरी सोलिमान के रूप में हुई। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। खबर के अनुसार, इजराइल-हमास युद्ध के बीच अमेरिका में यहूदी समुदाय के खिलाफ बढ़ती हिंसा की श्रृंखला में यह नया हमला है। यह घटना वाशिंगटन डीसी में कैपिटल यहूदी संग्रहालय के बाहर दो इजराइली दूतावास कर्मचारियों की गोली मारकर हत्या के कुछ दिनों बाद हुई। एनबीसी न्यूज के अनुसार, दो वरिष्ठ कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने रात को बताया कि संदिग्ध मोहम्मद सबरी सोलिमन मिस्र का नागरिक है। कोलोराडो के गवर्नर जेरेड पोलिस ने हमले की निंदा की और इसे घृणित कृत्य कहा। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि संदिग्ध पर कानून की पूरी हद तक मुकदमा चलाया जाएगा। यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है। बोल्डर पुलिस प्रमुख स्टीफन रेडफर्न ने बताया कि एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। बाकी लोगों को मामूली चोट आई हैं। चार लोगों को बोल्डर सामुदायिक अस्पताल ले जाया गया और दो को मेट्रो डेनवर में ऑरोरा अस्पताल बर्न यूनिट में एयरलिफ्ट किया गया। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक्स पर कहा कि हम पीड़ितों के लिए प्रार्थना में एकजुट हैं। महान देश में आतंक के लिए कोई जगह नहीं है। सीनेट अल्पसंख्यक नेता चक शूमर ने कहा कि यह भयावह है और यह जारी नहीं रह सकता। हमें यहूदी-विरोधी भावना के खिलाफ़ खड़ा होना चाहिए। एफबीआई निदेशक काश पटेल और होमलैंड सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने इस घटना को आतंकवादी हमला बताया। व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बोल्डर में हुए हमले के बारे में जानकारी दे दी गई है। सीएनएन की खबर के अनुसार, एफबीआई डेनवर के विशेष एजेंट-इन-चार्ज मार्क मिचलेक ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संदिग्ध सोलिमन नेअस्थायी फ्लेमथ्रोवर का इस्तेमाल किया और भीड़ में एक आग लगाने वाला उपकरण फेंका। यह घटना बोल्डर रन फॉरर देयर लाइव्स इवेंट के दौरान हुई। सभी पीड़ित बुजुर्ग हैं। उन्होंने कहा कि संदिग्ध को 2005 में संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश करने के लिए वीजा देने से मना कर दिया गया था। अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि संदिग्ध ने कब या कैसे अमेरिका में प्रवेश किया।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में दो पुलिस अधिकारियों पर हमला, एक की मौत

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया में दो पुलिस अधिकारियों पर शनिवार रात घात लगाकर हमला किया गया। इस हमले में एक अधिकारी की मौत हो गई। यह गोलीबारी लॉस एंजिल्स काउंटी के बाल्डविन पार्क शहर में प्रशांत समयानुसार शाम 7:12 बजे हुई। एबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, लॉस एंजिल्स काउंटी के शेरिफ रॉबर्ट जी. लूना ने रविवार आधीरात को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दोनों पुलिस अधिकारियों की चेतावनी पर संदिग्ध ने उन पर गोली चला दी। बाल्डविन पार्क के मेयर एलेजांद्रा एविला ने कहा कि हमले में पुलिस अधिकारी सैमुअल रिवरोस की मौत हो गई। लॉस एंजिल्स काउंटी शेरिफ विभाग ने रिवरोस को लिंकन हाइट्स में लॉस एंजिल्स जनरल मेडिकल सेंटर ले जाया गया। सेंटर के डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। बाल्डविन पुलिस विभाग ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि सैमुअल रिवेरोस बहादुर पुलिस अधिकारी थे। वह हमारी स्मृतियों में वह सदैव जीवित रहेंगे। गोलीबारी में घायल पुलिस अधिकारी एंथनी पिमेंटेल का लॉस एंजिल्स जनरल मेडिकल सेंटर में इलाज चल रहा है। लॉस एंजिल्स काउंटी के शेरिफ रॉबर्ट जी. लूना ने कहा कि संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है। उसके पास से राइफल बरामद कर ली गई है।

बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी ने बहाली के लिए चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया

ढाका। पाकिस्तान के प्रमुख राजनीतिक दल जमात-ए-इस्लामी ने आज पार्टी के पंजीकरण और चुनाव चिन्ह की बहाली के लिए चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया है। प्रतिनिधिमंडल ने आयोग को इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के अपीलीय डिवीजन के ताजा आदेश की प्रति भी सौंपी। प्रतिनिधिमंडल और आयोग के अधिकारियों के बीच बैठक अगरगांव स्थित आयोग भवन के सम्मेलन कक्ष में दोपहर 12:15 बजे हुई। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन भी मौजूद रहे। खबर के अनुसार जमात के छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सहायक महासचिव हमीदुर रहमान आजाद ने किया। अन्य सदस्यों में पार्टी नेता एडवोकेट अहसानुल महबूब जुबैर, एडवोकेट जसीम उद्दीन सरकार, एडवोकेट मतिउर रहमान अकांदा, मुबारक हुसैन और एडवोकेट मोहम्मद शिशिर मोनिर मौजूद रहे। सुप्रीम कोर्ट के अपीलीय डिवीजन ने रविवार को 2013 के हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें जमात के पंजीकरण को अवैध घोषित करते हुए रद्द कर दिया गया था।

यूक्रेन के हमले में ए-50 से टीयू-95 बर्बाद! रुस ने नहीं की पुष्टि, रुस ने जवाबी हमला कर 6 ड्रोन लॉन्चर और 30 यूएवी किए नष्ट

कीव। यूक्रेन ने रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। इस हमले में रूस के 40 से ज्यादा युद्धक विमानों को नुकसान हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हमले में रूस के अत्याधुनिक ए-50, टीयू-95 और टीयू-22एम3 जैसे बमवर्षक विमानों को टारगेट किया गया। मीडिया रिपोर्ट में यूक्रेनी सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि यह हमला रणनीतिक रूप से बेहद अहम था और इसका उद्देश्य रूस की हवाई ताकत को कमजोर करना था। हालांकि रूस की ओर से इतनी बड़ी तबाही की कोई अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन रुस ने जवाबी कार्रवाई जरूर की है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने यूक्रेन के खार्कोव क्षेत्र में इस्कैंडर-एम मिसाइल से हमला कर 6 ड्रोन लॉन्चर और करीब 30 यूएवी को नष्ट कर दिया है, साथ ही दावा किया गया है कि ड्रोन लॉन्च का स्रोत अब ब्लॉक कर दिया गया है। इस बीच रूस के इरकुत्स्क इलाके में पहली बार ड्रोन हमला किया गया। साइबेरिया स्थित इस इलाके में एक सैन्य यूनिट को निशाना बनाया। इलाके के गवर्नर ने हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि सेना और आपातकालीन टीमें मौके पर तैनात हैं और हालात को कंट्रोल में लाने की कोशिश कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रमुख रणनीतिक हवाई अड्डों पर यूक्रेन के बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले के बाद क्रेमलिन में एक आपातकालीन बैठक बुलाई। दूसरी ओर शांति वार्ता से ठीक पहले यूक्रेन सीमा से लगे रूसी क्षेत्रों में दो बड़े पुलों को भी उड़ा दिया।

पाकिस्तान भीख के पैसे से फैलाता है आतंकवाद, भारत को कुचलना आता है

लंदन, 02 जून (एजेंसियां) ।

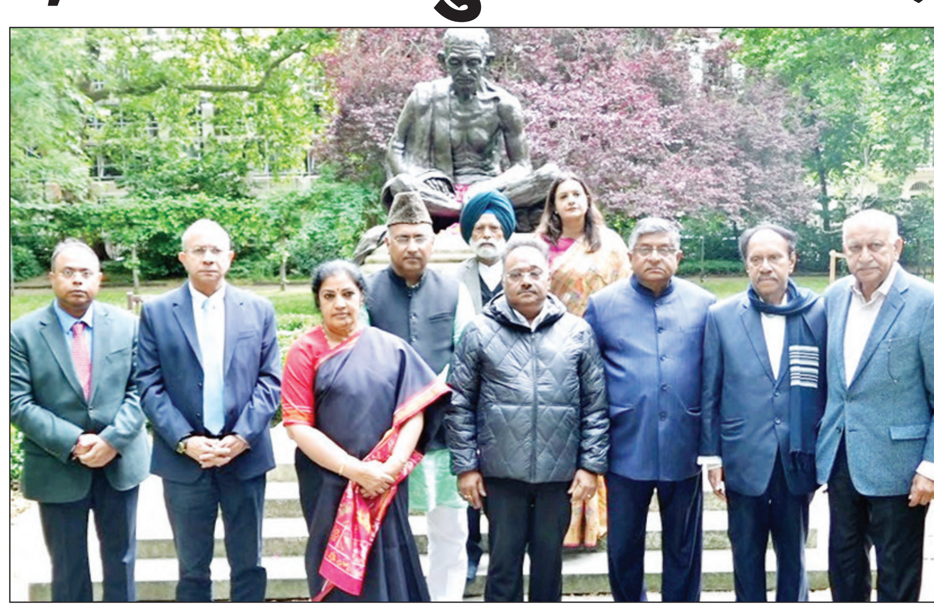

भारतीय संसदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने पूर्व केंद्रीयमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में यहां पाकिस्तान के चेहरे को बेनकाब किया। लंदन के इंडिया हाउस में रविवार को भारतीय प्रवासियों से मुलाकात में भाजपा सांसद गुलाम अली खटाना ने कहा कि पाकिस्तान एक तरफ भीख मांगता है और दूसरी तरफ आतंकवाद फैलाता है। भारत आतंकवाद को कुचलना जानता है और इसके लिए किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देशों में हमारे साथी यह संदेश दे रहे हैं। आप (भारतीय प्रवासी) लोग हमारे राजदूत हैं। हम लड़ाई करेंगे।

भारतीय सेना वहां लड़ेगी। हमें कूटनीतिक लड़ाई लड़नी है। सोशल मीडिया की लड़ाई लड़नी है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद कश्मीर में लोकतांत्रिक भागीदारी बढ़ने से पाकिस्तान परेशान है। इसीलिए उसने पहलगाम में आतंकी हमला कराया। भारत ने जब ऑपरेशन सिंदूर से जवाब दिया तो दुनिया में पाखंड फैला रहा है। इस प्रतिनिधमंडल के वरिष्ठ सदस्य पूर्व केंद्रीयमंत्री और वरिष्ठ पत्रकार एमजे अकबर ने कहा कि अहिंसा के पुजारी गांधी जी ने कहा था कि आतंकवाद के खिलाफ अहिंसा नहीं उसका मजबूती से मुकाबला होना चाहिए। भारत आज बापू के बताए रास्ते पर चल रहा है। आज भारत का संदेश स्पष्ट है कि वह कभी पीछे नहीं हटेगा। भाजपा सांसद दग्गुबाती पुरंदेश्वरी ने कहा कि भारत जिम्मेदार राष्ट्र है। उसने कभी किसी दूसरे देश के खिलाफ हथियार नहीं उठाए हैं। पुरंदेश्वरी ने कहा कि पहलगाम में एक महिला ने आतंकवादी से विनती की कि तुमने मेरे पति को मार दिया है, अब मुझे भी मार दो, तो जवाब मिला - हम तुम्हें नहीं मारेंगे, जाओ मोदी को बताओ%। उन्होंने कहा कि इसके बाद दुनिया ने देखा कि पाकिस्तान में क्या हुआ। इस अवसर पर भाजपा सांसद समिक भट्टाचार्य ने कहा कि पाकिस्तान को याद रखना चाहिए कि उसका निर्माण इसलिए हुआ क्योंकि भारत ने गृहयुद्ध नहीं बल्कि शांति का रास्ता चुना।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने पाकिस्तान पर आतंकवाद को समर्थन देने का आरोप लगाया। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे 9/11 हमले का मास्टरमाइंड ओसामा बिन लादेन पाकिस्तान में छिपा हुआ था। भारत का एक प्रतिनिधिमंडल मोनरोविया (लाइबेरिया) पहुंचा है। यहां भाजपा नेता एसएस अहलूवालिया ने कहा कि पाकिस्तान सोचता है कि इस्लामी दुनिया उनके साथ खड़ी होगी। हमने यूएई से कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद फैलाने के लिए कुरान और धर्म का इस्तेमाल करता है। उसका कुछ उपाय कीजिए। यूएई ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान धर्म का दुरुपयोग कर रहा है। प्रतिनिधिमंडल के दूसरे सदस्य बीजद सांसद सस्मित पात्रा ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। आतंकियों ने लोगों का धर्म पूछकर हत्या की। पाकिस्तान जब तमाशबीन बना रहा तो भारत ने 6 और 7 मई की मध्य रात पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को तहस-नहस कर दी। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि लाइबेरिया हमारा पुराना मित्र है। व संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के लिए चुनाव लड़ेगा। ऐसा लगता है कि डीआर कांगो और लाइबेरिया दोनों ही अस्थायी सदस्यों की सीटें जीतेंगे। एक अच्छे मित्र के रूप में लाइबेरिया आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत के साथ खड़ा रहेगा। मैड्रिड (स्पेन) में भाजपा नेता कैप्टन बृजेश चौटा ने कहा कि भारत पिछले कई सालों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को झेल रहा है। पहलगाम में जो हुआ, उसने धैर्य का बांध तोड़ दिया। यूरोपीय संघ में भारत के पूर्व राजदूत मंजीव सिंह पुरी ने कहा कि आतंकवाद के भूगोल में पाकिस्तान बहुत बड़ा देश है। उसे दुनिया ने लगातार पहचाना है, चाहे आप 9/11 को लें, या फिर कोई भी बड़ी वैश्विक कार्रवाई को, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान का हाथ हमेशा रहा है।

गर्भपात गोली के आविष्कारक बौलियू का निधन, बदला करोड़ों महिलाओं का जीवन

रोम, 02 जून (एजेंसियां) ।

फ्रांसीसी वैज्ञानिक एटियेन-एमिले बौलियू, जिन्हें गर्भपात की गोली के आविष्कारक के रूप में जाना जाता है उनका 98 साल की आयु में शुक्रवार को पेरिस में निधन हो गया था। उनके संस्थान ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। एक डॉक्टर और एक रिसर्चर दोनों, बौलियू स्टेरॉयड हार्मोन पर अपने काम के साइंटिफिक, मेडिकल और सोशल सिग्नीफेंस के लिए दुनिया भर में जाने जाते थे। इंस्टीट्यूट बौलियू ने अपनी वेबसाइट पर पोस्ट में कहा कि उनका रिसर्च साइंस द्वारा संभव की गई प्रगति के प्रति उनके लगाव, महिलाओं की स्वतंत्रता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और सभी को बेहतर, लंबा जीवन जीने में सक्षम बनाने की उनकी इच्छा से प्रेरित था।

बौलियू का जन्म 12 दिसंबर, 1926 को स्ट्रासबर्ग में हुआ था। उस वक्त उनका नाम एटिएन ब्लम था, लेकिन 15 साल की आयु में नाजी कब्जे के खिलाफ फ्रांसीसी प्रतिरोध में शामिल होने पर अपना नाम उन्होंने 'एमिले बौलियू' रख लिया था। 1955 में मेडिकल में डॉक्टरेट और 8 साल बाद साइंस में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल करने वाले एंडोक्रिनोलॉजिस्ट बौलियू ने 1963 में फ्रांसीसी हैल्थ और मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट में हार्मोन पर काम करने वाली एक अग्रणी शोध इकाई की स्थापना की। वे 1997 तक इकाई के प्रमुख रहे। उन्हें 1982 में आरयू 486 के विकास के लिए जाना जाता है, जिसे गर्भपात की गोली कहा जाता है, जिसने दुनिया भर में लाखों महिलाओं के जीवन को बदल दिया, उन्हें फिजिकल और साइकोलॉजिकल सिक्योरिटी में वॉलंटरी मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी की संभावना प्रदान की। उनकी खोज के बाद रिसर्चर को महिलाओं के गर्भपात के अधिकारों के विरोधियों से तीखी आलोचना और यहां तक कि धमकियों का भी सामना करना पड़ा था। संस्थान ने कहा था कि आज भी इस पद्धति का विरोध किया जा रहा है, कुछ देशों में इस पर प्रतिबंध है और वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका में इसे चुनौती दी जा रही है, जहां यह सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली गर्भपात पद्धति है।

फैशन आर्ट टोरंटो फैशन वीक

कनाडा में फैशन आर्ट टोरंटो फैशन वीक में भाग लेते हुए बच्चे।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अल्जीरिया में अमीर अब्देलकादर को दी श्रद्धांजलि

अल्जीयर्स,02 जून (एजेंसियां) ।

भारत और अल्जीरिया के ऐतिहासिक एवं कूटनीतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व में एक सर्वदलीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अल्जीरिया के राष्ट्रीय नायक अमीर अब्देलकादर को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रतिनिधिमंडल ने राजधानी अल्जीयर्स स्थित विलाया डीअल्गर एटाब्लिस्समेंट डी गेस्टियन डेस पोम्पेस फनेब्रेस एट सिमेटिएरेस का दौरा किया और आधुनिक अल्जीरियाई राष्ट्र के संस्थापक माने जाने वाले अमीर अब्देलकादर की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। अमीर अब्देलकादर को फ्रांसीसी औपनिवेशिक शासन के खिलाफ संघर्ष और अल्जीरिया की स्वतंत्रता की नींव रखने के लिए व्यापक सम्मान प्राप्त है।

इस अवसर पर सांसद बैजयंत पांडा ने कहा, कि अमीर अब्देलकादर को श्रद्धांजलि देना केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि उन साझा मूल्यों का सम्मान है जिन पर भारत और अल्जीरिया के स्वतंत्रता संग्राम आधारित रहे हैं। यह श्रद्धांजलि हमारे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करती है और एक-दूसरे की आजादी की लड़ाई के प्रति गहरा सम्मान दर्शाती है।

द्विपक्षीय कूटनीति को नया आयाम

इस दौरे को भारत-अल्जीरिया के बीच संसदीय कूटनीति, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और परस्पर सम्मान को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल की यह यात्रा द्विपक्षीय संवाद को और गहरा करने, सहयोग को विविध क्षेत्रों में विस्तारित करने और जन-जन के बीच आपसी समझ को बढ़ाने की पहल का हिस्सा है।

बांग्लादेश में करेंसी से हटाई शेख मुजीब की तस्वीर, नई करेंसी जारी

ढाका, 02 मई (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश बैंक ने नई करेंसी जारी की है जिसमें दशकों से मौजूद राष्ट्रपिता शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर को हटा दिया गया है, उसकी जगह धार्मिक स्थलों विशेष रूप से मस्जिदों की तस्वीरें छापी गई हैं। करेंसी में मंदिर की तस्वीरें भी लगाई है, लेकिन सवाल एक प्रमुख मस्जिद की तस्वीर को लेकर, जिसे लेकर विपक्ष, बुद्धिजीवी और आम नागरिक सवाल पूछ रहे हैं। क्या यह नया बांग्लादेश है या तालिबानी सोच की वापसी

1971 के मुक्ति संग्राम में पाकिस्तान से आजादी दिलाने वाले शेख मुजीब बांग्लादेश की पहचान थे। उनके चेहरे वाला नोट सिर्फ करेंसी नहीं था बल्कि एक विचार था, लेकिन अगस्त 2024 में शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद सत्ता में आई नई सरकार का रुख अब इस पहचान को मिटाने में लगा है। सिर्फ करेंसी नहीं कई सरकारी इमारतों, संस्थानों और सड़कों से भी शेख मुजीब से जुड़ी पहचान को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बांग्लादेश बैंक ने 9 में से 3 नोटों की नई सीरीज जारी की है। इसमें न किसी नेता का चेहरा है, न राष्ट्रपिता की छवि। करेंसी में मस्जिद बौद्ध विहार, मंदिर और बंगाल अकाल पर आधारित एक प्रसिद्ध चित्र को। हालांकि जहां एक ओर ये विविधता प्रतीत होती है, वहीं मस्जिद की प्रमुखता को लेकर यह आलोचना हो रही है कि धार्मिक एजेंडा को 'राष्ट्रीय प्रतीकों' पर थोपने की कोशिश की जा रही है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल में मानवता के खिलाफ अपराधों का केस दर्ज हो चुका है. उन पर 2024 के छात्र आंदोलनों को कुचलने के आरोप हैं जिसमें 1400 से अधिक मौतें हुई. लेकिन ध्यान देने वाली बात यह है कि नई सरकार जिसने अब तक खुद को लोकतांत्रिक बताया है न तो इस केस पर कोई पारदर्शिता दिखा रही है और न ही शेख हसीना के विरोध में हुई कार्रवाइयों की निष्पक्ष जांच की बात कर रही है. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बांग्लादेश में यह बदलाव किसी सुधार की दिशा में नहीं बल्कि आइडेंटिटी वाइपआउट की रणनीति की तरह लग रहा है. नई सरकार न सिर्फ पुराने शासन के प्रतीकों को हटाने में लगी है, बल्कि अपने धार्मिक और वैचारिक एजेंडे को 'राष्ट्रीय गौरव' के नाम पर थोप रही है. बांग्लादेश कभी भी तालिबान जैसा कट्टरपंथी देश नहीं रहा. लेकिन आज जो बदलाव वहां की नीतियों, प्रतीकों और सरकार के कामकाज की शैली में देखने को मिल रहा है, वह उस ओर इशारा जरूर कर रहा है।

करेंसी में मस्जिद-मंदिर की तस्वीरें, विपक्ष व नागरिक पूछ रहे सवाल

भारत–ओमान व्यापार समझौते पर जल्द ही अच्छी खबर आएगी : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां) । फ्रांस की यात्रा पर गए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को पेरिस में टोटल एनर्जीज के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पैट्रिक पॉयने से यहां मुलाकात की। इस दौरान पैट्रिक पॉयने ने भारत के लिए कंपनी की निवेश योजनाओं और अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में गहन सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत और ओमान के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत आगे बढ़ रही है। इस पर कुछ अच्छी खबर बहुत जल्द आ सकती है।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने सीईओ पैट्रिक पॉयने से मुलाकात के दौरान भारत के लिए कंपनी की निवेश योजनाओं और अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में गहन सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। वह 3 जून को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की एक लघु–मंत्रिस्तरीय बैठक में भी भाग लेंगे इसके बाद गोयल ने पत्रकारों से कहा, ''मुझे लगता है कि ओमान एफटीए पर आपको बहुत जल्द ही अच्छी खबर सुनने को मिलेगी।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए फ्रांसी नेताओं और कारोबारियों से बातचीत करने के लिए आधिकारिक यात्रा पर यहां आए हैं। इस साल जनवरी में गोयल की मस्कट यात्रा के बाद वार्ता को बहुत ज़रूरी प्रोत्साहन मिला। उन्होंने कहा कि ओमान भारत के लिए खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों में तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। भारत का पहले से ही एक अन्य जीसीसी सदस्य यूएई के साथ ऐसा ही समझौता है, जो मई, 2022 में लागू हुआ। आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपी) के रूप में नामित इस समझौते के लिए वार्ता औपचारिक रूप से नवंबर 2023 में शुरू हुई। उन्होंने कहा कि कहा, ''ये समझौते दोनों पक्षों के लिए बाजार खोलने की दिशा में हैं, जिससे सभी प्रक्रियाओं में प्रतिस्पर्धात्मकता, उत्पादकता और दक्षता बढ़ेगी।'' वाणिज्य मंत्री ने बताया कि बजट में घोषित राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन जल्द ही शुरू हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

अनिल अंबानी की कंपनियों ने एक महीने में ही निवेशकों को दिया अच्छा रिटर्न, मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज को करना पड़ रहा है चुनौतियों का सामना

मुंबई। अनिल अंबानी और मुकेश अंबानी दोनों दुनिया के दिग्गज कारोबारियों में शामिल हैं। कुछ समय

पहले अनिल अंबानी लगातार नुकसान में जा रहे थे और बड़े भाई मुकेश अंबानी की कंपनियों में तेजी देखी जा रही थी। लेकिन इस समय अनिल अंबानी की प्रतिष्ठित कंपनियों में तेजी देखने को मिल रही है, जबकि मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अनिल अंबानी की कंपनियों ने एक महीने के भीतर अच्छे रिटर्न प्रदान किए हैं। रिलायंस पावर ने 125 फीसदी का रिटर्न दिया है, जबकि रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने 90 फीसदी रिटर्न दिया है और रिलायंस होम फाइनेंस ने 50 फीसदी रिटर्न दिया है। अनिल अंबानी का इस प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। वहीं मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को एक साल में 6 फीसदी की गिरावट का सामना करना पड़ रहा है। यह चुनौती के समय की निशानी हो सकती है जो इस बढ़ते हुए बिजनेस जंग में किसी के भी जीत पर सवाल उठा सकती है। मुकेश अंबानी को अपने कंपनी को पुनर्विचार करने की आवश्यकता हो सकती है ताकि वह अपनी स्थिति को सुधार सकें और दुविधाओं का सामना कर सकें।

यस बैंक ने 10 से 12 प्रतिशत की वृद्धि लक्ष्य निर्धारित किया

नई दिल्ली। तकनीक और वितरण क्षमता मजबूत करने के लिए ध्यान केंद्रित करने पर यस बैंक ने वित्त वर्ष 2026 में वृद्धि दर को तेज करने की योजना बनाई है। यह नीति अनुशासित तरीके से लागू की जाएगी। बैंक ने 10 से 12 प्रतिशत की वृद्धि लक्ष्य निर्धारित किया है जिसका मुख्य उद्देश्य वितरण को बेहतर बनाना और बाजार की बारीकी से निगरानी रखना है। यह योजना यस बैंक के खुदरा कारोबार को मजबूत करने के लिए कदम उठाएगी। बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने वर्ष 2025 के साथ एक साक्षात्कार में बातचीत किए और बताया कि बैंक विशेष ध्यान देकर एक मजबूत खुदरा फ्रैंचाइजी बनाने का लक्ष्य रखता है। कहा गया कि अगले वर्ष का लक्ष्य मध्यम वृद्धि होगा और बैंक वितरण पर काम करेगा। उन्होंने कहा कि हम अपने उत्पाद का कवरेज बढ़ाना चाहते हैं और खुदरा कारोबार में वृद्धि करना चाहते हैं। यस बैंक का खुदरा कारोबार सालाना आधार पर 1.01 लाख करोड़ रुपये रह गया था। इस श्रेणी में एसएमई, मिड कॉर्पोरेट और कॉर्पोरेट ऋण सभी विभागों ने सालाना बढ़ियों दर से वृद्धि की थी।

कुछ राज्यों की तुलना में मप्र, छग की कम महिलाओं के पास है मोबाइल फोन सबसे अच्छी स्थिति गोवा, लद्दाख, मिजोरम, केरल और पुदुच्चेरी में

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय महिलाओं के पास मोबाइल फोन के मामले में कुछ राज्य और केंद्र शासित प्रदेश पिछड़े हुए हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार गोवा और लद्दाख में करीब 92 प्रतिशत महिलाओं के पास मोबाइल फोन है, जो कि राष्ट्रीय औसत से बहुत अधिक है। इसके विपरीत छत्तीसगढ़, त्रिपुरा और मध्य प्रदेश में महिलाओं के पास मोबाइल फोन की संख्या कम है। रिपोर्ट में बताया गया है कि सबसे अच्छी स्थिति गोवा, लद्दाख, मिजोरम, केरल और पुदुच्चेरी में है जहां महिलाओं के पास मोबाइल फोन अधिक हैं। यह रिपोर्ट ऐसे क्षेत्रों को भी उजागर करती है जहां इस तकनीकी साधन की कमी है। ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 48 प्रतिशत महिलाओं के पास मोबाइल फोन है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 72 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार मोबाइल फोन के मालिकाना का परिभाषित नियोक्ता और सक्रिय सिम कार्ड के साथ उपयोग के लिए डिवाइस को शामिल किया गया है। यह आंकड़े साबित करते हैं कि भारतीय महिलाएं तकनीकी साधनों के उपयोग में पिछड़ रही हैं और इसमें सुधार की आवश्यकता है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां) ।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए थे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले–जुले परिणाम के साथ बंद हुए थे। वहीं एशियाई बाजारों में गिरावट का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,911. 69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.32 प्रतिशत टूट कर 19,113.77 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 173.05 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,097.02 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार उठा पटक होते रहने के कारण मिले–जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,772.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.27 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,997.48 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,751.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में चौतरफा गिरावट का माहौल बना हुआ है। एशिया के 9 बाजार में से 7 के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। एशिया के किसी भी बाजार में अभी तक के कारोबार में तेजी नजर नहीं आ रही है। दूसरी ओर, थाईलैंड और चीन के स्टॉक मार्केट में छुट्टी होने की वजह से सेट कंपोजिट इंडेक्स और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है।

गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 240.50 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,596.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.46 प्रतिशत टूट कर 3,876.80 के स्तर पर पहुंच गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 546.06 अंक यानी 2.34 प्रतिशत फिसल कर 22,743.71 अंक के स्तर पर आ गया है।

इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 380.09 अंक यानी 1.78 प्रतिशत लुढ़क कर 20,967.21 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 118.42 अंक यानी 1.65 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,057.40 अंक के स्तर पर, निक्केई इंडेक्स 602.16 अंक यानी 1.59 प्रतिशत टूट कर 37,362.94 अंक के स्तर पर और कोस्पी इंडेक्स 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,688.62 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

कनेक्टिविटी बढ़ने से मजबूत हो रहा भारतीय विमानन बाजार

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात एसोसिएशन ने बताया कि भारतीय विमानन बाजार कनेक्टिविटी, नेटवर्क और हवाई अड्डा बुनियादी ढांचे में वृद्धि के साथ मजबूत होकर उभर रहा है। देश में मजबूत एयरलाइनों के उभरने के कारण भारतीय विमानन बाजार में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। भारत, नेपाल और भूटान के एक अधिकारी ने दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में एसोसिएशन के उद्घाटन समारोह की मेजबानी की। उन्होंने एसोसिएशन की नींव मजबूत करने के लिए हवाईअड्डा बुनियादी ढांचे में भी उल्लेखनीय वृद्धि की बात कही और इसे देश के लिए एक अच्छी नींव प्रदान करने वाला माना। उन्होंने यह भी बताया कि सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) उत्पादन की उम्मीद 2026 तक भारत में है। आईटीए का कहना है कि वे लगभग 350 एयरलाइनों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो वैश्विक हवाई यातायात का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। एसोसिएशन 42 वर्षों के बाद पहली बार भारत में अपनी वार्षिक आम बैठक आयोजित करेगा, जिसके माध्यम से देश के विमानन उद्योग का विकास किया जाएगा। विमानन उद्योग सीधे तौर पर 3,69,700 लोगों को रोजगार देता है और देश की जीडीपी में 5.6 अरब डॉलर का योगदान देता है। इसके अलावा विमानन सेक्टर 77 लाख नौकरियां प्रदान करता है और 53.6 अरब डॉलर का योगदान करता है।

अमेरिकी सीनेटरों ने पेश किया 500 फीसदी शुल्क का प्रस्ताव

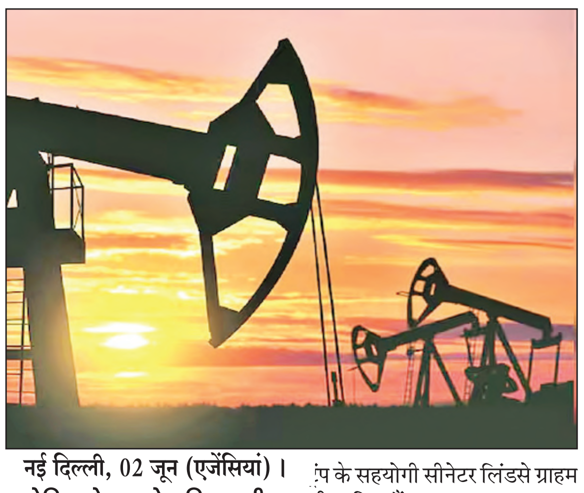

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां) ।

अमेरिका के सबसे शक्तिशाली सीनेटरों में से एक ने रूस के कच्चे तेल के कारोबार पर प्रतिबंध बढ़ाने के लिए एक विधेयक का प्रस्ताव रखा है, जिससे भारत के रूसी तेल के आयात पर हो सकता है नकारात्मक प्रभाव। इस प्रस्ताव के तहत देशों पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने की संभावना है, जिसमें भारत और चीन भी शामिल हैं।

यह कदम रोजाना लगभग 20 लाख बैरल रूसी कच्चे तेल की आपूर्ति पर खतरा उत्पन्न कर सकता है। साथ ही इस प्रस्ताव से आने वाले कठोर उपायों से भारत का कच्चे तेल आयात को पंगु बनाने का खतरा है। यह फरवरी महीने में लगभग 15.4 करोड़ डॉलर की मूल्यवर्धित आपूर्ति पर प्रभाव डाल सकता है। स्थिति में अब तक 80 से अधिक सीनेटरों ने इस विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के सहयोगी सीनेटर लिंडसे ग्राहम भी शामिल हैं।

इसे देशों जैसे जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन के साथ योगदान के माध्यम से तैयार किया गया है, जिन्होंने हाल ही में रूसी जहाजों पर कुछ सख्त नए प्रतिबंध लगाए हैं। भारत ने इन प्रतिबंधों को अब तक मान्यता नहीं दी है, लेकिन आधिकारिक तौर पर अमेरिकी प्रतिबंधों का सावधानी से पालन कर रहा है। यह हाल फरवरी में रूस की सबसे सस्ती क्रूड तेल कीमतों पर भारत के आयात पर भारी प्रभाव डालने की संभावना बना सकता है।

भारतीय अधिकारियों ने कहा कि आधिकारिक तौर पर अमेरिकी प्रतिबंधों को भी भारत नहीं मानता, लेकिन भारतीय बैंक और रिफाइनर अमेरिका से सावधान रहते हैं। यूरोपीय बेंचमार्क क्रूड ब्रेंट की तुलना में रूसी तेल 2 से 5 डॉलर प्रति बैरल की छूट पर सुरक्षित किया गया था। फरवरी मे इराक के बाद रूस का कच्चा तेल सबसे सस्ता था, जो 77 डॉलर प्रति बैरल पर मिल रहा था। सीमा शुल्क के आंकड़ों के आधार पर गणना से पता चलता है कि सऊदी अरब और अमेरिका के तेल की तुलना में रूस का तेल 5 डॉलर प्रति बैरल सस्ता था।

सरकारी कंपनियों का मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की सरकारी कंपनियों ने पिछले वित्तवर्ष में बैंक, वित्तीय और तेल–गैस क्षेत्र में बंपर मुनाफा कमाया है, परंतु इस वर्ष इसमें गिरावट आई है। इन कंपनियों ने अपने निवेशकों और सरकार को डिविडेंड भी दिया है, लेकिन 2024–25 में इसका प्रतिशत कम हो गया है। सरकारी कंपनियों का 2025 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने से भारत सरकार को कुल 82,995 करोड़ रुपये का लाभ मिलेगा। यह पिछले वर्ष से लगभग एक फीसदी कम है।

भारत में अमीरों की संख्या 50 फीसदी तक बढ़ने की संभावना

लग्जरी रिटेल बाजार भी 2025 तक बढ़ सकता है 15 से 20 प्रतिशत

मुंबई, 02 जून (एजेंसियां) । भारत में अमीर व्यक्तियों की संख्या में 2023 से 2028 तक लगभग 50 फीसदी की वृद्धि हो सकती है। यह बात एक रिपोर्ट के आधार पर कही गई है। इसके साथ, भारत के लग्जरी रिटेल बाजार में 2025 तक 15 से 20 प्रतिशत सालाना की दर से वृद्धि की संभावना है। इस ग्रोथ में जनसंख्या की संरचना में बदलाव, तेजी से होता शहरीकरण और उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं में बदलाव समेत कई महत्वपूर्ण कारण हैं। हालांकि कुछ चुनौतियां भी उभरी हैं। 7 लाख रुपए से अधिक के आयातित उत्पादों पर वृद्धि हुई टैक्स उपभोक्ता को मेड इन इंडिया उत्पादों की ओर आकर्षित कर सकती है। साथ ही 28 फीसदी ग्राहक जीएसटी भी इस बाजार की ग्रोथ के लिए एक बड़ी बाधा हो सकती है।

इसके बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था में धारावाहिक वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम के अनुसार भारत की जीडीपी 2026 तक 4.187 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकती है, जो जापान से अधिक होगी। फैशन, ज्वेलरी और लग्जरी घड़ियों जैसे सेगमेंट में भारत में 2019 से 2023 के बीच 5 फीसदी की सालाना ग्रोथ दर्ज की गई, जो 2025 में कुछ मामूली गिरावट देखने के साथ भी अस्वीकृत की गई। इस गिरावट का कारण चीन जैसे प्रमुख बाजारों में आर्थिक संकट बताया जा रहा है।

एयर इंडिया और एयर मॉरीशस की 'कोडशेयर' साझेदारी बढ़ेगी

कुल 17 मार्गों पर 'कोड' साझा किया जाएगा

नई दिल्ली, 02 जून (एजेंसियां) । विमानन कंपनी एयर इंडिया और एयर मॉरीशस ने अपनी 'कोडशेयर' साझेदारी का विस्तार करने की घोषणा की है। उनका कहना है कि इस साझेदारी के माध्यम से भारत को दक्षिण अफ्रीका, रीयूनियन और मेडागास्कर के साथ बेहतर संपर्क सुविधा मिलेगी। एयर इंडिया और एयर मॉरीशस के बीच कुल 17 मार्गों पर 'कोड' साझा किया जाएगा। इस साझेदारी के तहत उपभोक्ताओं को अधिक सुविधाएं प्राप्त होंगी और बेहतर विमानन सेवाएं मिलेंगी। एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन तथा एयर

मॉरीशस के चेयरमैन किशोर बीगू ने इस साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए। एयर इंडिया अपना 'एआई' कोड एयर मॉरीशस की उड़ानों पर लगाएगा जो दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन, जोहान्सबर्ग, और मेडागास्कर की राजधानी एंटानानारिवो से आती–जाती हैं। इस साझेदारी से यात्रियों को मॉरीशस, रीयूनियन और दक्षिण अफ्रीका के बीच संचार करने का अच्छा अवसर प्राप्त होगा। 'कोडशेयर' साझेदारी के अंतर्गत उड़ानों के लिए टिकट बुक करने की सुविधा प्रदान की जाएगी, जो यात्रियों को सरलता और सुविधा देगी। इस साझेदारी के माध्यम से दोनों कंपनियों की संयुक्त प्रयासों से यात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा, साथ ही दोनों उड़ान सेवाओं को मजबूत करने में सक्षम होंगे।

मारुति सुजुकी की बिक्री मई में बढ़कर 1,80,077 इकाई हुई

मुंबई । मारुति सुजुकी इंडिया ने मई महीने में अपनी कुल वाहन बिक्री को सालाना आधार पर तीन प्रतिशत बढ़ाकर 1,80,077 इकाई तक पहुंचाया है। यह बिक्री वृद्धि आर्थिक संकट के बीच एक उज्जवल संकेत है। ग्रैंड विटारा, ब्रेजा, जिम्नी, एक्सएल6 जैसे यूटिलिटी वाहनों की बिक्री मई में 54,899 इकाई पहुंच गई, जो मई 2024 में 54,204 इकाई थी। वहीं ईको वैन की बिक्री भी सालाना आधार पर 10,960 इकाई से बढ़कर 12,327 इकाई हो गई। मारुति सुजुकी इंडिया के एक प्रवक्ता ने बताया कि छोटी कारों में आए घाटे की वजह से कंपनी की बिक्री में कुचलाव आया है। एक साल पहले घरेलू यात्री वाहन की बिक्री में वृद्धि होते हुए इस माह की बिक्री में 6 प्रतिशत की कमी आई है। कॉम्पैक्ट कारों की भी बिक्री मई 2024 में 68,206 इकाई की तुलना में घटकर 61,502 इकाई रही है। इसमें बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट और वैगनआर शामिल हैं। मारुति सुजुकी इंडिया अपनी नई यातायात वाहनों के लिए नए बाजार और संगठनों में अपनी अवधारणाओं के साथ मजबूती जारी रखने का संकल्प कर रही है।

थाईलैंड ओपन मुक्केबाजी : दीपक और नमन ने दिलाया स्वर्ण, भारत ने 8 मेडल के साथ किया शानदार समापन

बैंकॉक,02 जून (एजेंसियां) ।

थाईलैंड ओपन बॉक्सिंग टूर्नामेंट 2025 में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल आठ पदक अपने नाम किए। दीपक और नमन तंवर ने स्वर्ण पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया, जबकि महिला वर्ग में भी भारतीय बॉक्सर दमदार प्रदर्शन के साथ पदक तालिका में योगदान देती नजर आईं।

दीपक और नमन तंवर ने दिलाया स्वर्ण – पुरुषों की 75 किलोग्राम भारवर्ग में दीपक ने उज्बेकिस्तान के अब्दुरखिमोव जावोखिर को 5–0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मुकाबले की शुरुआत में दीपक ने संयम से खेला, लेकिन पहले राउंड के मध्य से ही उन्होंने नियंत्रण बनाना शुरू कर दिया और अंत तक पूरी तरह हावी रहे। वहीं, 90 किलोग्राम के फाइनल में नमन तंवर ने चीन के हान शुएजेन को 4–1 से मात दी। नमन ने आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले दो राउंड में बढ़त बना ली। हालांकि तीसरे राउंड में चीनी बॉक्सर ने वापसी की कोशिश की, लेकिन नमन ने अपने अनुभव से मुकाबले को अपने पक्ष में रखा।

किरण को सिल्वर, पांच महिला बॉक्सर को ब्रॉन्ज – महिलाओं की 80+ किलोग्राम कैटेगरी में किरण को कजाखस्तान की येलदाना तालिपोवा के खिलाफ 2–3 से करीबी हार झेलनी पड़ी और उन्हें सिल्वर से संतोष करना पड़ा। इसके अलावा भारत की पांच महिला मुक्केबाज़—तमन्ना (51 किग्रा), प्रिया (57 किग्रा), संजू (60 किग्रा), सनेह (70 किग्रा) और ललफकमावी राल्ते (80 किग्रा)—ने कांस्य पदक हासिल किए।

अंशुल गिल का मेडल विवाद, अयोग्यता घोषित – 90+ किलोग्राम कैटेगरी में सेमीफाइनल जीतने के बावजूद भारतीय बॉक्सर अंशुल गिल को पदक से वंचित कर दिया गया। मुकाबले के बाद की एक हरकत पर उज्बेकिस्तान के कोच ने आपत्ति जताई और शिकायत के बाद अंशुल को अयोग्य घोषित कर दिया गया।

भारत का बढ़ता आत्मविश्वास, अगला लक्ष्य वर्ल्ड बॉक्सिंग कप – भारत ने इस टूर्नामेंट में 19 सदस्यीय दल उतारा था, जिसमें से कई मुक्केबाजों ने विश्व स्तरीय खिलाड़ियों को टक्कर दी। इससे पहले ब्राज़ील में हुई वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में भारत ने 1 गोल्ड सहित 6 मेडल जीते थे। अब भारतीय टीम जून के अंत में कज़ाखस्तान में होने वाले वर्ल्ड बॉक्सिंग कप के दूसरे चरण में भाग लेगी, जबकि फाइनल मुकाबले इस साल नई दिल्ली में आयोजित किए जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

हेनरिक क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास, इंस्टाग्राम पर दी जानकारी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने सोमवार को तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के ज़रिए यह जानकारी दी। क्लासेन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, यह मेरे लिए एक दुखद दिन है, क्योंकि मैं घोषणा कर रहा हूं कि मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से हटने का फैसला लिया है। यह फैसला लेना मेरे लिए आसान नहीं था, लेकिन मैंने अपने और अपने परिवार के भविष्य को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया है। उन्होंने कहा, अब मैं अपने परिवार के साथ ज़्यादा समय बिता सकूंगा और यही मेरे इस फैसले का मुख्य कारण है। 33 वर्षीय क्लासेन ने पिछले साल जनवरी में टेस्ट क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले लिया था, ताकि वह सफेद गेंद क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित कर सकें। उन्होंने अपने करियर में दक्षिण अफ्रीका के लिए 60 वनडे, 58 टी20 और 4 टेस्ट मैच खेले। क्लासेन ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच इसी साल मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में खेला था, जिसमें वे 7 गेंदों में केवल 3 रन बनाकर आउट हो गए थे। उस मैच में दक्षिण अफ्रीका को 50 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

आईपीएल 2025: स्लो ओवर रेट के चलते श्रेयस अय्यर और हार्दिक पंड्या पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के क्वालिफायर-2 मुकाबले में स्लो ओवर रेट के चलते पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर और मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर जुर्माना लगाया गया है। यह मैच नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद में खेला गया था। आईपीएल की आचार संहिता के तहत निर्धारित ओवर गति बनाए रखने में विफल रहने पर यह कार्रवाई की गई है। पंजाब किंग्स के लिए यह सीजन का दूसरा अपराध था, जिस कारण कप्तान श्रेयस अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं, प्लेइंग इलेवन के अन्य खिलाड़ियों और इम्पैक्ट प्लेयर पर या तो 6 लाख रुपये या उनके मैच फीस का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) का जुर्माना लगाया गया है। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस के लिए यह तीसरी बार था, जब टीम निर्धारित समय में ओवर पूरे करने में असफल रही। नतीजतन, कप्तान हार्दिक पंड्या पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। टीम के अन्य खिलाड़ियों और इम्पैक्ट प्लेयर पर या तो 12 लाख रुपये या उनके मैच फीस का 50 प्रतिशत (जो भी कम हो) का जुर्माना लगाया गया।

नॉर्वे चेस 2025: विश्व चैम्पियन गुकेश ने वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन को दी करारी शिकस्त

स्टावेंगर। नॉर्वे चेस 2025 के छठे राउंड में सभी बोर्डों पर जबरदस्त मुकाबले देखने को मिले। इस दिन का सबसे चर्चित मुकाबला विश्व चैम्पियन डी गुकेश और वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन के बीच हुआ। लंबे और कड़ी टक्कर वाले इस मैच में कार्लसन शुरुआत में बेहतर स्थिति में दिखे, लेकिन टाइम ट्रबल में उनकी एक बड़ी चूक ने गुकेश को मौका दिया और उन्होंने बढ़त लेकर शानदार जीत दर्ज की। बाकी के दो क्लासिकल मैच यी वेई बनाम अर्जुन एरिगैसी और फैबियानो कारुआना बनाम हिकारु नाकामुरा के बीच कड़ी टक्कर के बाद ड्रॉ पर समाप्त हुए। हालांकि, अर्जुन और कारुआना ने आर्मगेडन मुकाबलों में जीत दर्ज कर महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक हासिल किए। इन परिणामों के साथ कार्लसन और कारुआना अब टूर्नामेंट की संयुक्त बढ़त पर हैं। नॉर्वे चेस वुमन टूर्नामेंट में म्यूजिचुक और कोनेरू हंपी साझा लीड पर महिला टूर्नामेंट में भी कड़ी प्रतिस्पर्धा दिखी, जहां तीन क्लासिकल मैच ड्रॉ हुए और उसके बाद तीन आर्मगेडन गेम खेले गए। अन्ना म्यूजिचुक, वैशाली रमेशबाबू और वेनजुन जू ने आर्मगेडन में जीत हासिल की। टूर्नामेंट के इस चरण में म्यूजिचुक और कोनेरू हंपी अब संयुक्त लीड पर हैं, जो आने वाले राउंड्स में

ग्लेन मैक्सवेल ने वनडे क्रिकेट से लिया संन्यास, टी20 में जारी रखेंगे करियर

2023 वर्ल्ड कप में ऐतिहासिक दोहरा शतक जड़ने वाले मैक्सवेल ने कहा- अब टीम को भविष्य के लिए तैयार होने देना चाहिए

नई दिल्ली ,02 जून (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से तत्काल प्रभाव से संन्यास ले लिया है। हालांकि वे टी20 फॉर्मेट में उपलब्ध रहेंगे और 2026 में होने वाले अगले टी20 वर्ल्ड कप तक खेलते रहने की उम्मीद है।

36 वर्षीय मैक्सवेल ने यह ऐलान 'द फाइनल वर्ड पॉडकास्ट' में एक लंबे इंटरव्यू के दौरान किया। उन्होंने बताया कि 2022 में पैर टूटने के बाद वनडे क्रिकेट उनके शरीर पर भारी पड़ रहा था। इसी साल चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान भी उन्हें काफी थकान महसूस हुई।

अब अगली पीढ़ी को मौका देने का समय : मैक्सवेल – मैक्सवेल ने कहा, मुझे लगने लगा था कि मैं टीम को थोड़ा पीछे खींच रहा हूं। मैंने चयनकर्ता जॉर्ज बेली से बात की और कहा कि मैं 2027 वर्ल्ड कप तक नहीं खेल पाऊंगा। अब समय है कि मेरी जगह किसी और को तैयार किया जाए। उन्होंने आगे कहा, मैं कभी भी ऐसे नहीं खेलना चाहता था कि बस रिकॉर्ड या निजी संतोष के लिए टीम में बना रहूं। जब मुझे लगे कि मैं टीम के भविष्य का हिस्सा नहीं हूं, तब विदा लेना ही बेहतर है।

रिकॉर्ड्स भले ही सामान्य लगें, लेकिन स्ट्राइक रेट में सब पर भारी – मैक्सवेल ने 149 वनडे मैचों में 33.81 की औसत से 3990 रन बनाए और 77 विकेट लिए। हालांकि उनकी सबसे बड़ी खासियत थी उनका विस्फोटक अंदाज – 126.70 का स्ट्राइक रेट, जो एंड्रे रसेल के बाद इतिहास का दूसरा सर्वश्रेष्ठ है। 2000 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में यह सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है।

2023 विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ 201* रन की पारी ने उन्हें अमर बना दिया। यह न केवल ऑस्ट्रेलिया की ओर से पहला दोहरा शतक था, बल्कि किसी भी बल्लेबाज द्वारा रन चेज़ में बनाया गया पहला दोहरा शतक भी था – और वो भी नंबर 6 पर आकर, जब ऑस्ट्रेलिया 91/7 के संकट में था।

करियर की कुछ और शानदार पारियां

- 2023 वर्ल्ड कप में नीदरलैंड्स के खिलाफ मात्र 40 गेंदों में शतक – वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे तेज़ शतक।
- 2015 वर्ल्ड कप में श्रीलंका के खिलाफ 51 गेंदों में शतक – वर्ल्ड कप का चौथा सबसे तेज़ शतक।
- 2020 इंग्लैंड दौरा – मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ 73/5 से पीछा करते हुए एलेक्स कैरी के साथ 212 रनों की साझेदारी कर मैच जिताया।
- 2015 वर्ल्ड कप क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 44 रन और दो विकेट।
- 2023 वर्ल्ड कप फाइनल में रोहित शर्मा का अहम विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की जीत की नींव रखी।
- 2014 पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अंतिम ओवर में डबल विकेट मेडन कर सिर्फ दो रन डिफेंड किए।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट ने जताया आभार – ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, ग्लेन वनडे इतिहास के सबसे डाइनामिक खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उनका बैटिंग टैलेंट, गेंदबाज़ी में योगदान और फील्डिंग में ऊर्जा अतुलनीय रही है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, ग्लेन की विस्फोटक बल्लेबाज़ी ने दुनिया भर के दर्शकों का दिल जीता। कई बच्चों ने उन्हें देखकर बल्ला उठाया। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट उनके योगदान के लिए हमेशा आभारी रहेगा।

अब टी20 में नजरें और यूएसए की लीग पर फोकस – मैक्सवेल फिलहाल आईपीएल में चोटिल होकर बाहर हुए थे, लेकिन जल्द ही अमेरिका में होने वाली मेजर लीग क्रिकेट के लिए फिट हो सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम भी जुलाई में कैरेबियाई दौरे पर जाएगी, जिसमें उनके शामिल होने की संभावना है।

सिंगापुर बैडमिंटन ओपन में थाईलैंड की धाक, एकल और मिश्रित युगल में जीता स्वर्ण

सिंगापुर। सिंगापुर बैडमिंटन ओपन में रविवार को थाईलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। पुरुष एकल में कुनलावुत विटिडसर्न ने दमदार जीत दर्ज की, जबकि देचापोल पुआवरानुकोह और सुपिस्सरा पावसंप्रान की जोड़ी ने मिश्रित युगल वर्ग में खिताबी मुकाबला जीता। पुरुष एकल फाइनल में कुनलावुत ने चीन के लू गुआंगजु को महज 37 मिनट में 21-6, 21-10 से हराकर चौंकाया। यह इस सीजन में उनका चौथा खिताब है। इस जीत के साथ वे आगामी विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की रैंकिंग में विश्व नंबर-1 बन जाएंगे और वर्ष 2000 के बाद जन्मे पहले पुरुष खिलाड़ी बनेंगे जो यह उपलब्धि हासिल करेंगे। इससे पहले थाईलैंड की मिश्रित युगल जोड़ी देचापोल और सुपिस्सरा ने हांगकांग की टीम टांग चुन मैन और त्से यिंग सुएत को सीधे सेटों में 2-0 से हराकर खिताब जीता। दोनों ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन तालमेल दिखाया और फाइनल में भी दबदबा बनाए रखा। महिला एकल में चीन की चेन युफेई ने अपने ही देश की वांग झीयी को सीधे सेटों में पराजित करते हुए खिताब पर कब्जा जमाया। यह सीजन का उनका चौथा खिताब है। महिला युगल में दक्षिण कोरिया की किम ह्ये-जिओंग और कोंग ही-योंग की जोड़ी ने जापान की रिन इवानागा और कीए नाकानिशी को 21-16, 21-14 से हराकर खिताब जीता। जबकि पुरुष युगल में मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक ने कड़े मुकाबले में कोरिया की जोड़ी किम वोन-हो और सिओ सेउंग-जे को 15-21, 21-18, 21-19 से मात दी।

माउसली और होल्डन ने जड़े शतक, इंग्लैंड लायंस ने 7 विकेट पर बनाए 527 रन

इंडिया ए के स्कोर से अब केवल 30 रन पीछे इंग्लैंड लायंस की टीम

नई दिल्ली ,02 जून (एजेंसियां) ।

कैंटरबरी टेस्ट का तीसरा दिन इंग्लैंड लायंस के बल्लेबाज़ों के नाम रहा, जब डैन माउसली (113) और मैक्स होल्डन (101) ने शतक लगाते हुए इंडिया ए की पहली पारी की बढ़त को तेजी से कम किया। इससे पहले टॉम हेन्स पहले ही 175 रन की शानदार पारी खेल चुके थे। हालांकि दिन का अंत करुण नायर की गेंद पर माउसली के एलबीडब्ल्यू आउट होने के साथ हुआ। इंग्लैंड लायंस ने रविवार को तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 527/7 रन बना लिए हैं और अब वे इंडिया ए से सिर्फ 30 रन पीछे हैं।

होल्डन और हेन्स की दमदार शुरुआत

सुबह के सत्र में टॉम हेन्स और मैक्स होल्डन ने कुछ ओवरों तक विकेट की परख की लेकिन फिर होल्डन ने लगातार दो चौकों के साथ रनगति तेज कर दी। होल्डन पहले घंटे में अधिक आक्रामक रहे और हार्षित राणा की गेंदबाज़ी पर खासतौर से हावी दिखे। उन्होंने महज 99 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। वहीं हेन्स ने भी शार्दुल ठाकुर की गेंदों को ऑफ साइड में दो बार बाउंड्री तक पहुंचाया।

मुकेश कुमार की वापसी से इंडिया ए को राहत

मैक्स होल्डन को मुकेश कुमार ने विकेट के पीछे कैच आउट करवाकर 281 रनों की साझेदारी तोड़ी। इसके बाद उन्होंने जेम्स रिउ को भी एलबीडब्ल्यू आउट कर पवेलियन भेजा। रहान अहमद को ऊपर भेजने का फैसला भी कारगर नहीं रहा क्योंकि मुकेश ने उन्हें भी जल्दी निपटा दिया और शानदार स्पेल में तीन विकेट झटके।

माउसली की संयमित शतकीय पारी

इसके बाद डैन माउसली ने आक्रमण का संकेत हर्ष दुबे की गेंद पर छक्का जड़कर दिया। हेन्स और माउसली ने मिलकर स्कोर को 400 के पार पहुंचाया। हेन्स ने क्लासिकल बल्लेबाज़ी करते हुए 150 रन पूरे किए, लेकिन फिर शार्दुल ठाकुर ने उन्हें सरफराज के हाथों कैच करवा दिया।

अख्तर और माउसली की उपयोगी साझेदारी

छह विकेट गिरने के बाद ज़मान अख्तर ने माउसली का अच्छा साथ निभाया। अख्तर ने शुरुआत में रक्षात्मक बल्लेबाज़ी की और बाद में दुबे की गेंद पर छक्का जड़ा। दोनों बल्लेबाज़ों ने तेजी से रन बटोरे और 50 रन की साझेदारी पूरी की। माउसली ने मुकेश कुमार की गेंद पर चौका मारते हुए अपना शतक पूरा किया। हालांकि दिन की अंतिम गेंद पर करुण नायर ने उन्हें आउट कर इंडिया ए को राहत दी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ममता सरकार ने ...

इसमें कामाख्या मंदिर पर दिए उसके घृणित पोस्ट को आधार बनाया गया है। वजाहत खान के खिलाफ बंगाल पुलिस ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

उधर, शर्मिष्ठा पनोली को डच सांसद गीर्ट विल्डर्स ने अपना समर्थन दिया है और उनकी गिरफ्तारी को अभिव्यक्ति की आजादी पर धब्बा बताया है। उन्होंने भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा के मामले में भी खुला समर्थन दिया था। नीदरलैंड के सांसद गीर्ट विल्डर्स ने शर्मिष्ठा के समर्थन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप करने की अपील की है और शर्मिष्ठा के अधिकारों की रक्षा करने की प्रार्थना की है। वाइल्डर्स ने कहा है, शर्मिष्ठा को गिरफ्तार करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर धब्बा है। वाइल्डर्स ने 2022 में भी भाजपा की नूपुर शर्मा का समर्थन किया था। उन्होंने कश्मीर के रियासी में हिंदुओं पर हुए हमले के विरोध में भी पक्ष लिया था।

शर्मिष्ठा पर जिस मुस्लिम संगठन ने करवाई एफआईआर, उसके पाकिस्तानी लिंक पाए गए हैं। उस संगठन का कराची में भी ऑफिस है, इसकी पुष्टि हुई है। स्काई फाउंडेशन नामक संगठन के सदस्यों ने कोलकाता में शर्मिष्ठा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई और उनकी गिरफ्तारी की मांग की। फाउंडेशन के सदस्यों ने यह भी धमकी दी थी कि अगर पुलिस शर्मिष्ठा के खिलाफ कार्रवाई नहीं करती है तो वे कानून अपने हाथ में ले लेंगे और उन्हें मार डालेंगे। स्काई फाउंडेशन के लोगों ने शर्मिष्ठा के गिरफ्तार होने के बाद कोर्ट परिसर में ही जश्न मनाया।

आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की है और उन्हें तत्काल रिहा करने की मांग की है। यहां तक कि कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने भी शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी की निंदा की है। बार काउंसिल के चेयरमैन एवं राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा ने भी इस गिरफ्तारी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा-सीधा हमला बताया है। मनन मिश्रा ने ममता सरकार की इस कार्रवाई को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए शर्मिष्ठा को तत्काल रिहा किए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा, मैं शर्मिष्ठा पनोली के साथ मजबूती से खड़ा हूं। शर्मिष्ठा की हिम्मत ने पश्चिम बंगाल सरकार के पाखंड को पूरे देश के सामने उजागर कर दिया है। पश्चिम बंगाल सरकार ने मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति की इंतिहा कर रखी है। ममता सरकार की सभी कार्रवाई मुस्लिम तुष्टिकरण के ही दायरे में होती है।

बार काउंसिल प्रमुख ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल सरकार के इशारे पर वहां की पुलिस लगातार हिंदुओं को निशाना बना रही है। जबकि टीएमसी से जुड़े लोगों द्वारा अपराध किए जाने पर पुलिस चुप्पी साध लेती है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में मरीचझापी नरसंहार, नंदीग्राम हिंसा, राजनीतिक हत्याएं और हाल ही में मुर्शिदाबाद सांप्रदायिक हिंसा में कथित तौर पर राज्य सरकार की मिलीभगत की तरफ भी इशारा किया।

आतंकवाद के...

की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा है। दिल्ली के पालम स्थित एयर फोर्स स्टेशन पर राष्ट्रपति पेना को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उनके साथ मंत्रियों, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और व्यापार से जुड़े प्रतिनिधियों वाला एक हाई-लेवल डेलिगेशन भी आया है।

पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस के साथ हुई द्विपक्षीय बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हमारे पास आर्थिक सहयोग सहित डिजिटल प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य, रक्षा, रेलवे और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसर हैं। इसके अलावा भारत और पराग्वे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। साइबर अपराध, संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी जैसी आम चुनौतियों से लड़ने के लिए सहयोग की अपार संभावनाएं हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत और पराग्वे ग्लोबल साउथ का अभिन्न अंग हैं। हमारी आशाएं, आकांक्षाएं और चुनौतियां में समानता है, इसलिए हम एक-दूसरे के अनुभवों से सीखकर इन चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपट सकते हैं। हमें संतोष है कि कोरोना महामारी के दौरान हम भारत में बनी वैक्सीन को पराग्वे के लोगों के साथ साझा करने में सक्षम थे। पीएम मोदी ने कहा, मुझे विश्वास है कि आपकी यात्रा से आपसी संबंधों के विश्वास, व्यापार और करीबी सहयोग के स्तंभों को नई मजबूती मिलेगी। यह भारत-लैटिन अमेरिका संबंधों को भी नए आयाम प्रदान करेगी।

पराग्वे के राष्ट्रपति का यह दौरा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रहा है, जिसमें दिल्ली और मुंबई में प्रमुख कार्यक्रम शामिल हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी अतिथियों से मुलाकात की। राष्ट्रपति पेना ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ भारत और पराग्वे के बीच संबंधों के हर पहलू पर विस्तार से बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने उनके सम्मान में दोपहर के भोजन का भी आयोजन किया। बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा, आपकी भारत यात्रा ऐतिहासिक है। यह आपसी संबंधों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।पराग्वे के राष्ट्रपति की यह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है। ऐसा केवल दूसरी बार हुआ है, जब पराग्वे के राष्ट्राध्यक्ष ने भारत का दौरा किया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि भारत और पराग्वे ने 13 सितंबर 1961 को कूटनीतिक संबंध स्थापित किए, जिससे दोनों देशों के बीच मधुर और मैत्रीपूर्ण रिश्ते विकसित हुए। तब से दोनों देशों ने व्यापार, कृषि, स्वास्थ्य, फार्मास्यूटिकल्स और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग विकसित किया है। विदेश मंत्रालय ने लैटिन अमेरिका में एक ट्रेडिंग पार्टनर के रूप में पराग्वे के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला। ऑटोमोबाइल और फार्मास्यूटिकल सेक्टर में भारतीय कंपनियों ने पहले ही पराग्वे में अपनी उपस्थिति दर्ज कर ली है, जबकि पराग्वे की कंपनियां, बड़े पैमाने पर जॉइंट वेंचर्स के जरिए भारत में काम करती हैं, जिससे मजबूत आर्थिक संबंधों में योगदान मिलता है। दोनों देश संयुक्त राष्ट्र सुधार, जलवायु परिवर्तन, रिन्यूबल एनर्जी और आतंकवाद से निपटने के साथ विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर समान विचार साझा करते हैं।

मुंबई की अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति पेना राज्य के पॉलिटिकल लीडर्स, इंडस्ट्री शेयरहोल्डर्स, स्टार्टअप, इनोवेटर्स और टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स के साथ बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रपति पेना की राजकीय यात्रा दोनों देशों को द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा करने के साथ-साथ आपसी हितों के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी। राष्ट्रपति पेना 4 जून को पराग्वे वापस लौटेंगे।

पुश-बैक...

पीठ ने फिर कहा कि गौहाटी उच्च न्यायालय जाएं। हेगड़े ने कहा कि हम हाईकोर्ट का रुख करने के लिए याचिका वापस ले लेंगे। पीठ ने उन्हें याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी।असम सरकार द्वारा 69 लोगों को बांग्लादेश वापस भेजे जाने की कार्रवाई के खिलाफ यह याचिका दाखिल की गई थी। इसमें घुसपैठियों की तरफ से कपिल सिब्बल जैसे कई बड़े-बड़े वकील प्रस्तुत हुए थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को गुवाहाटी हाईकोर्ट में ले जाने का निर्देश देते हुए कहा कि याचिकाकर्ता वहां अपनी बात रख सकते हैं। कोर्ट ने इस मामले में हस्तक्षेप करने से मना कर दिया। याचिकाकर्ताओं को अब हाईकोर्ट में अपनी मांग रखनी होगी।

घुसपैठियों ...

कोई भी घोषित विदेशी हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकता है। यदि किसी ने अपील नहीं की है, तो भारत में रहने का उसका अधिकार समाप्त हो जाता है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका द्वारा किसी ट्रिब्यूनल आदेश पर स्टे दिया गया हो, तो सरकार उसका सम्मान कर रही है और ऐसे लोगों को रहने दिया गया है। उन्होंने कहा, अवैध प्रवासियों के दो वर्ग हैं, एक वो जो हाल ही में भारत में घुसे हैं, और दूसरे जिन्हें ट्रिब्यूनल द्वारा विदेशी घोषित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी में आदेश दिया था कि घोषित विदेशियों को, जिन्होंने कोई अपील नहीं की है, किसी भी तरह से उन्हें वापस भेजा जाए। सिर्फ कल ही, 35 बांग्लादेशी जो कुछ दिन पहले ही सीमा पार कर भारत में घुसे थे, मेघालय सीमा पर सिलचर के पास पकड़े गए और उन्हें तुरंत वापस भेज दिया गया। पुश-बैक कार्रवाई के बाद असम पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने अवैध घुसपैठ रोकने के लिए सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है। हाल ही में जलालपुर में स्थानीय लोगों ने रात के अंधेरे में कई ऑटो-रिक्शा में यात्रा कर रहे 30 से अधिक संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को रोका, जिनके पास वैध भारतीय दस्तावेज नहीं थे। प्रारंभिक जांच से पता चला कि ये लोग भारत में दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम कर रहे थे और असम में चल रहे इस अभियान के डर से बांग्लादेश लौटने की कोशिश कर रहे थे।

खुद ही लौटने ...

उन्हें खाना और जरूरत पड़ने पर बांग्लादेशी मुद्रा दी जाती है और कुछ घंटे की हिरासत के बाद उन्हें बॉर्डर पार भेज दिया जाता है।हालांकि कुछ लोगों को लगता है कि सिर्फ भाजपा-शासित राज्यों को इस ऑपरेशन के लिए चुना गया है, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि ऐसा नहीं है। मेघालय में तो भाजपा का प्रभाव बहुत सीमित है। असल वजह यह है कि पश्चिम बंगाल जैसी जगहों पर सीमा गांवों या घरों के बीच से गुजरती है, जहां पारिवारिक रिश्ते होते हैं, और इस वजह से कानून व्यवस्था का खतरा अधिक होता है। इसलिए वहाँ कार्रवाई करने में कठिनाई होती है।

अब तक करीब 2000 लोग स्वेच्छा से बॉर्डर पर लौटने के लिए पहुंचे हैं। मीडिया में इस ऑपरेशन की खबरें आने के बाद बांग्लादेशी नागरिकों में डर का माहौल है और वे गिरफ्तारी से बचने के लिए खुद ही वापस लौट रहे हैं। ज्यादातर लोग मजदूरी करने आए गरीब नागरिक हैं जिनके पास कानूनी लड़ाई लड़ने की ताकत नहीं है। उन्हें पता है कि पकड़े जाने पर डिटेंशन सेंटर या जेल जाना पड़ेगा, इसलिए वे अपने परिवारों के पास लौटने को तैयार हो जाते हैं। जिन्हें पकड़कर सीमा तक ले जाया जाता है, वे वहां से अपने बांग्लादेशी रिश्तेदारों को फोन करते हैं, जो उन्हें लेने आ जाते हैं। अधिकांश मामलों में इन लोगों को भारत में रहने की कोई कानूनी अनुमति नहीं है और वे बिना विरोध के देश छोड़ने को तैयार हो जाते हैं।अधिकारियों को उम्मीद है कि जब यह संख्या 10,000 या 20,000 हफ्ते तक पहुंचेगी, तो बांग्लादेश सरकार में असहजता बढ़ सकती है। एक अधिकारी ने कहा कि यह एक अस्थायी समाधान है। इससे पहले भी ऐसे अभियान छोटे स्तर पर किए जा चुके हैं, लेकिन कई बार ये लोग दोबारा लौट आते हैं जब सुरक्षा जांच ढीली हो जाती है। इसीलिए सरकार अब इन लोगों की बायोमेट्रिक जानकारी लेने पर ज़ोर दे रही है ताकि इन्हें दोबारा देश में घुसने से रोका जा सके। सरकार की योजना है कि इन सभी अवैध नागरिकों की पहचान को राष्ट्रीय डेटाबेस से जोड़ा जाए ताकि भविष्य में निगरानी आसान हो सके। इस अभियान में बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड (बीजीबी) भी भारत के साथ सहयोग कर रहे हैं, जिससे ऑपरेशन फिलहाल शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ रहा है।

दिल्ली पुलिस के...

लोधी रोड स्थित दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के ऑफिस से करोड़ों रुपए गायब हो गए। दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल खुर्शीद पर चोरी का संदेह है। पुलिस ने दावा किया है कि 50 लाख रुपए नकद और बड़ी मात्रा में सोना बरामद किया गया है। लेकिन पुलिस यह नहीं बता रही कि कितने करोड़ रुपए और कितना सोना गायब हुआ है। पुलिस ने इतना ही कहा कि आरोपी हेड कांस्टेबल खुर्शीद को पहले स्पेशल सेल के गोदाम में तैनात किया गया था, बाद में उसकी पोस्टिंग ईस्ट दिल्ली जिले में कर दी गई थी।दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद कुशवाहा ने बताया कि हेड कांस्टेबल स्पेशल सेल में ही तैनात था और 25 मई को उसे दिल्ली पुलिस के पूर्व जिले के लिए रवाना किया गया था। इसने स्पेशल सेल के मालखाने में 30 और 31 मई की रात चोरी की। उन्होंने बताया कि वारदात का पता चलने के 6 घंटे के भीतर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने यह नहीं बताया कि स्पेशल सेल के ऑफिस में कितनी रकम और कितना सोना रखा था। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि इस संदेहास्पद चोरी में अकेले एक ही सिपाही शामिल था या यह घटना किसी सुनियोजित षडयंत्र का हिस्सा है।

आज से खुल रहे हैं बाबा अमरनाथ के पट

जानिए कैसे पहुंचे बाबा बर्फानी की गुफा

बाबा बर्फानी के दर्शन का इंतजार कर रहे लाखों शिवभक्तों के लिए अच्छी खबर है। अमरनाथ धाम की वार्षिक यात्रा 2025 की शुरुआत 3 जुलाई से हो रही है। इस साल 38 दिनों तक चलने वाली यह यात्रा 9 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा (रक्षाबंधन) के पावन दिन समाप्त होगी। गुफा में स्वयंभू शिवलिंग के दर्शन करने का गहरा आध्यात्मिक अनुभव है, जो हर शिवभक्त जीवन में एक बार जरूर लेना चाहता है। इस यात्रा का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि भगवान शिव ने माता पार्वती को यही गुफा में अमर कथा सुनाई थी।

मोक्ष का मिलता है मार्ग

इस यात्रा के दौरान भक्तों को गुफा में कबूतरों का जोड़ा दिखाई देता है। कहते हैं कि जब माता पार्वती को भोलेनाथ अमरकथा सुना रहे थे, उस समय कबूतर के एक जोड़े ने यह कथा सुन ली और वे अमर हो गए। इस वजह से जो भी व्यक्ति इस पवित्र स्थल के दर्शन करता है, कहते हैं कि वह मोक्ष पाता है।

मनोकामनाएं होती हैं पूरी

मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए भी कई भक्त अमरनाथ की पुण्य प्रदान करने वाली यात्रा करते हैं। मान्यता है कि बाबा बर्फानी की गुफा में मांगी गई इच्छा जरूर पूरी होती है। सच्चे मन से यहां जो भी इच्छा मांगी जाती है, वह भोलेनाथ की कृपा से पूरी होती है।

अमरनाथ कैसे पहुंचे?

अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले हवाई, बस या रेल मार्ग से जम्मू-कश्मीर पहुंच सकते हैं। वहां से कैब लेकर बालटाल बेस कैंप या पहलगाम बेस कैंप जाना होगा। बेस कैंप से सुबह यात्रा की शुरूआत कर सकते हैं। अमरनाथ पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी हवाई अड्डा श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। इसके अलावा श्रीनगर एयरपोर्ट से अमरनाथ बेस कैंप (पहलगाम या बालटाल) तक सड़क मार्ग से पहुंच सकते हैं।

सड़क और रेल सुविधा

जम्मू के लिए देश के कई प्रमुख शहरों से बसें चलती हैं। जम्मू से पहलगाम या बालटाल पहुंचने के लिए सिटी बस या टैक्सी लेनी होगी। वहीं, रेल से अमरनाथ की यात्रा पर जाने के लिए सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन जम्मू तवी है। इसके बाद सड़क मार्ग का उपयोग कर बेस कैंप तक पहुंच सकते हैं। यहां हैलीकॉप्टर की सुविधा भी मिलती है।

राशि अनुसार चौथे बड़े मंगल पर करें इन चीजों का दान, मिलेगी श्रीराम की कृपा

वैदिक पंचांग के अनुसार, मंगलवार 03 जून को ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि है। साथ ही ज्येष्ठ माह का चौथा मंगल है। इस शुभ अवसर पर देवी मां दुर्गा और राम परिवार संग हनुमान जी की भक्ति भाव से पूजा की जाएगी। साथ ही मंगलवार और अष्टमी का व्रत रखा जाएगा। इस व्रत को करने से व्यक्ति को अक्षय फल मिलता है।

ज्योतिषियों की मानें तो ज्येष्ठ माह के चौथे मंगलवार पर हर्षण योग का संयोग बन रहा है। इसके साथ ही पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र का निर्माण हो रहा है। इन योग में हनुमान जी की पूजा एवं दान करने की हर मनोकामना पूरी होगी। अगर भी हनुमान जी को प्रसन्न करना चा हैं, तो बड़े मंगल पर पूजा के बा इन चीजों का दान करें।

राशि अनुसार दान

मेष राशि के जातक चौथे बड़े मंगल पर पूजा के बाद सेब औ शकरकंद का दान करें।

वृषभ राशि के जातक मंगलव दिन पूजा के बाद चावल और दान करें।

मिथुन राशि के जातक बड़े मंगल पर पूजा के बाद हरी सब्जियों और फलों का दान करें।

कर्क राशि के जातक मंगलवार के दिन पूजा के बाद आटा और चीनी का दान करें।

सिंह राशि वाले राम भक्त हनुमान जी की कृपा पाने के लिए पूजा के बाद गेहूं का दान करें।

कन्या राशि के जातक राम जी को प्रसन्न करने के लिए ौशाला का धन का दान करें।

तुला राशि के जातक बड़े गलवार के दिन दूध, दही, चीनी ौर पोहा का दान करें।

श्चिक राशि के जातक हनुमान जी पा पाने के लिए लाल रंग के दान करें।

क ज्येष्ठ मंगलवार पर पूजा करने के बाद पीले कपड़े का दान करें।

मकर राशि के जातक मासिक दुर्गा अष्टमी के दिन जूते और चप्पल का दान करें।

कुंभ राशि के जातक बड़े मंगल पर पूजा के बाद छाता और काले तिल का दान करें।

मीन राशि के जातक मंगलवार के दिन पूजा के बाद बेसन और पीले फल का दान करें।

मधुमेह ठीक करने के लिए वेन्नी करुम्बेश्वर मंदिर में लगती है भीड़

भारत में मधुमेह एक महामारी के रूप में उभरी है। देश में 18 साल के ज्यादा उम्र के 7.7 करोड़ से ज्यादा लोग डायबिटीज के शिकार बन चुके हैं। साल 2022 में लैंसेट द्वारा किए गए एक अध्ययन में बताया गया कि दुनिया भर में मधुमेह मरीजों की संख्या 21.2 करोड़ से ज्यादा है। इसमें से 62% का इलाज नहीं हो पाया है।

इस लिहाज से भारत अगर डायबिटीज की कैपिटल कहें, तो यह गलत नहीं होगा। सबसे गंभीर बात यह है कि इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है। इसे बस खान-पान की आदतों को सुधार कर कंट्रोल किया जा सकता है। मगर, इससे पूरी तरह से छुटकारा पाना आसान नहीं है।

इन सब के बीच भारत में एक ऐसा मंदिर चर्चा में हैं, जहां डायबिटीज की बीमारी खत्म हो जाती है। तमिलनाडु राज्य को तिरुवरुर के पास स्थित वेन्नी करुम्बेश्वर मंदिर में इसी विश्वास के साथ हजारों की संख्या में भक्त इस लाइलाज बीमारी से छुटकारा पाने की आस में देशभर से पहुंचते हैं।

स्थानीय लोगों बुलाते हैं शुगर मंदिर

यही वजह है कि स्थानीय लोग इस मंदिर को शुगर मंदिर के नाम से भी बुलाते हैं। यहां प्रसाद भी बड़ा ही अन-ोखा चढ़ाया जाता है। शुगर के मरीज यहां प्रसाद के रूप में शक्कर चढ़ाते हैं। लोगों की मान्यता है कि ऐसा करने से उनकी बीमारी हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी।

प्रसाद में चढ़ाते हैं शक्कर

शिव जी को समर्पित है यह मंदिर

वेन्नी करुम्बेश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। भक्तों का मानना है कि इस मंदिर में शक्कर चढ़ाने और शुगर लेवल कंट्रोल हो जाता है। कुछ लोगों का दावा है कि इस मंदिर में आने के बाद उनकी शुगर पूरी तरह से खत्म हो गई। इसी वजह से इस मंदिर में डायबिटीज से मरीजों की लंबी लाइन लगी रहती है।

कैसे पहुंचा जाए वेन्नी करुम्बेश्वर मंदिर

वेन्नी करुम्बेश्वर मंदिर तमिलनाडु के तिरुवरुर जिले में स्थित है। यहां रेलवे स्टेशन भी है, जहां पहुंचने के बाद बस या टैक्सी से मंदिर पहुंचा जा सकता है। तमिलनाडु राज्य सड़क परिवहन निगम की बस या टैक्सी से भी यहां पहुंचा जा सकता है। सबसे नजदीकी एयरपोर्ट 100 किमी दूर स्थित तिरुचिरापल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है।

कुंडली में ग्रह कमजोर होने पर आदतों में होता है बदलाव

जन्म कुंडली में ग्रहों की स्थिति के अनुसार ही हमें शुभ-अशुभ परिणाम मिलते हैं। यदि कुंडली में ग्रह बलवान हों, मजबूत स्थिति में बैठे हों अथवा शुभ ग्रहों से दृष्ट हों तो ऐसे में जातकों को अच्छे फल प्राप्त होते हैं। जबकि इसके विपरीत यदि अशुभ अवस्था में हों, किसी शत्रु ग्रह से पीड़ित हों तो जातकों को उसके बुरे फल भी प्राप्त होते हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि कुंडली में ग्रह कमजोर होते हैं तो हमें उसके किसी न किसी रूप में संकेत मिलने लगते हैं। ऐसे में हमें उन संकेतों को समझकर उस ग्रह से संबंधित उपाय करने चाहिए। आइए जानते हैं कुंडली में जब ग्रह कमजोर होते हैं तो क्या संकेत मिलते हैं, किस तरह से ये हमारी आदतों को प्रभावित करते हैं।

अचानक से सिर में होती है खुजली

अगर आपकी कुंडली में केतु ग्रह कमजोर है तो आप में अचानक से सिर खुजलाने की आदत होने लगती है। इसके अलावा इस ग्रह के कमजोर होने से कुछ लोगों को सिर में खुजली की समस्या होने लगती है।

इसके लिए केतु ग्रह की शांति के लिए उपाय करने चाहिए। उपाय के तहत किसी अच्छे ज्योतिषी की सलाह से नौ मुखी रुद्राक्ष, अश्वगंधा की जड़ी या फिर लहसुनिया रत्न धारण करना चाहिए।

बार-बार लगती है भूख

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि शनि और बुध ग्रह के अशुभ योग के कारण व्यक्ति को अचानक से बार-बार खाने की आदत पड़ जाती है। ऐसा होने पर आपको पहले तो अपनी आदत को छोड़ना चाहिए। उसके बाद बुध और शनि ग्रह की शांति के लिए उपाय करने के चाहिए। बुध ग्रह के लिए आप बुधवार के दिन हरे वस्त्र धारण करें। वहीं शनिवार के दिन काला वस्त्र पहनें।

बीच में होती है टोकने की आदत

चंद्रमा के पीड़ित होने पर व्यक्ति दो लोगों के बीच कोई बात चल रही होती है तो उन्हें हस्तक्षेप करते हुए अपनी बातें कहने लगता है। ये बुरी होती है, जिसे तुरंत दूर करना चाहिए। चंद्रमा की शांति के लिए सोमवार को शिवजी की आराधना करें।

यादाश्त हो जाती है कमजोर

ज्योतिषाचार्या ने बताया कि शुक्र ग्रह के अशुभ होने के कारण व्यक्ति की यादाश्त क्षमता कमजोर हो जाती है। वह बार-बार चीज़ों को भूलने लग जाता है। शुक्र ग्रह की शांति के लिए शुक्रवार के दिन गुलाबी रंगों का प्रयोग करें। अरंड मूल या छह मुखी रुद्राक्ष धारण करें। हीरा रत्न को धारण करने से भी कुंडली में शुक्र ग्रह मजबूत होता है।

बात-बात पर गुस्सा आने लगे तो

मंगल ग्रह क्रोध का परिचायक है। कुंडली यदि मंगल कमजोर है तो आपको अधिक गुस्सा आएगा। बात-बात पर गुस्सा होने के कारण आपका झगड़ा भी संभव है। इसलिए इस मंगल ग्रह की शांति के लिए मंगलवार को हनुमान जी की आराधना करना चाहिए।

सपने में लड़ाई देखने का क्या मतलब होता है, वास्तविक जीवन से जुड़ा है नाता

स्वप्न शास्त्र के मुताबिक व्यक्ति के कुछ सपने उसे जीवन में घटने वाली कुछ शुभ घटनाओं का संकेत देते हैं, तो वहीं कुछ सपने अशुभ भी माने जाते हैं। कभी-कभी हम बहुत ही अजीबोगरीब सपने देखते हैं, जिनका अर्थ समझना मुश्किल होता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि सपने में लड़ाई-झगड़े देखने का क्या अर्थ हो सकता है।

दोस्तों से लड़ाई-झगड़ा

अगर आपने में सपने में खुद को किसी करीबी दोस्त से झगड़ते देखा जाता है, तो स्वप्न शास्त्र में इसका संबंध आपकी असल जिंदगी से माना जाता है। इसका अर्थ यह हो सकता है कि आपका दोस्त किसी परेशानी में है। या फिर इसका यह भी अर्थ माना जाता है कि आप दोनों के बीच किसी तरह का मतभेद हो सकता है। ऐसे में सावधानी बरतनी चाहिए।

पार्टनर से झगड़ते हुए देखना

अगर आप सपने में खुद को अपने पार्टनर से लड़ाई करते हुए देखते हैं, तो इसका संबंध रियल लाइफ से माना जाता है। इसके अर्थ हो सकता है कि आप अपने असल जीवन में भी रिश्ते में संघर्ष कर रहे हैं। साथ ही इस तरह का सपना पार्टनर के साथ मनमुटाव होने का भी संकेत देता है। ऐसे में आपको अपने पार्टनर से बैठकर बात करनी चाहिए।

मिल सकते हैं ये संकेत

अगर आप सपने में किसी से झगड़ते हुए नजर आते हैं, तो इसका अर्थ माना जाता है कि यह आपके अंदर कोई भावना दबी हुई है। वहीं अगर आप किसी दूसरे व्यक्ति को खुद पर गुस्सा करते हुए देखते हैं, स्वप्न शास्त्र में यह माना गया है कि आपके आसपास की परिस्थितियों में कुछ बदलाव आ सकता है। ऐसे में ध्यान देने की जरूरत है।

शुभ भी माना जाता है ये सपना

सपने में लड़ाई देखना धन और मान-सम्मान मिलने के प्रतीक के रूप में भी देखा जाता है। स्वप्न शास्त्र में माना गया है कि अगर सपने में आप खुद को लड़ते हुए देखते हैं, तो इससे आपको निकट भविष्य में धन लाभ हो सकता है। लेकिन कुछ मामलों में, सपने में लड़ाई देखना जीवन में चल रहे तनाव या संघर्ष की ओर भी इशारा करता है।

धन की कमी दूर करेंगे तुलसी के ये उपाय नकारात्मकता ऊर्जा से मिलेगा छुटकारा

वैदिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस शुभ तिथि पर धरती पर मां गंगा का अवतरण हुआ था। इसलिए हर साल इस तिथि पर गंगा दशहरा मनाया जाता है। इस दिन गंगा स्नान और दान करने का विशेष महत्व है। साथ ही मां गंगा की पूजा-अर्चना करनी चाहिए।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, गंगा दशहरा के दिन इन शुभ कामों को करने से साधक को सभी तरह के पापों से छुटकारा मितला है। साथ ही जीवन में शुभ परिणाम मिलते हैं। इस दिन तुलसी से जुड़े उपाय भी किए जाते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इन उपायों को करने से मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही घर में सुख-शांति बनी रहती है।

प्राप्त होगी मां लक्ष्मी की कृपा

अगर आप धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, तो गंगा दशहरा के दिन स्नान करने के बाद तुलसी के पौधे में गंगाजल चढ़ाएं और इसके बाद देसी घी का दीपक जलाकर आरती। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से साधक को मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही रुके हुए काम पूरे होते हैं।

दूर होगी नकारात्कता ऊर्जा

अगर आप घर में नेगेटिव एनर्जी का सामना कर रहे हैं, तो इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए गंगा दशहरा का दिन उत्तम माना जाता है। इस दिन पीतल के लोटे में गंगाजल लें और उसमें गंगाजल डाल दें। इस जल को घर के मुख्य द्वार पर छिड़क दें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय करने से नेगेटिव एनर्जी का नाश होता है और मां लक्ष्मी का आगमन होता है।

नहीं होगी धन की कमी

अगर आप जीवन में धन की कमी का सामना कर हैं, तो गंगा दशहरा के दिन तुलसी के पत्तियों को जल से साफ करें। इसके बाद पत्तियों को लाल कपड़े में बांधकर तिजोरी में रख दें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से धन से जुड़ी समस्या से छुटकारा मिलता है। साथ ही धन लाभ के योग बनते हैं।

12 जून से लगेगा आषाढ़, जानिए किस देवता को समर्पित है यह महिना और क्या करें?

नौतपा के बाद की भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए ज्येष्ठ के बाद अब आषाढ़ का महीना आने वाला है। इस महीने की शुरुआत 12 जून से होगी और 10 जुलाई को यह महीना खत्म होगा। इस महीने में कुछ पुण्य के काम करने का विधान है।

भीषण गर्मी के बाद बारिश की बूंदों के साथ प्रकृति को शांति देने वाला आषाढ़ का महीना इस साल 12 जून 2025 से शुरू हो रहा है। प्रकृति के पालक भगवान विष्णु को समर्पित इस महीने की शुक्ल पक्ष की एकादशी के दिन वह चार महीने की योग निद्रा में चले जाते हैं। इस साल यह एकादशी 6 जुलाई को पड़ेगी।

4 महीने नहीं होंगे मांगलिक काम

इसी वजह से इन चार महीनों में कोई मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। हालांकि, आषाढ़ और इसके बाद के महीने चातुर्मास के होने की वजह से ये धार्मिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। इन महीनों में अपने खान-पान में बदलाव लाने की जरूरत होती है।

धर्म और आध्यात्म की दृष्टि से बात करें, तो आषाढ़ में भगवान विष्णु की पूजा करने से मनोवांछित फल मिलते हैं। इस महीने में आत्मशुद्धि के लिए उपाय करने चाहिए। दान-पुण्य और तपस्या से व्यक्ति को अपने वर्तमान जीवन को ऊंचा उठाने का प्रयास करना चाहिए। यही कर्म उसके मोक्ष या अगले जन्म के पुण्य में बदलते हैं।

आषाढ़ माह में क्या करें

भजन-कीर्तन, धार्मिक अनुष्ठान और तपस्या करने का यह समय होता है।

इस पूरे माह भगवान विष्णु की विशेष पूजा-अर्चना करें।

देवशयनी एकादशी से पहले भगवान विष्णु की पूजा-पाठ, भागवत करें।

तुलसी के पौधे की नियमित पूजा करें, जल चढ़ाएं और दीपक जलाएं।

इस माह में जल दान करें, राहगीरों के लिए पानी के घड़े रखें या प्याऊ लगावाएं।

इस माह में जरूरतमंद लोगों को खाना-पीनी, वस्त्र और जल का दान करें।

हल्का भोजन करें। बासी खाने के साथ ही प्याज-लहसुन और मीट खाना छोड़ दें।

दो साल बाद बॉलीवुड में कमबैक पर नरगिस फाखरी ने कहा

ऐसा लग रहा है, जैसे कभी गई ही नहीं

बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी अपनी आने वाली फिल्म हाउसफुल 5 को लेकर चर्चाओं में हैं। वह इस फिल्म के जरिए दो साल बाद स्क्रीन पर वापसी कर रही हैं। इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि वह अपने कमबैक से काफी खुश हैं, उन्हें ऐसा लग रहा है, जैसे वह कभी पर्दे से दूर गई ही नहीं थीं। नरगिस ने रविवार को इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। ये तस्वीरें हाउसफुल 5 के ट्रेलर लॉन्च के दौरान किए गए फोटोशूट की हैं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, कमबैक... जैसे कभी गई ही नहीं थीं, अब पहले से भी ज्यादा ताकतवर और शानदार अंदाज में लौट आई हूं।

एक्ट्रेस को अब से पहले 2023 में रिलीज हुई अनुपम खेर-नीना गुप्ता अभिनीत 'शिव शास्त्री बलबोआ' में देखा गया था। इस फिल्म का निर्देशन अजय वेणुगोपालन ने किया था। उनकी आने वाली फिल्म हाउसफुल 5 की बात करें तो, 31 मई को फिल्म से नया गाना द फुगड़ी डांस रिलीज किया गया था। फिल्म से अभी तक चार गाने, जिसमें लाल परी, दिल ए नादान, कयामत और नया द फुगड़ी डांस शामिल हैं, रिलीज हो चुके हैं। फिल्म का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है, जो इससे पहले दोस्ताना जैसी हिट फिल्म बना चुके हैं।इस फिल्म की कहानी साजिद नाडियाडवाला ने लिखी है। वह फिल्म के निर्माता भी हैं। फिल्म में 19 कलाकारों की बड़ी स्टारकास्ट है, जिनका किरदार अपनी अलग मस्ती और अंदाज लेकर आएगा।फिल्म के स्टारकास्ट में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडिस, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे कलाकार हैं। 'हाउसफुल 5' 6 जून को दुनिया भर में रिलीज होगी।

नरगिस के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहचान 2011 में आई रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'रॉकस्टार' से बनाई, जिसमें उन्होंने रणबीर कपूर के साथ काम किया था। इस फिल्म में उनकी एक्टिंग को काफी सराहा गया। 2013 में उन्होंने राजनीतिक थ्रिलर फिल्म 'मद्रास कैफे' में एक वॉर रिपोर्टर का किरदार निभाया। इसके बाद वह 'मैं तेरा हीरो' और 'हाउसफुल 3' जैसी हिट कॉमेडी फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने न केवल बॉलीवुड में, बल्कि हॉलीवुड में भी अपनी पहचान बनाई। उन्होंने 2015 में हॉलीवुड की एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'स्पाई' में भी अहम भूमिका निभाई।

इंडो-यूके का पहला को-प्रोडक्शन फिल्म

देवी चौधुरानी 26 सितंबर को होगी रिलीज

भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत करते हुए, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सुभ्रजीत मित्रा की ऐतिहासिक महाकाव्य फिल्म देवी चौधुरानी 26 सितंबर, 2025 को रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म बंगाल के सबसे बड़े सांस्कृतिक उत्सव दुर्गा पूजा के साथ एक भव्य रिलीज के लिए तैयार है, जो इसके सांस्कृतिक महत्व को और बढ़ाएगी। प्रसेनजीत चटर्जी और श्राबंती चटर्जी अभिनीत, तथा पंडित बिक्रम घोष द्वारा संगीतबद्ध, यह फिल्म केवल एक ऐतिहासिक कहानी नहीं है, बल्कि यह भारतीय सिनेमा का पहला आधिकारिक इंडो-यूके को-प्रोडक्शन भी है। इसे भारत और यूनाइटेड किंगडम दोनों देशों की सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से मान्यता मिली है, जो वैश्विक फिल्म निर्माण में एक मील का पत्थर है।

एडिटेड मोशन पिक्चर्स (भारत/यूएसए) से अपर्णा और अनिरुद्ध दासगुप्ता, और लोक आर्ट्स कलेक्टिव (भारत/यूके) से सौम्यजीत मजूमदार द्वारा निर्मित यह फिल्म बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के प्रतिष्ठित उपन्यास पर आधारित है। हालांकि, इसे केवल उपन्यास तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि स्थानीय लोक कथाओं और औपनिवेशिक युग के ईस्ट इंडिया कंपनी के अभिलेखों के माध्यम से इसे फिर से तैयार किया गया है, जिससे कहानी में

गहराई और प्रामाणिकता आती है।

संन्यासी-फकीर विद्रोह की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म भारत की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी देवी चौधुरानी की अनकही कहानी को जीवंत करती है। उन्हें क्रांतिकारी भिक्षु भवानी पाठक (प्रोसेनजीत चटर्जी द्वारा चित्रित) द्वारा प्रशिक्षित और सलाह दी गई थी। साथ मिलकर, उन्होंने 18वीं सदी के बंगाल में एक गुप्त प्रतिरोध आंदोलन को प्रज्वलित किया, जिसने ब्रिटिश साम्राज्य, पितृसत्ता और दमन को चुनौती दी। निर्माताओं ने इस फिल्म को सिर्फ एक फिल्म लॉन्च नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन की लौ बताया है।

उन्होंने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि वे बंगाल की क्रांतिकारी विरासत को पुनः प्राप्त कर रहे हैं और इसे वैश्विक प्रतिध्वनि के लिए स्थापित कर रहे हैं। दुर्गा पूजा, जो दुनिया के सबसे बड़े सार्वजनिक कला उत्सवों में से एक है, को इस प्रतिरोध, लचीलापन और फिर से खोज के सिनेमाई उत्सव के लिए एक आदर्श मंच माना गया है। यह फिल्म एडिटेड-लोक कथा स्लेट की शुरुआत का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य विरासत में निहित, लेकिन सार्वभौमिक प्रभाव वाली साहसिक, निर्यात योग्य कहानियों को बताना है।

अपनी भूमिका पर विचार करते हुए, प्रोसेनजीत चटर्जी ने कहा, देवी चौधुरानी सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह हमारे भूले-बिसरे नायकों को फिर से याद करने का प्रयास है। उन्होंने भवानी पाठक की भूमिका को उस विद्रोह की भावना को मूर्त रूप देना बताया जो आज भी बंगाल के दिल में जलती है। इस फिल्म को आधिकारिक तौर पर वेव्स 2025 में भारत के संस्कृति मंत्रालय द्वारा पहली इंडो-यूके को-प्रोडक्शन फीचर के रूप में घोषित किया गया था, जहाँ यह अंतर्राष्ट्रीय प्रेस के सामने प्रदर्शित होने वाली एकमात्र भारतीय परियोजना थी।

इसे भारत के सूचना और प्रसारण मंत्रालय, एनएफडीसी, फिल्म सुविधा कार्यालय और इन्वेस्ट इंडिया का समर्थन प्राप्त है, साथ ही ब्रिटिश फिल्म संस्थान (बीएफआई) और यूके के संस्कृति, मीडिया और खेल विभाग (डीसीएमएस) का सह-निर्माण समर्थन भी मिला है। यूके स्थित स्टूडियो एचसी फिल्म्स और मोरिंगा स्टूडियो यूके भी सह-निर्माता के रूप में जुड़े हैं। 'देवी चौधुरानी' सिर्फ एक फिल्म रिलीज नहीं है, बल्कि यह विद्रोह और फिर से खोज का एक सिनेमाई उत्सव और एक सांस्कृतिक जागृति का वादा करती है। जैसे-जैसे दुर्गा पूजा 2025 करीब आ रही है, यह फिल्म उत्सव की सबसे शक्तिशाली पेशकशों में से एक होने का वादा करती है, जो बंगाल की मिट्टी में बसी एक कहानी को अब दुनिया भर में गूंजने के लिए तैयार है।

मनीषा कोइराला ने मणिरत्नम को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं, उनके योगदान को किया याद

मशहूर फिल्म निर्माता मणिरत्नम के जन्मदिन के अवसर पर अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने उनके प्रति दिल से आभार व्यक्त किया है। सिनेमा में अपने सफर को दशति हुए उन्होंने मणिरत्नम को अपने करियर की कुछ सबसे शानदार भूमिकाओं का श्रेय दिया, जो आज भी दर्शकों को पसंद आती हैं। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर उन्होंने एक फैन क्लब की पोस्ट को रीपोस्ट किया जिसमें निर्माता की फिल्मों से उनके दृश्यों का संकलन उनके साथ मनीषा की एक प्यारी सी तस्वीर है।

मनीषा ने एक फैन क्लब की पोस्ट को भी रीपोस्ट किया। जिसमें लिखा था, महान गुरु मणिरत्नम को जन्मदिन की शुभकामनाएं। आपके खास दिन पर, हम न केवल एक महान फिल्म निर्माता का जश्न मनाते हैं, बल्कि भावनाओं के बुनकर, आत्माओं के चित्रकार का भी जश्न मनाते हैं। आपकी कहानियां हमारे दिलों में उतर जाती हैं, आपके किरदार हमारे दिलों में जान फूंक देते हैं। हर फ्रेम के साथ आप सत्य की

फुसफुसाहट करते हैं जो अनंत काल तक गूंजती रहती है। आपका जन्मदिन आपके विजन की तरह जीवंत हो और आपकी कला दिलों को छूती रहे, दिमागों को प्रज्वलित करे और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करे।

फिल्म निर्माता और अभिनेत्री ने दो उल्लेखनीय फिल्मों में सहयोग किया 'बॉम्बे' (1995) और 'दिल से' (1998) मणिरत्नम ने 2 जून, 2025 को अपना 69वां जन्मदिन मनाया, जिस पर फिल्म जगत से उन्हें हार्दिक बधाईयां मिलीं। सबसे मार्मिक शुभकामनाएं उनके पुराने मित्र और सहयोगी अभिनेता कम हासन की ओर से आई है। अपनी कैं मोनोक्रोम तस्वीर शेयर करते हुए ने लिखा, जन्मदिन की शुभ मणिरत्नम। 'नायकन' से लेक लाइफ' तक हमने समय साथ-साथ यात्रा की सहकर्मियों, परिवार, साथ सपने देखने वालों औ सबसे बढ़कर, सिनेमा के आजीवन छात्रों के रूप में। हर अध्या के माध्यम

आपकी उपस्थिति शक्ति का स्रोत रही है। एक ऐसा दिमाग जिसकी ओर मैं संदेह के क्षणों में मुड़ता हूं और एक आत्मा जो कुछ अन्य लोगों की तरह फिल्म की भाषा से गहराई से जुड़ी हुई है। साउथ सुपरस्टार ने कहा, आपकी कहानियां सामने आती रहें, क्योंकि हर फ्रेम के साथ, आपकी दृष्टि सिनेमा में गहराई, सुंदरता और अर्थ लाती है। हमेशा के लिए आपका ..., कमल हासन।

मिस वर्ल्ड का मिशन सिर्फ तारीफ बटोरना नहीं, समाज में बदलाव लाना भी है : मानुषी छिल्लर

पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने खिताब जीतने से लेकर मिस वर्ल्ड मंच पर जज बनने तक के अपने शानदार सफर के बारे में बातचीत की। अभिनेत्री का मानना है कि मिस वर्ल्ड का मिशन सिर्फ तारीफ बटोरना नहीं है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाना भी है।अभिनेत्री ने बताया, 'ब्यूटी विद ए पर्पस' मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का मूल मंत्र है, यानी सिर्फ बाहरी सुंदरता नहीं, बल्कि एक बड़े मकसद के लिए काम करना। वह बताती हैं कि जब वह 20 साल की थीं, तब उन्होंने इस मंच पर हिस्सा लिया था। उनके पास एक सपना और एक प्रोजेक्ट था, जिसे उन्होंने वहां पेश किया। 'ब्यूटी विद ए पर्पस' ही मिस वर्ल्ड की आत्मा है। यहां जितने भी लोग आते हैं, उनकी आंखों में भी सपने होते हैं। प्रतियोगिता से जुड़ी बातों को शेयर करते हुए उन्होंने बताया, आज भी मुझे वो शब्द याद हैं कि 'क्या अंधेरे में एक दीया जलाना, बिल्कुल न देखने से बेहतर नहीं है? मैं बस यही कहना चाहती हूं कि यही मिस वर्ल्ड का मिशन है। जब हम इन सभी अद्भुत महिलाओं को मंच पर देखते हैं, तो गर्व होता है। वे केवल प्रशंसा के लिए नहीं आई हैं। वे यहां बदलाव की चिंगारी जलाने आई हैं।उन्होंने बताया, मिस वर्ल्ड का मिशन यही है कि ये प्रतियोगी सिर्फ तारीफ बटोरने नहीं आतीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम करती हैं। वे अपने विचारों और प्रोजेक्ट्स के जरिए दुनिया में एक नई रोशनी फैलाने की कोशिश करती हैं।

मानुषी छिल्लर ने साल 2017 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था। उन्होंने फेमिना मिस इंडिया 2017 प्रतियोगिता में हरियाणा का प्रतिनिधित्व किया, जहां उन्होंने फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड का ताज जीता। मानुषी ने पीरियड ड्रामा 'सम्राट पृथ्वीराज' से अभिनय जगत में डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने 'संयोगिता' का किरदार निभाया था। इसके बाद वह कॉमेडी-ड्रामा 'द ग्रेट इंडियन फैमिली' और एक्शन ड्रामा 'बड़े मियां छोटे मियां' में दिखाई दीं।

बोल्ड अंदाज में बीच पर मस्ती करती दिखीं अवनीत कौर

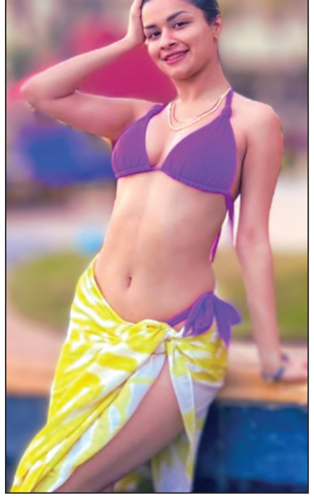

अवनीत कौर एक बार फिर ... अंदाज को लेकर सोश... छा गई हैं। एक्ट्रेस और डांस... ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल... वीडियो शेयर किया है जिसमें वह ... बिकिनी और एनिमल प्रिंट स्कर्ट में वॉक कर... आ रही हैं। खुले बाल, फिट फिगर और प्यारी स्माइ... उनके इस लुक को बेहद दिलकश बना रही है। अवनीत ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, सूरज और शांति वाले इमोजी शेयर किए हैं। इस पोस्ट पर देखते ही देखते हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं। फैंस उनके इस बीच लुक पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं। कोई उन्हें सनशाइन गर्ल कह रहा है तो कोई हॉट एंड फायर लुक बता रहा है।अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरों और वीडियो से फैंस को इंप्रेस करती रहती हैं। उनका हर पोस्ट वायरल हो जाता है और यही वजह है कि इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लगातार बढ़ रही है।अवनीत का यह बीच लुक न सिर्फ हॉटनेस से भरपूर है बल्कि उनके कॉन्फिडेंस और स्टाइल स्टेटमेंट को भी बखूबी दर्शाता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज–मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है। यह शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक है। आपको प्रेम की गहराई का अनुभव करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

ऐसी गतिविधियों में शामिल हों जो रोमांचक हों और आपको सुकून दें। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। ऐसा कोई जिसे आप जानते हैं, आर्थिक मामलों को ज़रूरत से ज़्यादा गंभीरता से लेगा और घर में थोड़ा–बहुत तनाव भी पैदा होगा। पुरानी यादों को ज़ेहन में ज़िंदा कर दोस्ती को फिर से तरोताज़ा करने का वक़्त है। सेमिनार में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। अपने काम से आराम लेकर आज आप कुछ समय अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सेहत अच्छी रहेगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। तब तक कोई वादा न करें, जब तक कि आप पूरी तरह उसे पूरा करने में सक्षम न हों। अगर आप किसी परिस्थिति से घबराकर भागेंगे– तो वह आपका पीछा हर निकृष्ट तरीक़े से करेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

असुरक्षा के चलते आप असमंजस में फँस सकते हैं। तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। लोग आपको आशाएँ और सपने देंगे, लेकिन असल में सारा दारोमदार आपके प्रयासों पर रहेगा। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। अपने जिगरी यारों के साथ आज आप खाली समय का आनंद लेने का विचार बना सकते हैं। चीज़ें आपकी इच्छा के मुताबिक़ नहीं चलेंगी, लेकिन अपने हमदम के साथ आप अच्छा समय गुज़ारेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी सेहत का ख़याल रखें। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने दोस्तों और परिवार के सहयोग के चलते आप नए आत्मविश्वास और रोमांच से भरपूर रहेंगे। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जीवन–साथी की सेहत को ठीक तरह से ध्यान दिए जाने और देखभाल की ज़रूरत है। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। घरेलू मामलों पर तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत है। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों का रुख़ सहयोगी रहेगा और वे आपको ख़ुश रखेंगे। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। थोड़ी–सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू कामकाज आपको ज़्यादातर वक़्त व्यस्त रखेंगे। जो काम आपने किया है, उसका श्रेय किसी और को न ले जाने दें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्त से मिली ख़ास तारीफ़ ख़ुशी का ज़रिया बनेगी। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। अपने जीवन–साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है। काम और घर पर दबाव आपको थोड़ा गुस्सैल बना सकता है। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। बच्चों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए थोड़ा समय अलग से निकालें। आज आपकी कड़ी मेहनत कार्यक्षेत्र में ज़रूर रंग दिखाएगी। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। जीवनसाथी की ओर से आपको नकारात्मक प्रतिक्रिया मिलना संभव है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। बच्चे ज़्यादा वक़्त साथ बिताने की मांग करेंगे– लेकिन उनका बर्ताव सहयोगी और समझदारी भरा होगा। नए प्रस्ताव आकर्षक होंगे, लेकिन जल्दबाज़ी में निर्णय लेना समझदारी का काम नहीं हैं , अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

आज का पंचांग

दिनांक : 03 जून 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 09:58 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी रात्रि 12:59 तक
योग : हर्षण प्रात: 08:07 तक
करण : विष्टि प्रात: 09:13 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:43 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:37 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:33 , सूर्यास्त 06:37 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी , धूमावती जयंती , भद्रा प्रात: 09:11 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल से भारत की एकता व अखंडता होगी मजबूत : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 02 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 अक्टूबर, 2015 को सरदार वल्लभभाई पटेल की 140वीं जयंती के अवसर पर जिस 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल की शुरुआत की थी, उससे भारत की एकता एवं अखंडता और अधिक मजबूत होगी। मुख्यमंत्री अपने आवास संत कबीर कुटीर में हरियाणा में रह रहे विभिन्न राज्यों से जुड़े उनसे मिलने आए प्रबुद्ध लोगों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश में रहने वाले विभिन्न राज्यों के कर्मठ लोगों का हरियाणा के विकास में अहम योगदान है। सभी के भाईचारे और सहयोगात्मक भाव से हरियाणा निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि वे सभी प्रधानमंत्री के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सपने को पूरा करने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से वर्ष 2015 में शुरू हुआ 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत अभियान' एक विचार से आगे बढ़कर, आज भारत की आत्मा को जोड़ने वाला राष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री की सबका साथ सबका विकास की सोच से प्रेरित बताया। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के इस अभिनव अभियान के माध्यम से विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की संस्कृति, परंपराओं और प्रथाओं के ज्ञान से राज्यों के बीच बेहतर समझ और जुड़ाव पैदा होगा, जिससे देश की एकता सुदृढ़ होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के अलग – अलग राज्य भले ही भूगोल में अलग हों, लेकिन हमारे बीच का रिश्ता इतिहास, संस्कृति, बलिदान और संघर्ष की साझी विरासत का है। सभी राज्यों की बौद्धिक समृद्धि मिलकर हमें यह संदेश देती है कि जब भारत के कोने–कोने से लोग एक साथ आएं, तो श्रेष्ठ भारत की नींव और मजबूत होती है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि देश के किसी भी नागरिक को अपना कारोबार करने में कोई परेशानी न आए। कोरोना काल को याद करते हुए उन्होंने कहा कि जब लोगों के काम धंधे ठप्प हो गए थे तो प्रधानमंत्री ने गरीब लोगों को मुफ़्त अनाज देकर हर गरीब का पेट भरा था।

इस अवसर पर हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती ,भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ, महामंत्री डॉ अर्चना गुप्ता, पूर्व मेयर मदन चौहान, संजय ठेकेदार भी उपस्थित थे।

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती में पेपर लीक की आशंका

अभ्यार्थियों को दिए गए सील टूटे पेपर : हुड्डा

चंडीगढ़, 02 जून (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी की भर्तियों में गड़बड़झाले रुकने का नाम नहीं ले रहे। एक के बाद एक, अनगिनत घोटाले उजागर होने के बाद अब असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के पेपर में गड़बड़ी सामने आई है। कई परीक्षाओं में अभ्यर्थियों को ऐसे पेपर बांटे गए, जिनकी सील पहले से ही टूटी हुई थी। यह गड़बड़ी हिंदी, जूलॉजी, केमिस्ट्री और फिजिक्स जैसी भर्तियों के पेपर उजागर हुई है। इसीलिए अभ्यार्थी पेपर लीक की आशंका जता रहे हैं। इतना ही नहीं अभ्यार्थियों ने पेपर में सिलेबस से बाहर के सवाल आने की भी शिकायत की है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच की मांग करी है। उन्होंने कहा कि पीड़ित अभ्यार्थियों की शिकायतों का संज्ञान लिया जाए, दोषियों पर सख़्त कार्रवाई हो और अभ्यर्थियों की मांग अनुसार परीक्षाएं दोबारा करवाई जाएं। क्योंकि कोई भी भर्ती पूरी होने के लिए ज़रूरी है कि प्रक्रिया के स्तर कोई धांधली ना हो। लेकिन बीजेपी जानबूझकर हरेक भर्ती में ऐसे लूपहोल छोड़ देती है, जिसके चलते भर्तियां कोर्ट में जाकर अटक जाती हैं। इसीलिए खुद हाई कोर्ट ने बार–बार इस सरकार की लगभग हरेक भर्ती पर बड़ा सवालिया निशान लगाया है। यहां तक कि कोर्ट ने कहा है कि 2019 के बाद हुई सभी भर्तियों के परिणाम अब दोबारा से जारी करने होंगे। क्योंकि सरकार ने गलत नियमों के तहत ये भर्तियां की हैं। इससे पहले भी बीजेपी कार्यकाल के भर्ती घपलों, घोटालों और अनियमितताओं को लेकर हाई कोर्ट बार–बार कड़ी टिप्पणियां कर चुकी है।

रोहतक–हिसार के बीच नयी सुपरफास्ट ट्रेन चलाने की सांसद हुड्डा की मांग पर रेल मंत्रालय आया हरकत में

चंडीगढ़, 02 जून (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर रोहतक–हिसार के बीच नयी सुपरफास्ट रेलगाड़ी चलाने की मांग की थी। जिसपर रेल मंत्रालय हरकत में आया और रेल मंत्री ने रोहतक–हिसार सुपरफास्ट रेलगाड़ी का परिचालन किये जाने के लिए संबंधित निदेशालय को आवश्यक निर्देश दिए। इसकी जानकारी उन्होंने पत्र के माध्यम से सांसद दीपेन्द्र हुड्डा को दी है। दीपेन्द्र हुड्डा ने रेल मंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा कि रोहतक और हिसार के बीच एक सुपरफास्ट ट्रेन सेवा की तत्काल आवश्यकता है। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने विश्वास जताया कि जल्दी ही ये ट्रेन सेवा शुरू होगी।

उन्होंने कहा कि रोहतक–हिसार रेलमार्ग पर नयी सुपरफास्ट रेलगाड़ी का परिचालन शुरू होने से बेहतर रेल सेवाएँ क्षेत्र के आर्थिक, शैक्षिक और वाणिज्यिक विकास में योगदान देंगी। इस मार्ग पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री, जिनमें छात्र, व्यापारी, कार्यालय जाने वाले और अन्य नागरिक शामिल हैं, यात्रा करते हैं। इस रूट पर मौजूदा रेल सेवाएँ सीमित हैं, जिससे यात्रियों को काफी असुविधा होती है। इस मार्ग पर सुपरफास्ट ट्रेन शुरू करने से न केवल रेल कनेक्टिविटी में सुधार होगा, बल्कि यात्रा का समय भी कम होगा और लोगों को अधिक प्रभावी व आरामदायक आवागमन का विकल्प मिलेगा।

रेवाड़ी में सेना शिक्षा कोर का 105वां स्थापना दिवस

रेजांगला पार्क में शहीदों को श्रद्धांजलि, फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव को समर्पित नामकरण की उठी मांग

रेवाड़ी, 02 जून (एजेंसियां)। सेना शिक्षा कोर के भूतपूर्व सैनिकों ने रविवार को रेवाड़ी के ऐतिहासिक रेजांगला पार्क स्थित वॉर मेमोरियल पर श्रद्धांजलि अर्पित कर 105वां स्थापना दिवस उमंग और उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर मार्टियर जीआर एकेडमी के विद्यार्थियों ने भी पूर्व सैनिकों के साथ भाग लेकर देशभक्ति और बलिदान की प्रेरक गाथाओं से स्वयं को परिचित किया। कार्यक्रम का नेतृत्व एईसी एसोसिएशन के कोऑर्डिनेटर महिपाल सिंह ने किया। सबसे पहले रेजांगला पार्क के शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर जाबांज शहीदों को नमन किया गया। इसके पश्चात दो मिनट का मौन रखकर बीते वर्ष देश के लिए बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई।

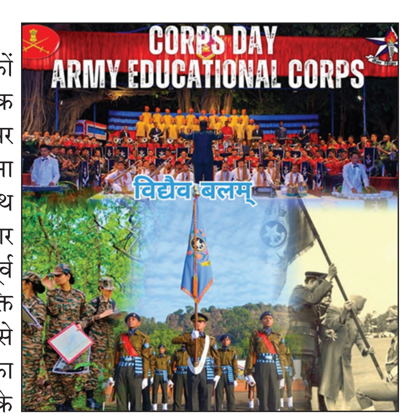

पूर्व सैनिकों और विद्यार्थियों ने मिलकर योग और प्राणायाम के विभिन्न आयामों का अभ्यास किया। इस दौरान उन्हें अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, बहादुरी और राष्ट्रप्रेम के मूल्यों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि शिक्षित नागरिकों का दायित्व है कि वे सेवा–निवृत्त होने के बाद समाज और राष्ट्र के हित में योगदान दें।

कार्यक्रम की विशेष झलक हाल ही में शहीद हुए रेवाड़ी के वीर सपूत फ्लाइट लेफ्टिनेंट सिद्धार्थ यादव के प्रति सम्मान और श्रद्धा का भाव रहा। भूतपूर्व सैनिकों ने विद्यार्थियों को सिद्धार्थ की वीरता की कहानी सुनाते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने संकट की घड़ी में अद्वितीय साहस और विवेक का परिचय देते हुए नागरिकों, साथी पायलट और राष्ट्रीय संपत्ति की रक्षा की, किंतु स्वयं वीरगति को प्राप्त हो गए।

राष्ट्र के विकास के लिए शिक्षा बेहद अहम, बढ़ाएं शिक्षा का स्तर : हरिभाऊ बागडे

भीलवाड़ा, 02 जून (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि गरीब वंचित वर्ग के उत्थान के लिए विभागीय अधिकारी हमेशा कटिबद्ध रहे। जिले के अंतिम छोर तक बैठे प्रत्येक वंचित एवं पात्र व्यक्ति को विकास कार्यक्रमों व योजनाओं से लाभान्वित करें । राज्यपाल बागडे सोमवार को दो दिवसीय भीलवाड़ा दौरे के दौरान कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे । राज्यपाल ने केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं एवं वंचित वर्ग के सामाजिक एवं आर्थिक रूप से उत्थान के लिए प्रगतिरत कार्यक्रमों की समीक्षा की । बागड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वंचित रहे शेष पात्र लोगों को आवास हेतु ऋण स्वीकृत कराए साथ ही गर्मी के मौसम में तापमान को कम करने के लिए हरियालो राजस्थान अभियान के तहत तय लक्ष्यों के अनुरूप पौधे लगाए एवं पूर्व में लगाए गए पौधों में से वर्तमान में जीवित पौधे कितने है, उनका रेंडम सर्वे करवाया जाए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाली सड़कों की जानकारी ली एवं निर्देशित किया कि वर्तमान में डामरीकरण से शेष रही सड़कों को सांसद/विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना या अन्य मद से बजट उपलब्ध करवाकर आगामी समय में सड़के बनाई जाए ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को परिवहन में आसानी हो। उन्होंने जल जीवन मिशन योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी शत प्रतिशत हर घर जल कनेक्शन करना सुनिश्चित करें ।

झोटवाड़ा को मिली शिक्षा की सौगात, कर्नल राठौड़ ने की कक्ष निर्माण की घोषणा

जयपुर, 02 जून (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने शिक्षा क्षेत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और कदम उठाया है। उन्होंने कुड़ियों का बास, झोटवाड़ा में विधायक कोष से 10 लाख की लागत से नए कक्षा कक्षों के निर्माण की घोषणा की है।

कर्नल राठौड़ ने कहा कि शिक्षा समाज की नींव है और विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षण वातावरण देना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के विद्यार्थियों को कक्षा कक्षों की कमी के कारण पढ़ाई में दिक्कत हो रही थी, जिसे अब दूर किया जाएगा।

नए कक्षा कक्षों के निर्माण से विद्यार्थियों को सुविधाजनक व समुचित वातावरण मिलेगा, जिससे उनकी पढ़ाई में भी सकारात्मक सुधार होगा।

क्षेत्रवासियों ने इस पहल के लिए कर्नल राठौड़ का आभार जताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर विकास हो रहा है। कर्नल राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व में देश की शिक्षा व्यवस्था में आधुनिक बदलाव हो रहे हैं और न्यू एजुकेशन पॉलिसी के माध्यम से एक सशक्त और समावेशी शिक्षा प्रणाली का निर्माण किया जा रहा है। राजस्थान में डबल इंजन की भाजपा सरकार इसी दिशा में तेजी से काम कर रही है।

अधिकारी योग दिवस के आवंटित कार्यों का समय पर संपादन करना सुनिश्चित करें : सीईओ

टोंक, 02 जून (एजेंसियां)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह शनिवार, 21 जून 2025 को उत्साह से मनाया जाएगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से योग का बड़ा महत्व है। राज्य सरकार ने योग को आमजन के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने को लेकर इस बार कई निर्णय लिये है। इस वर्ष के योग दिवस के आयोजन को संस्कृति एवं धरोहर से जोड़ते हुए जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों एवं स्थानों पर योगाभ्यास का आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। साथ ही, ब्लॉक, ग्राम पंचायत, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों में भी योगाभ्यास का आयोजन किया जाएगा।

इसी को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य कार्यकारी अधिकारी परशुराम धानका की अध्यक्षता में योग दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। इस दौरान एडीएम टोंक रामरतन सौंकरिया एवं एडीएम मालपुरा विनोद कुमार मीना ने भी आवश्यक निर्देश दिए।

जिले में 21 जून को योग दिवस टोंक में पुलिस परेड ग्राउंड, मालपुरा में डिग्गी, देवली में बीसलपुर बांध, टोडारायसिंह में हाड़ी रानी की बावड़ी एवं उनियारा में मांडकलां में मनाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही, सभी ब्लॉक एवं ग्राम पंचायतों पर भी योगाभ्यास किया जाएगा। सीईओ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे योग दिवस के आवंटित कार्यों का समय पर संपादन करना सुनिश्चित करें। एडीएम रामरतन सौकरिया ने कहा कि आमजन की जागरूकता के लिए योग दिवस का जिले में विभिन्न माध्यमों से प्रचार–प्रसार किया जाए। साथ ही, विभिन्न समाज सेवी संस्थाओं, संगठनों, योग के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं, व्यक्तियों से संपर्क कर उन्हें इस कार्यक्रम से जोड़े। एडीएम मालपुरा विनोद कुमार मीना ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योग दिवस पर कार्यक्रम के लिए चिन्हित स्थान पर साफ–सफाई, पेयजल की व्यवस्था, शारीरिक शिक्षकों एवं स्थानीय कार्मिकों की ड्यूटी लगाना सुनिश्चित करें।

बैठक में जिला आयुर्वेदिक अधिकारी हनुमान प्रसाद शर्मा, उपखंड अधिकारी टोंक हुक्मीचंद रोहलानिया, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता राजेश गोयल, जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार शर्मा, एसीईओ ललित कुमार समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

राजस्थान के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक का निधन

कैबिनेट मंत्री और मुख्य सचिव सहित विभिन्न सेवाओं के अधिकारी हुए अंत्येष्टी में शामिल

नई दिल्ली/जयपुर , 02 जून (एजेंसियां)। राजस्थान कैडर के 1993 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव (ऊर्जा) आलोक का सोमवार को नई दिल्ली में निधन हो गया। पिछले कुछ समय से आलोक दिल्ली में ईलाज चल रहा था। उनके निधन के उपरांत दिल्ली स्थित निवास स्थान पर भारतीय प्रशासनिक सेवा, पुलिस सेवा एवं अन्य विशिष्ट सेवाओं के अधिकारियों सहित राज्य सरकार के दिल्ली स्थित राजकीय कार्यालयों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें श्रद्धांजली अर्पित की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की तरफ से मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल और प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता ने स्वर्गीय आलोक के पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित किया।

राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौर, ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर, मुख्य सचिव और नई दिल्ली में राजस्थान सरकार के मुख्य आवासीय आयुक्त सुधांश पंत, आई. ए. एस. अखिल अरोड़ा, आनंद कुमार, भास्कर सावंत, अपर्णा अरोड़ा, सहित बहुतायत संख्या में भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों सहित अन्य विशिष्ट लोगों ने लोधी रोड स्थित शवदाह गृह पहुंचकर स्व. आलोक की अंत्येष्टी में सम्मिलित हुए। इसके अतिरिक्त भारत सरकार में पदस्थापित आई.ए.एस. अधिकारी तन्मय कुमार, नरेश पाल गंगवार, रोली सिंह, राज्य के पूर्व मंत्री युनुस खान और सेवानिवृत अधिकारियों सुनील अरोड़ा, श्रीमत पांडेय इत्यादि ने भी उनकी देह पर पुष्प चक्र अर्पित करते हुए शोक संतृप्त परिवार को सांत्वना व्यक्त की।

उल्लेखनीय है कि स्व. आलोक वर्तमान में उर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव तथा दिल्ली में प्रमुख आवासीय आयुक्त के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। इसके अतिरिक्त आलोक ने केन्द्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और प्राधिकरणों सहित सहित राज्य सरकार के महत्वपूर्ण विभागों में अपनी सेवाएं दी हैं।

बीकानेर हाउस में मंगलवार को होगा श्रद्धांजली सभा का आयोजन

स्वर्गीय श्री आलोक को श्रद्धांजली अर्पित करने के लिए मंगलवार को नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में सायं 6 बजे से 7 बजे तक एक श्रद्धांजली सभा का आयोजन रखा गया है।

महर्षि मेंहीं परमहंस जी पर बनी फिल्म

एप और पोर्टल का डिप्टी सीएम सम्राट ने किया लोकार्पण

भागलपुर (एजेंसियां)। भारत की अध्यात्मिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। कुप्पाघाट स्थित संतमत आश्रम में रविवार को आयोजित एक भव्य समारोह में महर्षि मेंहीं परमहंस जी महाराज के जीवन और विचारों पर आधारित हिंदी फिल्म मेंहीं- एक विचार का फर्स्ट लुक जारी किया गया।

इसके साथ ही कुप्पाघाट आश्रम के मोबाइल एप और वेबसाइट का भी लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इन पहलों का शुभारंभ किया और इसे आध्यात्मिकता और तकनीक के अद्भुत संगम की संज्ञा दी।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि भारत की आत्मा ऋषि परंपरा में बसती है, और महर्षि मेंहीं परमहंस जी जैसे संतों का जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल एक फिल्म या एप के लोकार्पण तक

सीमित नहीं है, बल्कि यह संतमत की चेतना को विश्व पटल पर पहुंचाने की एक क्रांतिकारी पहल है।

उन्होंने विश्वास जताया कि मोबाइल एप्लिकेशन और पोर्टल के माध्यम से देश-विदेश में बसे अनुयायियों को सत्संग, भजन, साहित्य और मार्गदर्शन सहज रूप में उपलब्ध होगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने फिल्म को समाज के हर वर्ग, विशेष रूप से युवा पीढ़ी के लिए एक उदात्त प्रेरणा स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि इस फिल्म के माध्यम से संतों के जीवन की गहराई, उनका त्याग और तपस्या जनमानस तक प्रभावी ढंग से पहुंचेगी। यह फिल्म संतमत की विचारधारा को सिनेमा जैसे सशक्त माध्यम से आमजन के बीच लाने का प्रयास है।

फिल्म 'मेंहीं- एक विचार, एक व्यक्तित्व' के निर्देशक दीपक साह ने कहा कि यह महज एक बायोपिक नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक दस्तावेज है। उन्होंने बताया कि फिल्म में महर्षि मेंहीं जी के जीवन के विविध पहलुओं जैसे साधना, समाजसेवा, ध्यान और जनकल्याणकारी कार्यों को चित्रित किया गया है, जिससे हर आयु वर्ग के दर्शक प्रभावित होंगे। फिल्म का निर्माण अखिल भारतीय संतमत सत्संग महासभा, कुप्पाघाट और अवर पाथ एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है।

अखिल भारतीय संतमत सत्संग महासभा, कुप्पाघाट के अध्यक्ष अरुण कुमार अग्रवाल ने कहा कि आश्रम के पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से दुनिया के किसी भी कोने में मौजूद अनुयायी महर्षि मेंहीं जी के जीवन दर्शन और सत्संग से जुड़ सकेंगे। महासभा के महामंत्री दिव्य प्रकाश ने कहा कि यह लोकार्पण एक तकनीकी उपलब्धि ही नहीं, संतमत की चेतना को नई दिशा देने का संकल्प भी है।

इस आयोजन में बड़ी संख्या में संत, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु उपस्थित रहे। स्वामी सत्यानंद बाबा, पूज्य भागीरथ बाबा, प्रमोद बाबा, स्वामी पंकज बाबा सहित कई आध्यात्मिक गुरु मंच पर उपस्थित थे। साथ ही विधान पार्षद एन.के. यादव, लोजपा (रामविलास) की प्रदेश महासचिव संगीता तिवारी, विधायक विजय खेमका, पवन यादव, कुमार शैलेन्द्र, जयप्रकाश यादव, महापौर वसुंधरा लाल, भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सहित कई राजनीतिक हस्तियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज की।

थानेदार पर चला पॉक्सो कोर्ट का डंडा, होगा मुकदमा दर्ज

नाबालिग से छेड़खानी का लगा है आरोप

सुपौल (एजेंसियां)। बिहार में पॉक्सो कोर्ट ने एक थानेदार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश जारी किया है। मामला सुपौल जिले के वीरपुर थाना का है, जहां के थानेदार पर गंभीर आरोप लगा है। उनके विरुद्ध नाबालिग से छेड़खानी और धमकी देने के मामले में कोर्ट ने महिला थाने में केस दर्ज करने का आदेश दिया है।

दरअसल, वीरपुर थाना क्षेत्र की एक महिला ने थानाध्यक्ष राजकिशोर मंडल पर उसकी नाबालिग बेटी से छेड़खानी और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। इसको लेकर महिला ने कोर्ट में परिवाद दायर किया। सुनवाई करते हुए विशेष सत्र न्यायाधीश पॉक्सो की कोर्ट ने महिला थाना सुपौल में वीरपुर थानाध्यक्ष राजकिशोर मंडल के विरुद्ध पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज करने का आदेश दिया है। कोर्ट के आदेश के बाद मां-बेटी महिला थाने पहुंची। पीड़िता नाबालिग ने बयान दर्ज कराया कि थानाध्यक्ष ने पहले उसका मोबाइल बंद कराया। फिर हाथ पकड़कर कहा कि सब ठीक हो जाएगा। बाद में पीठ पर हाथ रखकर बोला कि जब बुलाएं, जहां बुलाएं, वहां आना होगा।

महिला ने बताया कि उसके पति किसी मामले में जेल में बंद हैं। पति को जेल से छुड़ाने के नाम पर स्थानीय सरपंच ने 1.20 लाख रुपए लिए थे। इसके बाद सरपंच ने महिला और उसकी बेटी को वीरपुर थाने बुलाया, लेकिन वहां थानाध्यक्ष राजकिशोर मंडल ने उसकी बेटी जके साथ छेड़छाड़ करने लगा। तब किसी तरह दोनों मां-बेटी वहां से भाग कर अपनी इज्जत बचाई।

महिला का आरोप है कि थानाध्यक्ष ने बेटी का जबरन हाथ पकड़ा। विरोध करने पर पति को जेल में सड़ाने और जान से मारने की धमकी दी। महिला ने न्यायालय में गुहार लगाया है। कोर्ट ने महिला थाना सुपौल को सरपंच और थानाध्यक्ष राजकिशोर मंडल के खिलाफ केस दर्ज करने का आदेश दिया है। इसके बाद शुक्रवार को पीड़िता और उसकी बेटी महिला थाना सुपौल पहुंची, जहां महिला थानाध्यक्ष ने आ-वेदन लेकर मां-बेटी का बयान दर्ज किया। इस मामले में बीते 16 मई को व्यवहार न्यायालय सुपौल में पॉक्सो एक्ट के तहत केस संख्या 10/25 दर्ज किया गया है।

इधर, सरपंच ने आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि महिला से उसकी कभी मुलाकात हुई ही नहीं। न ही कोई बातचीत हुई। महिला के पास जो वीडियो है, वह किसी पुराने पंचायत में जुर्माना वसूली का हो सकता है। उन्होंने जांच की मांग की है।

आरोप के संबंध वीरपुर थानाध्यक्ष राजकिशोर मंडल ने आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि उन्हें राजनीतिक साजिश के तहत बदनाम किया जा रहा है। महिला का पति अपहरण और हत्या के मामले में पिछले 8 महीने से जेल में है।

इस बाबत एसपी शैशव यादव ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में है। जांच कराई जाएगी। दोषी पाए जाने पर कार्रवाई होगी, जबकि महिला थानाध्यक्ष अंजू तिवारी ने बताया कि कोर्ट से प्राप्त आदेश के आलोक में जांच शुरू कर दी गई है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुरूप अग्रेत्तर कार्रवाई की जाएगी।

हथियार सप्लायर की गिरफ्तारी करने गई पुलिस टीम पर हमला, दरोगा गंभीर रूप से घायल

दरभंगा (एजेंसियां)। दरभंगा जिले के कुशेश्वरस्थान थाना क्षेत्र के उसरी गांव में एक वारंटी की गिरफ्तारी के लिए गई पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने अचानक हमला कर दिया। इस हमले में बहेड़ी थाना में तैनात दरोगा उपेंद्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए डीएमसीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

पुलिस टीम एक हत्या मामले में वांछित हथियार सप्लायर पंचम लाल यादव की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही थी। तभी गांव में भीड़ ने पुलिस पर हमला कर

दिया। दरोगा उपेंद्र सिंह को घेरकर पिटाई की गई और उनका सर्विस पिस्टल भी छीनने की कोशिश की गई, हालांकि ग्रामीण इसमें सफल नहीं हो सके। साथ में मौजूद पुलिसकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए दरोगा को भीड़ से सुरक्षित बाहर निकाला और एक हमलावर को मौके से गिरफ्तार किया।

घटना की पुष्टि करते हुए दरभंगा ग्रामीण एसपी आलोक ने बताया कि छापेमारी बहेड़ी थाना की पुलिस ने कुशेश्वरस्थान थाना के सहयोग से की थी। इसी दौरान पुलिस टीम पर हमला किया गया। हमलावर पेशेवर अपराधी हैं और आरोपियों को बचाने के लिए स्थानीय लोग पुलिस के सामने आ गए। हमले में शामिल मुख्य आरोपियों में एक अवधेश यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि वह गांव का पैक्स अध्यक्ष है और स्थानीय स्तर पर उसका दबंग प्रभाव है। पुलिस की कार्रवाई जारी है और अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

तेज प्रताप के समर्थन में उतरे लालू यादव के सांसद

पटना (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री और लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव के पक्ष में राष्ट्रीय जनता दल के सांसद और प्रदेश अध्यक्ष के बेटे उतर गए हैं। सांसद सुधाकर सिंह ने तेज प्रताप का समर्थन किया है। कहा कि तेज प्रताप यादव ने जो किया है, उसे मैं गुनाह की श्रेणी में नहीं मानता है। उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री और राम विलास पासवान का भी उदाहरण दिया। साथ ही राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद से अपने फैसले पर विचार करने की अपील की। सुधाकर सिंह के इस बयान ने सियासी गलियारे में हलचल मचा दी है। आइए जानते हैं सुधाकर

सिंह ने क्या कहा?

बक्सर से सांसद और राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के बेटे सुधाकर सिंह ने कहा कि तेज प्रताप यादव ने कोई गुनाह नहीं किया है। अगर उन्होंने कुछ किया है तो इसकी घोषणा वह स्वयं करेंगे। दो शादियां हिन्दू रीति रिवाजों में रही है। कई जगह हमने तीन चार शादियों के बारे में हमने सुना है। दो शादी कई लोग कर चुके हैं। मैं व्यक्तिगत तौर पर इसे अनैतिक काम नहीं मानता हूं। आज भी कई लोग दो शादियां करके रह रहते हैं। उन्होंने रामविलास पासवान का भी उदाहरण दिया। उन्होंने भी दो शादी की थी। चिराग पासवान उनकी दूसरी पत्नी के बेटे हैं। उन्होंने लालू प्रसाद से अपील करते हुए कहा कि एक पिता के तौर उन्हें तेज प्रताप यादव को माफ कर देना चाहिए।

एक महिला के साथ तेज प्रताप यादव की तस्वीर और सोशल मीडिया पोस्ट के कारण राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने अपने बड़े बेटे को छह साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया गया था।

उन्होंने लिखा था कि निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अव-हेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित किया जाता है।

प्रेम प्रसंग में किशोर की चाकू मारकर हत्या

पटना (एजेंसियां)। नालंदा जिले के अस्थावां थाना क्षेत्र अंतर्गत लखनु विगहा गांव के पास रविवार को एक दर्दनाक वारदात में 14 वर्षीय किशोर प्रीतम कुमार की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। वह गिरियक थाना क्षेत्र के तरोखर गांव निवासी वरुण कुमार का पुत्र था। इस घटना में उसका मौसेरा भाई चंदन कुमार भी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे पटना में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

प्रीतम अपने परिवार के साथ लुधियाना (पंजाब) में रहता था और वह तीन दिन पूर्व ही अपने मौसा मुन्ना कुमार के घर चुलिहारी गांव आया था। रविवार को वह अपने मौसेरे भाई चंदन और गांव के एक अन्य युवक के साथ लखनु विगहा गांव के पास खाने पीने के लिए गया था।

परिजनों ने बताया कि चार पांच लड़कों ने प्रीतम और चंदन को जबरन संजय पासवान के घर के पास रोक लिया और उन्हें खेत में ले जाकर चाकू से हमला कर दिया। एक युवक वहां से भागकर गांव पहुंचा और परिजनों को सूचना दी। इसके बाद दोनों घायलों को निजी क्लीनिक ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान प्रीतम की मौत हो गई।

पूर्व मंत्री इसराइल मंसूरी ने साधा बिहार सरकार पर निशाना

मंगल पांडे वाला मंगलराज नहीं चाहिए

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। पटना के पीएमसीएच में मुजफ्फरपुर के कुढ़नी प्रखंड क्षेत्र की दुष्कर्म पीड़िता मासूम बच्ची की मौत के बाद बिहार सरकार पर विपक्ष का हमला तेज हो गया है।

इस घटना को लेकर पूर्व मंत्री और राजद विधायक इसराइल मंसूरी ने नीतीश सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि यह सरकार और स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही का परिणाम है।

पूर्व मंत्री मंसूरी ने कहा कि अगर सरकार समय पर पीड़िता को इलाज और सुरक्षा देती, तो उसकी जान बचाई जा सकती थी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सिर्फ इसलिए उस बच्ची की उपेक्षा हुई क्योंकि वह दलित और

गरीब थी? उन्होंने दावा किया कि अगर वह किसी अन्य वर्ग की होती, तो उसे हर संभव मदद दी जाती और शायद उसकी मौत भी नहीं होती।

मंसूरी ने भाजपा नेता मंगल पांडे और सरकार पर तंज कसते हुए कहा, हमें मंगल पांडे वाला मंगलराज नहीं चाहिए जिसमें दलित बच्ची और आम आदमी सुरक्षित नहीं हैं। इससे बेहतर तो जंगलराज ही था, जिसमें कम से कम ऐसी घटनाएं नहीं होती थीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सुशासन सरकार पूरी तरह फेल साबित हो रही है।

इसराइल मंसूरी ने इस मामले में उच्च स्तरीय जांच समिति के गठन की मांग की है। साथ ही दोषियों को कड़ी सजा दिलाने और पीड़िता के परिवार को न्याय व उचित मुआवजा देने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि सरकार को इस मामले में पूरी जवाबदेही लेनी चाहिए।

राजद विधायक ने कहा कि यह साफ तौर पर दिखाता है कि सरकार का रवैया दलितों के प्रति भेदभावपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पीड़ित दलित होता है, तो सरकार की संवेदनशीलता खत्म हो जाती है।

साइबर ठगी के बड़े गिरोह का पर्दाफाश, एक आरोपी गिरफ्तार

पूर्णिया (एजेंसियां)। कटिहार साइबर थाना की पुलिस ने एक बड़े साइबर ठगी गिरोह का खुलासा करते हुए पूर्णिया जिले के बारहरा कोठी निवासी विनोद कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी गेमिंग एप के नाम पर लोगों को ज्यादा मुनाफे का लालच देकर उनके बैंक खातों से लाखों रुपये की ठगी करता था। पुलिस के अनुसार, हाल ही में एक शिक्षिका के खाते से इसी गिरोह ने 24 लाख रुपये उड़ा लिए थे।

कटिहार साइबर थाना डीएसपी वसीम फिरोज ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी विनोद कुमार अपने गैंग के साथ मिलकर पिछले कई महीनों से साइबर ठगी कर रहा था। जांच में सामने आया

है कि उसके बैंक अकाउंट से एक महीने में ही लगभग 1.5 करोड़ रुपये का ट्रांजैक्शन हुआ है। पीड़ित शिक्षिका के खाते से निकाले गए 24 लाख में से 5 लाख रुपये अभी भी आरोपी के अकाउंट में हैं, जिसे ट्रेस किया जा चुका है।

साइबर थाना पुलिस ने इस मामले के खुलासे के साथ-साथ आम लोगों को चेतावनी दी है कि वे किसी भी अवैध गेमिंग एप से सावधान रहें। पुलिस ने कहा कि कभी भी ऐसे एप्स के चक्कर में आकर अपने बैंक अकाउंट को ऑटो डेबिट मोड में न रखें, क्योंकि इससे बैंक खाते से पैसे उड़ाए जा सकते हैं।

फिलहाल पुलिस ने इस ठगी मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन इस साइबर गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जल्द ही पूरे गिरोह को पकड़ने का दावा पुलिस ने किया है।

आशुतोष शंकर सिंह की भाजपा को खुली चेतावनी : राजपूत समाज को नजरअंदाज करना पड़ेगा भारी

सीतामढ़ी (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेश सह कोषाध्यक्ष आशुतोष शंकर सिंह ने बिहार के सीतामढ़ी स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत करते हुए पार्टी नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राजपूत समाज की उपेक्षा की जा रही है, जबकि इस समाज के पास भाजपा में 5 सांसद, 1 केंद्रीय मंत्री और 17 विधायक हैं। इसके बावजूद संगठन और सरकार में उनकी हिस्सेदारी नगण्य है।

आशुतोष शंकर सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राजपूत समाज को केवल दिखावटी पदों या कम महत्व वाले विभागों से संतुष्ट करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि, जिस समाज ने देश और धर्म के लिए

बलिदान दिया है, उसे मंत्रालयों और नेतृत्व पदों के योग्य क्यों नहीं समझा जा रहा? उन्होंने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा, भाजपा को यह नहीं भूलना चाहिए कि राजपूत समाज सिर्फ तलवार चलाना ही नहीं जानता, बल्कि राजनीति की दिशा और दशा तय करना भी जानता है। उनका यह बयान पार्टी में गहराते असंतोष और संभावित राजनीतिक नुकसान की ओर इशारा करता है। आशुत-ोष शंकर सिंह ने यह भी कहा कि अगर जल्द ही राजपूत समाज को सम्मान और बराबरी की भागीद-ारी नहीं दी गई, तो इसके गंभीर राजनीतिक परिणाम सामने आ सकते हैं। उन्होंने यह बयान पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के लिए एक स्पष्ट संदेश के तौर पर दिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com